13 मई 2025
मंगलवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

शहीद बीएसएफ के सब इंस्पेक्टर को दी गई अंतिम विदाई, भारत माता की जय से गूंजा इलाका

भारत पर आतंकी हमला हुआ तो हम अपने तरीके से, अपनी शर्तों पर मुहतोड़ जवाब देंगे: मोदी

पीएम मोदी का देश को संबोधन

एजेंसी/नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार शाम देश को संबोधित किया। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पीएम नरेंद्र मोदी का यह पहला भाषण है। देशवासियों को संबोधित करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमने पाकिस्तान के आतंकी और सैन्य ठिकानों पर अपनी जवाबी कार्रवाई को अभी सिर्फ स्थगित किया है। आने वाले दिनों में, हम पाकिस्तान के हर कदम को इस कसौटी पर मापेंगे, कि वो क्या रवैया अपनाता है। उन्होंने यह भी कहा कि युद्ध के मैदान पर हमने हर बार पाकिस्तान को धूल चटाई है। और इस बार ऑपरेशन सिंदूर ने नया आयाम जोड़ा है। भारत का मत एकदम स्पष्ट है, टैरर और टॉक, एक साथ नहीं हो सकते, टैरर और ट्रेड, एक साथ नहीं चल सकते। पानी और खून भी एक साथ नहीं बह सकता।

पीएम मोदी ने कहा हम सभी ने बीते दिनों में देश का सामर्थ्य और उसका संयम दोनों देखा है। मैं सबसे पहले भारत की पराक्रमी सेनाओं को,

सशस्त्र बलों को, हमारी खुफिया एजेंसियों को, हमारे वैज्ञानिकों को, हर भारतवासी की तरफ से सैल्यूट करता हूं। हमारे वीर सैनिकों ने ऑपरेशन सिंदूर के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए असीम शौर्य का प्रदर्शन किया। मैं उनकी वीरता को, उनके साहस को, उनके पराक्रम को, आज समर्पित करता हूं- हमारे देश की हर माता को, देश की हर बहन को, और देश की हर बेटी को, ये पराक्रम समर्पित करता हूं।

ऑपरेशन सिंदूर देश के कोटि-कोटि लोगों की भावनाओं का प्रतिबिंब है

पीएम मोदी ने कहा ऑपरेशन सिंदूर ये सिर्फ नाम नहीं है, ये देश के कोटि-कोटि लोगों की भावनाओं का प्रतिबिंब है। ऑपरेशन सिंदूर न्याय की अखंड प्रतिज्ञा है। 6 मई की देर रात, 7 मई की सुबह, पूरी दुनिया ने इस प्रतिज्ञा को परिणाम में बदलते देखा है। भारत की सेनाओं ने पाकिस्तान में आतंक के ठिकानों पर, उनके ट्रेनिंग सेंटर्स पर सटीक प्रहार किया। जब पाकिस्तान में आतंक के अड्डों पर भारत की मिसाइलों ने हमला बोला, भारत के ड्रोन्स ने हमला बोला, तो आतंकी संगठनों की इमारतें ही नहीं, बल्कि उनका हौसला भी थर्रा गया। बहावलपुर और मुरीदके जैसे आतंकी ठिकाने, एक प्रकार से ग्लोबल टैररिज्म की यूनिवर्सटीज रही हैं। आतंकियों ने हमारी बहनों का सिंदूर उजाड़ा था, इसलिए भारत ने आतंक के ये हेडक्वाट्र्स उजाड़ दिए। भारत के इन हमलों में 100 से अधिक खूंखार आतंकवादियों को मौत के घाट उतारा गया है। आतंक के बहुत सारे आका, बीते ढाई-तीन दशकों से खुलेआम पाकिस्तान में घूम रहे थे, जो भारत के खिलाफ साजिशें करते थे, उन्हें भारत ने एक झटके में खत्म कर दिया। भारत की कार्रवाई से पाकिस्तान घोर निराशा में घिर गया था, हताशा में घिर गया था, बौखला गया था, और इसी बौखलाहट में उसने एक और दुस्साहस किया। आतंक पर भारत की कार्रवाई का साथ देने के बजाय पाकिस्तान ने भारत पर ही हमला करना शुरू कर दिया। पाकिस्तान ने हमारे स्कूलों-कॉलेजों को, गुरुद्वारों को, मंदिरों को, सामान्य नागरिकों के घरों को निशाना बनाया, पाकिस्तान ने हमारे सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया, लेकिन इसमें भी पाकिस्तान खुद बेनकाब हो गया। दुनिया ने देखा कि कैसे पाकिस्तान के ड्रोन्स और पाकिस्तान की मिसाइलें, भारत के सामने तिनके की तरह बिखर गईं। भारत के सशक्त एयर डिफेंस सिस्टम ने, उन्हें आसमान में ही नष्ट कर दिया। पाकिस्तान की तैयारी सीमा पर वार की थी, लेकिन भारत ने पाकिस्तान के सीने पर वार कर दिया। भारत के ड्रोन्स, भारत की मिसाइलों ने सटीकता के साथ हमला किया।

पीएम बोले... अपनी जवाबी कार्रवाई को अभी सिर्फ स्थगित किया है

पीएम मोदी ने कहा कि भारत की आक्रामक कार्रवाई के बाद, पाकिस्तान बचने के रास्ते खोजने लगा। पाकिस्तान, दुनिया भर में तनाव कम करने की गुहार लगा रहा था। और बुरी तरह पिटने के बाद इसी मजबूरी में 10 मई की दोपहर को पाकिस्तानी सेना ने हमारे डीजीएमओ को संपर्क किया। तब तक हम आतंकवाद के इंफ्रास्ट्रक्चर को बड़े पैमाने पर तबाह कर चुके थे, आतंकियों को मौत के घाट उतार दिया गया था, पाकिस्तान के सीने में बसाए गए आतंक के अड्डों को हमने खंडहर बना दिया था, इसलिए, जब पाकिस्तान की तरफ से गुहार लगाई गई, पाकिस्तान की तरफ से जब ये कहा गया, कि उसकी ओर से आगे कोई आतंकी गतिविधि और सैन्य दुस्साहस नहीं दिखाया जाएगा। तो भारत ने भी उस पर विचार किया। और मैं फिर दोहरा रहा हूं, हमने पाकिस्तान के आतंकी और सैन्य ठिकानों पर अपनी जवाबी कार्रवाई को अभी सिर्फ स्थगित किया है। आने वाले दिनों में, हम पाकिस्तान के हर कदम को इस कसौटी पर मापेंगे, कि वो क्या रवैया अपनाता है। भारत की तीनों सेनाएं, हमारी एयरफोर्स, हमारी आर्मी, और हमारी नेवी, हमारी बॉर्डर सेक्योरिटी फोर्स, भारत के अर्धसैनिक बल, लगातार अलर्ट पर हैं। ऑपरेशन सिंदूर ने आतंक के खिलाफ लड़ाई में एक नई लकीर खींच दी है, एक नया पैमाना, न्यू नॉर्मल तय कर दिया है। **पहला**- भारत पर आतंकी हमला हुआ तो मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। हम अपने तरीके से, अपनी शर्तों पर जवाब देकर रहेंगे। हर उस जगह जाकर कठोर कार्यवाही करेंगे, जहां से आतंक की जड़ें निकलती हैं। **दूसरा**- कोई भी न्यूक्लियर ब्लैकमेल भारत नहीं सहेगा। न्यूक्लियर ब्लैकमेल की आड़ में पनप रहे आतंकी ठिकानों पर भारत सटीक और निर्णायक प्रहार करेगा। **तीसरा**- हम आतंक की सरपरस्त सरकार और आतंक के आकाओं को अलग-अलग नहीं देखेंगे। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया ने, पाकिस्तान का वो घिनौना सच फिर देखा है, जब मारे गए आतंकियों को विदाई देने, पाकिस्तानी सेना के बड़े-बड़े अफसर उमड़ पड़े। स्टेट स्पॉन्सरड टेरेरिज्म का ये बहुत बड़ा सबूत है।

संघर्ष विराम के बाद तीनों सेनाओं के डीजीएमओ की दूसरी बार हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस

हमने सिर्फ आतंकियों व उनके ठिकानों को खत्म करने के लिए हमले किए: एयर मार्शल

- एयर मार्शल ने किया बड़ा ऐलान बोले- सेना अपने अगले मिशन के लिए भी तैयार है
- बोले- हमारा उद्देश्य पाकिस्तानी सेना के साथ युद्ध करने या उनके ठिकानों को निशाना बनाने का नहीं था

एजेंसी/नई दिल्ली

भारत पाकिस्तान के बीच लंबे सैन्य तनाव के बीच युद्ध विराम होने के बाद सोमवार को दूसरी बार तीनों सेनाओं के डीजीएमओ की प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई। इसमें डीजीएमओ राजीव घई, एयर मार्शल ए.के.भारती और वाइस एडमिरल ए.एन.प्रमोद ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर जानकारी दी। ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय वायुसेना का जबरदस्त कौशल देखने को मिला। प्रेस ब्रीफिंग में एयर मार्शल भारती ने बड़ा ऐलान किया कि सेना अपने अगले मिशन के लिए भी तैयार है। एयर मार्शल ने कहा कि 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के जरिए हमने केवल आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया था। पाकिस्तान की तरफ से की गई कार्रवाई ने हमें जवाब देने के लिए मजबूर किया। पाकिस्तान की तरफ से हमारे ऊपर चीनी मिसाइल से हमला किया गया, लेकिन वह हमारे एयर डिफेंस सिस्टम को भेदने में नाकाम साबित हुआ। हमारे डिफेंस सिस्टम ने इन मिसाइलों को रास्ते में ही ठिकाने लगा दिया।

एयरफोर्स की तरफ से मीडिया को संबोधित करते हुए एयर मार्शल भारती ने कहा कि हमने केवल आतंकियों को खत्म करने, उनके ठिकानों पर सटीक हमले किए थे, लेकिन पाकिस्तानी सेना ने इसे अपने ऊपर ले लिया। हमारा उद्देश्य पाकिस्तानी सेना के साथ युद्ध करने या उनके ठिकानों को निशाना बनाने का नहीं था। हमारी तरफ से पहले ही यह बात क्लियर कर दी गई थी। हालांकि, इसके बाद भी पाकिस्तानी सेना ने हमारे ऊपर हमला करने की कोशिश की, लेकिन वो हमारे मल्टीलेयर सिस्टम को भेदने में नाकाम रहे। हमारे एयर डिफेंस ने पाकिस्तान की तरफ से भेजे गए तुर्की ड्रोन्स और रॉकेट्स को हवा में ही मार गिराया।

एयर मार्शल भारती ने कहा कि जहां तक टर्की ड्रोन का सवाल है। तो आपने देखा किस तरह के रैकेट्स फोटोग्राफ हमने यहां दिखाए हैं। चाहें वो टर्की ड्रोन हों या फिर और कहीं के ड्रोन हों। हामारे काउंटर यूएस सिस्टम और हमारे ट्रेंड एयर डिफेंस ऑपरेटर पूरी तरह सक्षम हैं और हमारे देश की जो इंडीजीनस कैपेबिलिटी है उसने दिखा दिया है कि चाहें किसी तरह की टेक्नोलॉजी आ जाए, हम उसको काउंटर करने के लिए तैयार हैं। और मुझे बोलने की ज्यादा जरूरत नहीं है। आपने खुद ही अपनी आंखों से देखा है, हमने क्या इनका (पाकिस्तान) का हश्र किया है।

एयर मार्शल भारती ने खुलासा किया कि पाकिस्तान ने चीनी मूल की पीएल-15 एयर-टू-एयर मिसाइल सहित उन्नत हथियारों का इस्तेमाल किया , जो अपने लक्ष्य को भेदने में विफल रहे। उन्होंने भारतीय सेना द्वारा बरामद किए गए मलबे को दिखाते हुए कहा कि आप स्क्रीन पर इसके टुकड़े देख सकते हैं। भारती ने कहा कि क्या संदेश दिया जा रहा है तो इसको लेकर मैं रामधारी सिंह दिनकर की पंक्ति याद दिलाऊंगा और आप समझ जाएंगे। वो पंक्ति है-

विनय ना मानत जलध जड़ गए तीन दिन बीति। बोले राम सकोप तब भय बिनु होय ना प्रीति..तो समझदार के लिए इशारा ही काफी है। एयर मार्शल ए.के. भारती ने कहा, मैं बहुत स्पष्ट शब्दों में कहना चाहता हूं कि हमारे सभी सैन्य अड्डे और सभी उपकरण और प्रणालियां चालू हैं और आवश्यकता पड़ने पर अपने अगले मिशन के लिए तैयार व तत्पर हैं।

दोनों पक्षों की ओर से एक भी गोली नहीं चलनी चाहिए

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के डीजीएमओ (डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस) स्तर की बातचीत सोमवार को शाम 5 :00 बजे पूरी हो गई। वार्ता में इस प्रतिबद्धता को जारी रखने से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की गई कि दोनों पक्षों की ओर से एक भी गोली नहीं चलनी चाहिए या एक-दूसरे के खिलाफ कोई आक्रामक और शत्रुतापूर्ण कार्रवाई शुरू नहीं करनी चाहिए। इस बात पर भी सहमति हुई कि दोनों पक्ष सीमाओं और अग्रिम क्षेत्रों से सैनिकों की संख्या में कमी सुनिश्चित करने के लिए तत्काल उपायों पर विचार करें। लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने यह भी कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों ने रविवार को पाकिस्तानी पक्ष को एक 'हॉटलाइन मैसेज' भेजा, जिसमें एक दिन पहले बनी सैन्य सहमति का उल्लंघन किया गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ऐसा दोबारा हुआ तो भारत की कड़ी कार्रवाई करेगा।

रायपुर में भीषण सड़क हादसा... जन्मोत्सव की खुशी मना लौट रहे 13 लोगों की दर्दनाक मौत

ट्रेलर ने मिनी ट्रक को मारी टक्कर, मृतकों में 9 महिलाएं, 3 बच्चियां, 1 बच्चा शामिल

एजेंसी/रायपुर

राजधानी रायपुर के विधानसभा थाना क्षेत्र में रविवार देर रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया। हादसे में 13 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। यह हादसा खरोरा-बलौदा बाजार रोड पर उस समय हुआ जब माजदा वाहन में सवार होकर लोग बच्चों के जन्मोत्सव कार्यक्रम से लौट रहे थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, माजदा वाहन जैसे ही खरोरा क्षेत्र में पहुंचा, तभी विपरीत दिशा से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रेलर ट्रक ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि मौके पर ही 13 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 9 महिलाएं, 2 बच्चियां, 1 बच्चा और 6 माह की एक शिशु शामिल हैं। हादसे में कई अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिन्हें तुरंत खरोरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और मेडिकल कॉलेज रायपुर में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है।

घटना की खबर मिलते ही पूरे क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई है। पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह हादसा सड़क सुरक्षा और भारी वाहनों की लापरवाही पर एक बड़ा सवाल खड़ा करता है। हादसे की सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। मुख्यमंत्री और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है और पीड़ित परिवार को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया है। जानकारी के अनुसार चटौड़ गांव के कुछ लोग दूसरे गांव में एक समारोह में शामिल होने गए थे। वे अपने घर लौट रहे थे। तभी उनकी गाड़ी एक ट्रक से टकरा गई। इस घटना में कई लोग घायल हो गए। इस घटना में कुल 13 लोगों की मौत हो गई और 14 लोग घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस-प्रशासन से जुड़े आला अफसर मौके पर पहुंचे हैं। बड़े सड़क हादसे के बाद इलाके मे अफरा-तफरी मच गई।

सीएम ने 5-5 लाख रुपए मुआवजे का किया ऐलान

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, खरोरा में हुए भीषण सड़क हादसे में 13 लोगों की मृत्यु और 14 लोगों घायल होने की खबर अत्यंत दु:खद है। घायलों के समुचित इलाज के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया है। संकट की इस घड़ी में छत्तीसगढ़ सरकार मृतकों के परिजनों के साथ खड़ी है। राज्य सरकार ने मृतकों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपए एवं घायलों को 50-50 हजार रूपए की सहायता राशि स्वीकृत की है। ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति और घायलों के यथाशीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। वहीं इस हादसे पर पीएम नरेंद्र मोदी ने शोक जताया है। पीएम मोदी ने कहा कि छत्तीसगढ़ में सड़क दुर्घटना के कारण लोगों की मृत्यु से गहरा दुख हुआ है। जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति संवेदना। घायल जल्द स्वस्थ हों। प्रधानमंत्री ने यह भी घोषणा की है कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपये और घायलों को 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी।

संघर्ष विराम से देश ठगा महसूस कर रहा: कांग्रेस

एजेंसी/नई दिल्ली

भारत पाकिस्तान के बीच सीजफायर के ऐलान के बाद से ही कांग्रेस पार्टी सरकार पर हमलावर है। कांग्रेस ने सोमवार को सरकार पर हमला तेज करते हुए कहा कि जिस तरह से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत-पाकिस्तान टकराव में सबसे पहले संघर्ष विराम की घोषणा कर दी, उससे देश ठगा हुआ, अपमानित और शर्मिंदा महसूस कर रहा है। बीजेपी ने आतंकवाद के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर को सफल बताया है। इसको लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम ने बीजेपी और एनडीए सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा है, तो संसद का विशेष सत्र क्यों नहीं बुलाया जा रहा है? सवाल पूछे जा सकते हैं और जवाब दिए जा सकते हैं। पूरी दुनिया इसे सुन सकती है। भूपेश बघेल ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने फैसला किया है कि अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसी भी सर्वदलीय बैठक में शामिल नहीं होते हैं तो कांग्रेस उसका बहिष्कार करेगी।

भूपेश बघेल ने कहा कि अगर पहलगाम हमले में 26 लोगों की जान चली गई, तो क्या चार या पांच आतंकवादी पकड़े गए? अगर वे पकड़े नहीं गए, तो आप ऑपरेशन सिंदूर को कैसे सफल मान सकते हैं? दूसरा, इसके लिए कौन जिम्मेदार है? आपके आश्वासन पर लोग कश्मीर गए और अपने परिवारों के बिना वापस आए।

17 मई से फिर शुरू होगा आईपीएल 6 वेन्यू पर खेले जाएंगे बचे मुकाबले

एजेंसी/नई दिल्ली

भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ रहे तनाव के चलते आईपीएल 2025 को बीच में ही एक हफ्ते के लिए सस्पेंड कर दिया गया था। लेकिन अब 17 मई से एक बार फिर आईपीएल शुरू हो रहा है। कोलकाता नाइटराइडर्स और आरसीबी के मैच के साथ आईपीएल के 18वें सीजन का फिर से आगाज हो रहा है। बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में केकेआर और आरसीबी का मैच खेला जाएगा। बता दें कि 6 वेन्यू पर आईपीएल के बचे हुए मुकाबले खेले जाएंगे। जो फाइनल 25 मई को खेला जाना था वो अब 3 जून को खेला जाएगा। हालांकि, बीसीसीआई ने इस बात की जानकारी नहीं दी है कि आईपीएस के प्लेऑफ के मुकाबले कहां-कहां खेले जाएंगे।

केंद्रीय कृषि मंत्री ने देश के कृषि क्षेत्र की प्रगति के संबंध में की समीक्षा बैठक, दिए निर्देश

किसानों की उपज खरीद के भुगतान में न हो देरी: शिवराज सिंह

एजेंसी/नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण व ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने देश के कृषि क्षेत्र की प्रगति के संबंध में सोमवार को कृषि भवन में समीक्षा बैठक की। इस दौरान मंत्री शिवराज सिंह ने किसानों से चना, मसूर, उड़द एवं अरहर की खरीद के संबंध में निर्देश देने के साथ ही अधिकारियों से कहा कि ऐसी व्यवस्था की जाना चाहिए, जिससे कि किसानों को उनकी उपज खरीद का भुगतान होने में देरी नहीं हो, वहीं यह भी बताया गया कि देश में चावल और गेहूं का वास्तविक स्टॉक बफर मानक के

मुकाबले काफी ज्यादा है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने इस बात पर संतोष के साथ ही प्रसन्नता व्यक्त की कि चावल-गेहूं का वास्तविक स्टॉक, बफर मानक के मुकाबले ज्यादा है। चावल का वास्तविक स्टॉक 135.80 एल.एम.टी. के बफर मानक के मुकाबले 389.05 एल.एम.टी है। गेहूं का वास्तविक स्टॉक 74.60 एल.एम.टी. के बफर मानक के मुकाबले 177.08 एल.एम.टी. है। इस प्रकार चावल व गेहूं का वास्तविक स्टॉक 210.40 एल.एम.टी. के बफर मानक के मुकाबले 566.13 एल.एम.टी. है। गेहूं के लिए प्रमुख राज्य उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान व बिहार हैं। कटाई की स्थिति 2 मई 2025 तक इस प्रकार है। इनमें मध्यप्रदेश में 100 प्रतिशत, उत्तर प्रदेश में 94 , राजस्थान 100, गुजरात 100, हरियाणा 100 , पंजाब 97 प्रतिशत एवं बिहार 96 प्रतिशत गेहूं की कटाई पहले ही हो चुकी है। इस प्रकार, दूसरे अग्रिम अनुमान ओलावृष्टि/लू की हालिया घटनाओं से प्रभावित होने की संभावना नहीं है।

मंत्री चौहान ने चना, मसूर, उड़द व अरहर की खरीद के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए इस संबंध में राज्यों को विशेष जोर देने को कहा, ताकि किसानों को अधिक से अधिक लाभ मिल सके। चौहान ने एमएसपी पर खरीद व किसानों को होने वाले भुगतान के बीच के समय अंतराल को और कम करने की बात कहते हुए निर्देशित किया कि उपज खरीद के बाद किसानों को जल्द से जल्द भुगतान हो सके, इसके लिए और सुदृढ़ व्यवस्था होना चाहिए।

नियाजीपुर में खुला बावर्ची रेस्टोरेंट, लगेगा स्वाद का तड़का, पहले दिन लोगों ने उठाया लुफ्त

केटी न्यूज/बक्सर

सिमरी प्रखंड के नियाजीपुर बाजर स्थित कन्हैया पाठक के मकान में सोमवार को एक नए और आधुनिक रेस्टोरेंट बावर्ची का उद्घाटन हुआ। इस रेस्टोरेंट के खुलने से स्थानीय लोगों को अब स्वादिष्ट और विविध व्यंजनों का आनंद लेने का एक नया स्थान मिल गया है। नियाजीपुर जैसे ग्रामीण परिवेश में आधुनिक रेस्टोरेंट खोले जाने की लोगों ने जमकर सराहना की और कहा कि अब उन्हें लजीज व्यंजनों के स्वाद के लिए बलिया, बक्सर या डुमरांव नहीं जाना पड़ेगा, बल्कि उनके गांव में ही यह सुविधा मिल जाएगी। रेस्टोरेंट का उद्घाटन समारोह में संचालक अनीश पाठक की माता कंचन देवी, शोभा देवी, नीतीश यादव व प्रवीन ओझा ने संयुक्त रूप से फीता काट कर किया गया।

शबावर्ची रेस्टोरेंटश के मालिक अनीश कुमार पाठक ने बताया कि उनका उद्देश्य ग्राहकों को उच्च गुणवत्ता वाले भोजन और उत्कृष्ट सेवा प्रदान करना है। रेस्टोरेंट में भारतीय, चाइनीज, और तंदूरी व्यंजनों की विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध है। इसके अलावा, विशेष अवसरों के लिए पार्टी हॉल और होम डिलीवरी की सुविधा भी प्रदान की जा रही है। वहीं, विजय कुमार ने कहा कि हमारा प्रयास है कि हम आए हुए ग्राहकों को बेहतर स्वाद दे और गुणवत्ता से भरपूर स्थानीय निवासियों ने बावर्ची रेस्टोरेंट के उद्घाटन का स्वागत किया और इसे क्षेत्र के लिए एक सकारात्मक पहल बताया। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह रेस्टोरेंट न केवल स्वादिष्ट भोजन प्रदान करेगा, बल्कि स्थानीय रोजगार के अवसर भी सृजित करेगा।हालाकि इस मौके पर दिलीप पाठक, वीरेंद्र यादव, भरत मिश्र समेत सैकड़ो गणमान्य मौजूद रहे। रेस्टोरेंट के उद्घाटन के साथ ही नियाजीपुर में एक नए स्वाद का तड़का लग गया है, जो निश्चित रूप से खाद्य प्रेमियों को आकर्षित करेगा। संचालक अनीश ने बताया कि उनका प्रयास ग्रामीणों को कम दर पर उच्च गुणवत्ता वाला व स्वादिस्ट भोजन कराना है। विदित हो कि जहां शहरी इलाके में ही इस तरह की व्यवस्था मिलती थी। वहीं बदलते परिवेश में यह ग्रामीण क्षेत्रों में भी आ गया है। जो प्रेरणादायक है। इससे स्थानीय लोगों में खुशी है। वहीं बावर्ची रेस्टोरेंट के सहयोगी के रूप मे कृष्णा कुमार, सुनील मिश्रा, कृष्णा कुमार, नागेन्द्र राय ने पनी अहम भूमिका निभाई है।

तनिष्क में धूम धाम से मनाया गया मातृ दिवस

केटी न्यूज/बक्सर

जिन्दगी की पहली टीचर मां होती है। मां के प्रति प्यार, समर्पण, आभार और कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए दुनियाभर में मदर्स डे मनाया जाता है। जीवन में ही होती है जो अपने बच्चों के चेहरे पर उभरे शिकन से देखकर उसकी परेशानी समझ जाती है। उक्त बातें तनिष्क बक्सर के अनुराग पांडेय ने मदर्स डे के मौके पर कही।बता दें कि मदर्स डे के अवसर पर तनिष्क (बक्सर) में महिलाओ के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बक्सर शहर की महिलाओं ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम शुरूआत दीप प्रज्वलित करके की गई। इस मौके पर उपस्थित लोगों ने मदर्स डे पर अपना-

अपना वक्तव्य पेश किया। पूरा माहौल मातृत्व के प्रति सम्मान और आभार से ओतप्रोत रहा। कार्यक्रम का समापन केक काटकर किया गया। सभी मदर्स को तनिष्क फैमिली की तरफ से सम्मानित किया गया।अनुराग ने कहा कि तनिष्क हर विशेष अवसर पर अपने ग्राहकों के लिए खास उपहार लेकर आता है। इस बार सभी को मदर्स डे पर उन्हें सम्मानित किया गया।कार्यक्रम के अंत में स्टोर मैनेजर मृण्मय चटर्जी ने विशेष प्रोमोशनल ऑफर्स की भी घोषणा की, जिसका लाभ उठाने के लिए ग्राहकों में खासा उत्साह देखा गया। मौके पर दर्जनों महिलाएं उपस्थित थी।

गंगा नदी के बालू घाटों की नीलामी से अवैध खनन पर लगेगी रोक, बढ़ेगा राजस्व

बक्सर जिले में गंगा नदी के बालू घाटों की होगी ई-नीलामी, शीघ्र शुरू होगी प्रक्रिया, बढ़ेगा रोजगार

♦ 10 जून की शाम पांच बजे तक है निविदा जमा करने का अंतिम समय

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर के गंगा नदी के बालू घाटों की अब ई-नीलामी कराई जाएगी। ई-नीलामी की प्रक्रिया शुरू भी कर दी गई है। कुल छह बालू घाटों के 45 खंडो के लिए 10 जून की शाम पांच बजे तक निविदा जमा की जाएगी। सबसे अधिक बोली लगाने वाले नवंबर 2025 तक सफेद बालू की प्रक्रिया शुरू कर सकेंगे। नीलामी की अवधि पांच वर्षों के लिए मान्य रहेगी। जिला प्रशासन द्वारा बताया गया कि नीलामी के लिए चिन्हित घाटों को पहले ही राज्य पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन प्राधिकरण से पर्यावरणीय मंजूरी मिल चुकी है। बक्सर जिला की सर्वेक्षण रिपोर्ट में भी इन घाटों का जिक्र किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार बालू घाटों को 45 छोटे-छोटे टुकड़ों में विभाजित किया गया है, ताकि छोटे निवेशकों को भी अवसर मिल सकें।

लोगों को सस्ते दर पर बालू उपलब्ध कराना है लक्ष्य : जिला प्रशासन ने बताया कि गंगा नदी के बालू घाटों की अगले पांच वर्षों के लिए ई-नीलामी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जिला खनन कार्यालय, बक्सर ने इस संबंध में सूचना जारी किया है। इस बार सभी 45 बालू घाटों की नीलामी की जाएगी। इन सभी घाटों में सफेद बालू शामिल हैं। इस पहल का उद्देश्य निर्माण कार्यों के लिए सुलभ दर पर बालू उपलब्ध कराना और राजस्व में बढ़ोतरी करना है। जिले की अधिकारिक बेवसाइट पर उपलब्ध है पूरी जानकारी मिलेगी। इसमें ई-नीलामी प्रक्रिया के तहत बोली लगाने वाले 27 मई की शाम पांच बजे से निविदा दस्तावेज ऑनलाइन डाउनलोड कर सकते हैं। इसके लिए जिला खनन कार्यालय, बक्सर में 20 मई को सुबह 11 बजे से प्री बीड की बैठक भी आयोजित की गई है। इसके लिए पूरी जानकारी बक्सर जिला की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है। निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 10 जून की शाम 5 बजे तक निर्धारित की गई है। इसके बाद सफल बोली लगाने वाले नवंबर 2025 तक बालू खनन शुरू कर सकेंगे। डीएम ने बताया कि सभी प्रक्रिया पूरी तरह से पारदर्शिता के साथ पूरी की जाएगी। इसमें यदि कोई भी पदाधिकारी या तकनीकी कर्मचारी गड़बड़ी करता है। तब उसके खिलान्फ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि ब्लैक लिस्टेड कंपनी में इसमें भाग नहीं लेने दिया जाएगा। इस लिए सभी दस्तावेज लिया जा रहे है।

लगातार हो रहे अवैध खनन पर लगेगा लगाम

केटी न्यूज/बक्सर

इस प्रक्रिया में गंगा नदी के छह बालू घाट के सभी छोटे-छोटे 45 बालू खंडों को शामिल किया गया है। इससे बक्सर जिले में निर्माण उद्योग को स्थिर आपूर्ति मिलने के साथ-साथ अवैध खनन पर भी लगाम लगाने की उम्मीद है तथा जिले को बड़े राजस्व की प्राप्ति भी होगी। वहीं, बालू घाटों का निविदा होने से सैकड़ो लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। यही कारण है बक्सर जिला प्रशासन इस निविदा के प्रति काफी गंभीर है।

पारदर्शी तरीके से कराई जाएगी निविदा : जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने बताया कि गंगा घाटों पर बालू खनन के लिए निविदा प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया जाएगा। पारदर्शी तरीके से निविदा के लिए ही ई-निविदा प्रकिया अपनाई गई है, ताकी किसी तरह के भेदभाव का आरोप नहीं लग सकें। जिलाधिकारी ने बताया कि पूरी प्रक्रिया ऑन लाइन होगी तथा इसमें किसी तरह की धांधली की शिकायत नहीं मिलेगी।

अवैध खनन से हर महीने भारी पैमाने पर होता था राजस्व की क्षति: बता दें कि जिलेभर में गंगा घाटों से बालू के अवैध खनन से एक तरफ जहां बड़े पैमाने पर राजस्व को क्षति पहुंच रही थी, वहीं दूसरी सफेद बालू के अवैध कारोबार से जुड़े लोग मालामाल हो रहे थे। कई जगहों पर सफेद बालू कारोबारियों व प्रशासन की सांट-गांठ के आरोप भी लगे थे।

जानकारों का कहना है कि चौसा से लेकर नैनीजोर तक बडे.पैमाने पर गंगा नदी से अवैध तरीके से सफेद बालू का खनन किया जाता रहा है। सफेद बालू तस्कर बालू के खनन के लिए ट्रैक्टर से लेकर जेसीबी तक का उपयोग करते थे। पिछले दिनों सिमरी प्रखंड के रामदास राय के डेरा थाना क्षेत्र से पुलिस ने सफेद बालू के अवैध खनन में लगे एक जेसीबी व एक टैज्क्टर को जब्त किया था, जो इस बात का प्रमाण है कि इलाके में सफेद बालू की तस्करी धड़ल्ले से होती थी, लेकिन अब निविदा प्रक्रिया शुरू होने से इस पर लगाम लग जाएगा। विदित हो कि पूर्व में अवैध तरीके से कई बार सफेद बालू की तस्करी करने का प्रयास किया गया है। जिसे लेकर प्रशासन की ओर से अभियान चलाया गया था। जिसमें कई वाहन पकड़े गये थे। जुर्माना के बाद उसे छोड़ा गया था। बावजूद इसमें संलिप्त तस्कर बाज नही आ रहे थे। बड़े पैमाने पर इसकी अवैध बिक्री हो रही थी।

जीविका ग्रामीण महिलाओं को बनाता है स्वावलंबी : चंदन

♦ जीविका से मिली आजीविका, समाज में मिला सम्मान

केटी न्यूज/चौसा

चौसा नगर पंचायत में सोमवार को ग्रामीण विकास और महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक अनोखी पहल नीरा काउंटर का भव्य शुभारंभ किया गया। यह पहल न केवल ग्रामीणों के लिए स्वास्थ्यवर्धक विकल्प लेकर आई है, बल्कि आत्मनिर्भरता और सामाजिक जागरूकता की एक नई मिसाल भी बन रही है। इस मौके पर इस अवसर पर जीविका के जिला परियोजना प्रबंधक चन्दन कुमार , प्रखंड परियोजना प्रबंधक शोभना गुप्ता, क्षेत्रीय समन्वयक धर्मेंद्र चौधरी, कम्युनिटी कोऑर्डिनेटर सहित स्थानीय समुदाय के सैकड़ों लोग उपस्थित रहे। यह केवल एक उद्घाटन नहीं, बल्कि एक जनांदोलन जैसा दृश्य था। जिसमें हर चेहरा बदलाव की गवाही दे रहा था। जीविका डीपीएम ने बताया कि नीरा, एक मीठा, ठंडा और पूर्णतः प्राकृतिक पेय, जो पौष्टिकता से भरपूर होता है। नीरा को केवल स्वास्थ्य का साधन नहीं, बल्कि आजीविका का भी आधार बना दिया है। यह एक ऐसा अवसर है, जिससे ग्रामीण समुदाय के लोग अपने ही संसाधनों से स्वावलंबी बनते जा रहे हैं। इस नई शुरूआत की सबसे चमकदार तस्वीर बनीं किरण दीदी, जिनका नाम हर जुबां पर था। कभी गृहस्थी तक सीमित रहीं किरण दीदी आज अपने पति सुभाष पासी के साथ मिलकर नीरा के उत्पादन और बिक्री में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। आत्मविश्वास से भरी उनकी मुस्कान और गर्व से भरे शब्दों ने सबका दिल जीत लिया। जीविका ने मुझे न केवल रोजगार दिया, बल्कि एक पहचान भी दी। सुभाष पासी भी भावुक हुए बिना न रह सके। उन्होंने कहा कि हम सालों से ताड़ी और नीरा से जुड़े रहे, लेकिन कभी सम्मान नहीं मिला। बीपीएम शोभना गुप्ता ने बताया कि नीरा काउंटर की यह पहल यह सिद्ध करती है कि परिवर्तन केवल नीतियों से नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर सामुदायिक सहभागिता और महिला नेतृत्व से आता है। यह न केवल स्वास्थ्य की दिशा में एक बड़ा कदम है, बल्कि गांव की अर्थव्यवस्था और सामाजिक ताने-बाने में भी सकारात्मक ऊर्जा का संचार कर रहा है। जीविका के सहयोग से सिर्फ एक सेवा केंद्र नहीं, बल्कि ग्रामीण स्वाभिमान, स्वास्थ्य और महिला सशक्तिकरण का प्रतीक बन गया है। यह पहल न केवल वर्तमान को सशक्त बना रही है, बल्कि भविष्य की एक स्वस्थ, स्वावलंबी और सजग पीढ़ी की नींव भी रख रही है।

सोशल मीडिया पर देश विरोधी पोस्ट करना युवक को पड़ा महंगा, पुलिस ने भेजा जेल

केटी न्यूज/बक्सर

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक और देश विरोधी पोस्ट डालने के आरोप में एक युवक को महंगा पड़ा। पुलिस ने युवक को खोज निकाला। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर ते हुए जेल भेज दिया है। पुलिस ने बताया कि यह मामला मुफस्सिल थाना क्षेत्र के इस्माइलपुर गांव का है, जहां के निवासी बिट्टू अंसारी पर सोशल मीडिया के माध्यम से भारत विरोधी विचार फैलाने का आरोप लगा है। युवक ने आपत्ति जनक पोस्ट किया था। देखते ही देखते वह वायरल हो गया। युवक ने अपने पोस्ट में देश की संप्रभुता, राष्ट्रीय ध्वज और प्रतीकों के प्रति अपमानजनक लिखी थी। हद तो इस बात को लेकर हो गई। जब युवक ने अपने पोस्ट में आतंकवादियों को महिमामंडित किया था। उस संबंध में कुछ आपत्ति

जनक वीडियो भी सोशल मीडिया पर डाला था। मामले की गंभीरता को देखते हुए भाजपा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष सौरभ तिवारी ने इसकी सूचना पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य को दी। एसपी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए सदर एसडीपीओ धीरज कुमार निर्देश दिया। नगर थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए रविवार की शाम आरोपी को स्टेशन रोड से गिरफ्तार कर लिया। नगर

थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने बताया कि बिट्टू अंसारी के खिलाफ सभी आवश्यक कानूनी प्रक्रियाएं अपनाई जा रही हैं और उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया कि राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। साथ ही सोशल मीडिया पर संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

सेना के आत्मबल व सुरक्षा कवच के लिए हुई विशेष योग साधना

बक्सर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय बक्सर द्वारा देश के वीरों व हमारे संपूर्ण सशस्त्र सेना बल को आत्मबल व परमात्मा की छत्रछाया व सुरक्षा कवच प्रदान करने के लिए सोमवार को विशेष योग साधना का कार्यक्रम आयोजित किया गया। भगवान भोलेनाथ हमारे भारतीय सेना, भारत सरकार व समस्त भारतवासी को सदा नयी ऊंचाई प्रदान करें। भारत सदा विश्व गुरु था और सदा ही विश्व गुरु रहेगा। इन्हीं शुभावनाओं के साथ संस्था की संचालिका ब्रह्मा कुमारी रानी दीदी ने हमारे सैनिकों के लिए भगवान से प्रार्थना करते हुए उन्हें निश्चय ही दृढ़ विश्वास, आत्म बल व भारत माता की आशीर्वाद और छत्रछाया की भी कामना की। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारतीय सेना में शौर्य करने का अदभूत पराक्रम है। वह समय आने पर पर अपने पराक्रम को प्रदर्शित करती है।

प्रतापसागर मेथोडिस्ट अस्पताल में डायलिसिस सेंटर का उद्घाटन आज

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव प्रतापसागर के मेथोडिस्ट अस्पताल दिन प्रतिदिन अपनी सेवा में बढ़ोतरी करते जा रहा है। अस्पताल के पूर्व अधीक्षक डा. एस सिंह की स्मृति में मंगलवार को डायलिसिस सेंटर की शुरुआत की जाएगी। इसकी तैयारी अस्पताल प्रबंधन ने पूरी कर ली है। वर्तमान अधीक्षक डा. आर के सिंह ने बताया की डायलिसिस सेवा तीन बेड कक्ष का होगा। अस्पताल में पहले से ही आधुनिक मशीनों से लैस हो चुका है। इससे ग्रामीण इलाके के मरीजों को काफी मदद मिलेगी। इसके लिए उन्हें अब बड़े शहरों में नहीं जाना होगा। यह सभी कार्य विशेषज्ञ डॉक्टरों की देखरेख में होगा। अधीक्षक ने बताया की डिजिटल एक्स-रे, नेत्र चिकित्सा, फेफड़ों की जांच, सर्प दंश उपचार के साथ अब डायलिसिस सेंटर नये उपचार के रूप में जुड़ेगा। इस नये डायलिसिस सेवा शुरू करने की पूरी तैयारी हो चुकी है। उन्होंने बताया की गरीब मरीजों विशेषकर किडनी रोगियों को डायलिसिस की जरूरत को देखते हुए इस सेंटर को शुरू किया जा रहा है।

बेटी की हत्या के संदेह में बाप गिरफ्तार, जांच में जुटी पुलिस

डुमरांव। बेटी की हत्या के संदेह में पुलिस ने मृतका के बाप को गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू कर दी है। मामला कोरानसराय थाना क्षेत्र के स्थानीय गांव का बताया जाता है। पकड़ा गया आरोपी की पहचान राजकुमार गोंड के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि 21 अप्रैल को पुलिस को सूचना मिली थी कि परिजनों ने मिलकर अपनी बेटी की हत्या कर दी। हत्या के बाद साक्ष्य मिटाने के लिए शव को गायब कर दिया है। इस बात का भनक मिलते ही पुलिस सक्रिय हो गई। इसकी सूचना मिलते ही मामले की जांच कराई गई तथा जांच में इसकी पुष्टि होने के बाद इस मामले में चौकीदार के बयान पर केस दर्ज किया गया था। जिसमें आरोपी सहित चार लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया गया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि पकड़े गए आरोपी से कड़ी पूछताछ की जा रही है। थानाध्यक्ष ने बताया कि पुलिस की पूछताछ के में आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। फिलहाल पुलिस इस मामले में कई बिंदुओं पर जांच पड़ताल कर रही है। वहीं, इस घटना को ले गांव में कई तरह की चचाएं हो रही है। लोग इसे ऑनर किलिंग से जोड़कर देख रहे है।

प्रो. ललन सिंह डुमरांव स्थित डीके कॉलेज में लंबे समय तक थे हिन्दी के विभागाध्यक्ष

छात्रों को हिन्दी का रसपान कराने में माहिर थे प्रो. ललन

♦ हिन्दी के प्रख्यात प्रो. ललन सिंह की मनाई गई पुण्यतिथि, मौके पर पत्रकारों व समाजसेवियों को किया गया सम्मानित

केटी न्यूज/डुमरांव

हिन्दी साहित्य के प्रख्यात व डीके कॉलेज के पूर्व प्रोफेसर डॉ. ललन सिंह की चौथी पूण्य तिथि उनके पैतृक घर डुमरांव के लालगंज कड़वी में मनाई गई। इस दौरान एक समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें पत्रकारों व समाजसेवियों को उनके परिजनों द्वारा अंग वस्त्र, कलम, डायरी आदि देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत

गणमान्य लोगों ने दिवंगत प्रो. ललन सिंह के तैल्य चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस दौरान उपस्थित समाजसेवियों ने कहा कि दिवंगत प्रो. ललन सिंह डीके कॉलेज में हिन्दी के विभागाध्यक्ष थे। विद्यार्थियों को शिक्षा देने के साथ ही उन्हें हिन्दी के प्रति रुझान रखने की प्रेरणा भी देते थे। उन्होंने कहा कि प्रो. सिंह का अपने छात्रों के प्रति लगाव भी अप्रतिम था, वे अपने छात्रों को पुत्रवत मानते थे। उन्होंने कहा कि उनके जैसा विद्वान व हिन्दी से प्रेम करने वाला विरले ही मिलते है। वहीं, अन्य वक्ताओं ने उन्हें एक आदर्श शिक्षक बताया और कहा कि वे कुशल शिक्षक के साथ ही सामाजिक मुद्दों पर भी हमेशा मुखर रहते थे। वह हिन्दी छात्रों के बीच हिन्दी की गुढ बातों को सरलता से परोसते थे। उन्हें हिन्दी का रसपान कराने में माहिर थे। एक समय था जब उनकी कक्षा में शामिल होने के लिए छात्र दूर-दराज के गांवों से आते थे। वे समाज के हर वर्गों के लोगों के प्रति समादर रखते थे तथा जरूरतमंदों का खास ख्याल रखते थे। बुद्धिजीवियों के साथ किसी भी विषयो पर गोष्ठी करते और हमेशा कलम के सिपाहियों को भावुकतापूर्ण सम्मान देते थे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता उनके ज्येष्ठ पुत्र संतोष कुमार सिंह ने किया। जबकि संचालन श्रमजीवी पत्रकार संघ के उपाध्यक्ष राजू कुमार ठाकुर ने की। इस समारोह में डॉ. शशांक शेखर, अरविंद कुमार चौबे उर्फ चुन्नू चौबे, अनिल ओझा, अमरनाथ केशरी, रेडक्रॉस सोसाइटी के कार्यकारी सचिव शत्रुघ्न प्रसाद गुप्ता, संजय दयाल, डॉ रशीद हाशमी, ई. रमेश कुमार, राजनंदनी सिंह, उमेश कुमार, सोहराब कुरैशी व अन्य मौजूद थे।

डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल में केक काटकर मना अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल परिसर में सोमवार को उत्साहपूर्ण माहौल में अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस मनाया गया। इस अवसर पर अस्पताल के नर्सों ने केक काटकर कार्यक्रम की शुरूआत की। अनुमंडल अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. गिरीश सिंह सभी नर्सों को अपनी ओर से बधाई देते हुए कहा कि हर साल 12 मई को अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस यानी इंटरनेशनल नर्स डे मनाया जाता है। हर साल फ्लोरेंस नाइटिंगेल के जन्मदिन की वर्षगांठ के तौर पर इस दिवस को मनाया जाता है। फ्लोरेंस नाइटिंगेल को दुनिया की पहली नर्स कहा जाता है। उन्होंने

क्रीमियन वार के दौरान लालटेन लेकर जख्मी ब्रिटिश सैनिकों की देखभाल की थी। इसी वजह से उन्हें लेडी विद द लैंप भी कहा गया है। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में नर्सेस अपनी परवाह किए बिना मरीज की पूरे मन से सेवा कर उनकी जान बचाती हैं, ऐसी नर्सों के साहस और सराहनीय काम के लिए ये खास दिन मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि नर्सें रोगियों की शारीरिक देखभाल के साथ-साथ उन्हें मानसिक संबल भी प्रदान करती हैं। उनकी सेवा भावना, धैर्य, करुणा और समर्पण चिकित्सा क्षेत्र को मानवीय स्पर्श देते हैं। इस दौरान डॉ. शिवकुमार चौधरी, शोभा कुमारी, सोनम कुमारी, अमित कुमार बैरवा, मृत्युंजय कुमार, संतोष कुमार, उमा, शारदा, पूनम, इंद्रजीत सहित अन्य मौजूद है।

पांच प्रखंड के अतिरिक्त प्रभार वाले बीईओ बदले

♦ अपर मुख्य सचिव के निर्देश के आलोक में डीएम ने जारी किया फरमान

केटी न्यूज/बक्सर

जिले के पांच प्रखंड के बीईओ का प्रभार बदल दिया गया है। यह आदेश डीएम अंशुल अग्रवाल ने किया। डीएम के निर्देश पर जिले के पांच प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी का प्रभार बदल गया है. इसमें बक्सर सदर, डुमरांव, राजपुर, नावानगर, ब्रह्मपुर शामिल है। मिली जानकारी के अनुसार अपर मुख्य सचिव शिक्षा विभाग ने निर्देश जारी किया था कि एक बीईओ को दो प्रखंड का प्रभार नहीं मिलेगा। अपर मुख्य सचिव के निर्देश के आलोक में यह बड़ा परिवर्तन किया गया है। सदर प्रखंड के नये बीईओ का प्रभार राजेश कुमार को दिया गया है। सदर प्रखंड कल्याण पदाधिकारी को बक्सर बीईओ का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। पूर्व में यहां पर केसठ बीईओ राजेश राम अतिरिक्त प्रभार में थे। राजपुर प्रखंड के नये बीईओ ज्ञानु प्रताप सिंह को बनाया गया है जो राजपुर प्रखंड कल्याण पदाधिकारी के साथ-साथ इस पद पर भी कार्य करेंगे। राजपुर में पूर्व में चैसा के बीईओ ऋषिकेश कुमार सिंह अतिरिक्त प्रभार में थे. वहीं बहुत लंबे समय से डुमरांव बीईओ के पद पर कार्यरत जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (एमडीएम) रजनीश उपाध्याय की जगह डुमरांव नया बीईओ सुधांशु कुमार को बनाया गया है। ये डुमरांव अनुमंडल कल्याण पदाधिकारी पद पर कार्यरत है। नावानगर को बीईओ का प्रभार प्रीति राज को दिया गया है जो नावानगर प्रखंड कल्याण पदाधिकारी के पद पर कार्यरत है। पिंकी कुमारी को ब्रह्मपुर बीईओ का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है यह अनुमंडल पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण पदाधिकारी पद पर कार्यरत है। नये पदस्थापित सभी अधकारियों को वित्तीय प्रभार भी सौंपा गया है।

जिले के 12 हजार 264 बच्चों का त्रुटीहीन आंकड़ा ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर सुधार कर अपलोड करने का जारी हुआ निर्देश

♦ सात दिनों में पूरा करने का उप सचिव शिक्षा विभाग ने दिया निर्देश

बक्सर। लाभुक आधारित योजनाओं का लाभ प्रदान करने के लिए छात्र-छात्राओं का त्रुटिहीन आंकड़ा की सूची ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर अपलोड करने का निर्देश उप सचिव सह प्रभारी पदाधिकारी डीबीटी कोषांग शिक्षा विभाग ने जारी किया है। निर्देश जिला शिक्षा पदाधकारी व डीपीओ कार्यक्रम पदाधिकारी योजना एवं लेखा को दिया गया है। जिसमें 75 प्रतिशत उपस्थिति वाले छात्र-छात्राओं का ही आंकड़ा अपलोड करने को लेकर निर्देशित किया गया है। वर्तमान में पूरे बिहार में 7 लाख 57 हजार 853 छात्र-छात्राओं को डाटा के त्रुटियों का निराकरण शेष है। त्रुटियों का निराकरण एक सप्ताह के अंदर करने का निर्देश दिया गया है। जहां जिले में फिलहाल 12 हजार 264 छात्रों का आंकड़ा त्रुटीपूर्ण है। जिससे ऐसे बच्चों का सरकार से मिलने वाली योजनाओं का लाभ प्रभावित हो सकता है। इस संबंध में जिला स्तर पर मॉनिटरिंग कर रहे चंदन द्विवेदी ने बताया कि जिले के विभिन्न प्रखंडों में कुल 33 हजार 458 छात्र-छात्राओं का डाटा त्रुटीपूर्ण था। जिसे सुधार किया गया है. फिलहाल 12 हजार 264 के लगभग छात्रों का डीबीटी में सुधार कराया जा रहा है। इसके लिए वे स्वयं जिला स्तर पर मॉनिटरिंग कर रहे है। वहीं निर्धारित समय में त्रुटीरहित डाटा को ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर अपलोड करने के लिए सभी निर्धारित विद्यालय के प्रधानाध्यापकों को निर्देशित किया गया है। वहीं प्रखंड स्तर पर सभी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी को लगातार मॉनिटरिंग करने को लेकर निर्देशित किया गया है। जिससे शत प्रतिशत त्रुटीरहित डाटा को अपलोड किया जा सके। इसके साथ ही वे भी जिला स्तर से लगातार मॉनिटरिंग कर रहे है। विदित हो कि विभाग की लापरवाही के कारण जिले के बच्चों का नाम ई-शिक्षा कोष में नहीं जुड़ पाया है। जिस कारण सरकार की ओर से मिलने वाली योजनाओं से वंचित रह रहे है। वर्तमान समय में बिना ई-शिक्षा कोष से जुड़ किसी भी बच्चे का योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। सरकारी अधिकारी इसमे विलंब कर रहे है।

डुमरांव में खड़ी ट्रक में बाइक सवार ने मारी टक्कर, हालत गंभीर, रेफर

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव बिक्रमगंज पथ पर टेढ़की पुल के समीप रविवार की देर शाम एक बाइक चालक ने सड़क किनारे खड़ी ट्रक में पीछे से जोरदार टक्कर मार दिया। इस घटना में बाइक चालक युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया। इसकी जानकारी मिलते ही डुमरांव थाना की गश्ती टीम ने उसे तत्काल इलाज के लिए डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। युवक की पहचान बक्सर निवासी 28 वर्षीय दीपक कुमार के रूप में की गई है। समाचार लिखे जाने तक युवक की हालत गंभीर बनी हुई है। मिली जानकारी के अनुसार वह कोरानसराय की तरफ से तेज रफ्तार में आ रहा था। जैसे ही वह टेढ़की पुल के समीप पहुंचा कि उसका नियंत्रण बाइक से हट गया तथा वह सड़क किनारे खड़ी ट्रक में पीछे से टक्कर मार दिया। इस घटना में उसे गंभीर चोटें आई है। डुमरांव के अपर थानाध्यक्ष संजीत कुमार शर्मा ने बताया कि युवक का प्राथमिक इलाज कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि अक्सर सड़क किनारे खड़े ट्रकों से काफी परेशानी उठानी पड़ती। बाइक सवारों का यह पता ही नहीं चल पाता है कि बड़े वाहन खड़े है।

बौद्ध धर्म की तरफ लोगों का झुकाव बढ़ने लगा है: रवि

केटी न्यूज/डुमरांव

नावानगर प्रखंड के कड़सर पंचायत के बौद्ध बिहार मंदिर परिसर सोमवार को गुलजार रहा। इस मौके पर जदयू विधान सभा के पूर्व प्रभारी रवि उज्जवल कुशवाहा बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर भगवान बुद्ध को पुष्प अर्पित कर आशीर्वाद लिया और कहा कि भगवान गौतम बुद्ध ने विश्व को सकरात्मक दिशा व शान्ति का संदेश दिया है। उन्होंने बताया की महात्मा बुद्ध, जिनका असली नाम सिद्धार्थ गौतम था, एक महान धर्म गुरु थे। उन्होंने बौद्ध धर्म की स्थापना की। उनका जन्म लुम्बिनी में हुआ था और उन्होंने 29 वर्ष की उम्र में संसारिक जीवन त्याग दिया था। 35 वर्ष की आयु में उन्होंने बोध गया में पीपल के पेड़ के नीचे ज्ञान प्राप्त किया और सिद्धार्थ से बुद्ध बन गए। उनकी शिक्षाएं मुख्य रूप से दुख से मुक्ति और निर्वाण के बारे में हैं, जो कि उन्होंने अष्टांगिक मार्ग के माध्यम से लोगों के समक्ष रखा था। बहुत ही तेजी से बौद्ध धर्म की ओर लोगो का झुकाव हो रहा है, गौतम बुद्ध दुखों से मुक्ति के लिए अष्टांगिक मार्ग की शिक्षा दी, जो कि सही दृष्टिकोण, सही विचार, सही भाषण, सही कार्य, सही जीविका, सही प्रयास, सही ध्यान और सही समाधि पर आधारित है। इस अवसर पर बीरेन्द्र कुशवाहा, पप्पु मौर्या, विजय कुशवाहा, रवि मौर्य, मिथिलेश कुशवाहा, गुरूदेव सिंह कुशवाहा, राजन सिंह, रंजीत कुशवाहा, श्रीनिवास सिंह, सुशील कुशवाहा, गौतम मौर्य, जगजीवन राम इत्यादी लोग मौजूद रहे।

आरा में हर घर कांग्रेस के झंडा अभियान के तहत जनसंपर्क अभियान हुआ तेज

केटी न्यूज/आरा

हर घर कांग्रेस का झंडा कार्यक्रम के तहत आज आरा विधानसभा क्षेत्र के आरा प्रखंड अध्यक्ष संपत सिंह तथा वरिष्ठ नेता उपेंद्र सिंह मुखिया जी के नेतृत्व में गोठहुला पंचायत के विभिन्न गांवों में क्रमशः बरौली, भुसौला, हसनपुरा, पीपरहिया में सैकड़ों कार्यकताओं के साथ घर-घर जाकर जनसंपर्क किया गया और घर-घर कांग्रेस का झंडा लगाया गया। तत्पश्चात गोठहुला गांव में एक जन आक्रोश सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हर घर कांग्रेस का झंडा अभियान के बतौर आरा प्रखंड प्रभारी डॉ अमित कुमार द्विवेदी उपस्थित रहे। जन आक्रोश सभा को संबोधित करते हुए प्रभारी डॉ अमित कुमार द्विवेदी ने बताया कि यह अभियान केवल झंडा लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य राहुल गांधी जी के संदेशों को जन-जन तक पहुंचाना तथा लोकतांत्रिक और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा हेतु जनता को जागरूक करना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कार्यक्रम तब तक जारी रहेगा जब तक देश के हर एक घर में झंडा फहरा नहीं दिया जाता हैं। इस अवसर पर आरा प्रखंड अध्यक्ष संपत सिंह एवं वरिष्ठ नेता उपेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि जन नेता राहुल गांधी जी प्रति जनता का आकर्षण और पार्टी के प्रति उत्साह इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि बिहार ही नहीं, पूरे देश में महागठबंधन की सरकार का बननी तय है। कार्यक्रम में राम अवतार प्रसाद, कौशल कुमार निषाद, राजकुमार, राजनाथ शर्मा, रवि कुमार, रंजीत कुमार यादव, धर्मेंद्र कुमार सिंह, लाल बाबू सिंह, साजन कुमार, राहुल कुमार यादव, धनलाल कुमार, त्रिलोकी कुमार, रंजीत कुमार, बेदी सिंह, तपेश्वर महतो, लालकृष्ण प्रसाद, भिखारी पंडित, राम भरोसा पुजारी, सियाराम, सिपाही निषाद, विनोद कुमार, सोना लाल कुमार, पंकज कुमार, लाल बाबू, संजय राय, गुरु चरण, रामसेवक महतो, ओमप्रकाश, कलक्टर पंडित व अन्य लोगों ने भाग लिया।

रोहतास के काराकाट इटवा बाल के पास और चेनारी के खुरमाबाद के पास हुई दुर्घटना

दो अलग-अलग सड़क हादसों में बच्चा महिला समेत पांच लोगों की दर्दनाक मौत

- काराकाट में अनियंत्रित बस के बाइक में जोरदार टक्कर मारने से चार लोगों की चली गई जान
- चेनारी में ऑटो के पलटने से एक महिला की मौत

केटी न्यूज/पटना

रोहतास जिले में सोमवार को हुए दो अलग-अलग सड़क हादसों में एक बच्चा और दो महिलाओं समेत पांच लोगों की मौत हो गई। जबकि दो लोग घायल भी हो गए, जिनकी स्थिति फिलहाल नाजुक बताई जा रही है। पहली घटना काराकाट थाना क्षेत्र से सामने आई है। जहां राष्ट्रीय राजमार्ग 120 पर काराकाट इटवा बाल के पास एक अनियंत्रित बस ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक पर सवार तीन लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई और बाइक सवार एक बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। हालांकि इस घटना में घायल बच्चे ने भी बिक्रमगंज स्थित एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। इस घटना में एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत से कोहराम मच गया।बताया जा रहा है कि करगहर प्रखंड के लड्डुई गांव निवासी रमेश साह अपनी पत्नी कंचन देवी, पुत्री अराधना कुमारी और पुत्र आर्यन कुमार संग बाइक से करूप में अपने ससुराल जा रहे थे। तभी इटवा बाल के पास हादसे का शिकार हो गए। इस दर्दनाक सड़क हादसे में पूरा परिवार ही उजड़ गया।

वहीं, इस दर्दनाक सड़क हादसे के बाद आसपास के ग्रामीणों और मृतक के परिजनों ने सड़क जाम कर प्रदर्शन भी किया। जाम से सड़क के दोनों तरफ वाहनों की लंबी-लंबी कतारें लग गई। इधर, हादसे और सड़क जाम की सूचना पर पहुंची काराकाट थाना पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद प्रदर्शन कर रहे लोगों को सड़क से दूर हटाकर परिचालन सामान्य रूप से बहाल किया। मामले में काराकाट थाना अध्यक्ष भागीरथ कुमार ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सासाराम भेज दिया गया है। फिलहाल पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

वहीं, दूसरी घटना जिले के चेनारी थाना क्षेत्र अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग-19 की बताई जा रही है। खुरमाबाद के पास एक अनियंत्रित ऑटो के पलटने से ऑटो सवार एक महिला की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि हादसे में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों को टेंपो में फंसे दोनों घायलों को बाहर निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार, मृतका की पहचान कैमूर जिले के सोनहन थाना क्षेत्र के पियां गांव निवासी प्रयागराज की पत्नी आरती कुमारी (32) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है। वहीं, घटना में घायल दो लोगों का गंभीर स्थिति में इलाज चल रहा है।

दोस्त की शादी से लौट रहे बाइक सवारों को ट्रैक्टर ने रौंदा, दो की मौत, एक गंभीर

केटी न्यूज/पटना

जमुई में सोमवार को एक बड़ा सड़क हादसा हुआ। इस हादसे में एक युवक और एक किशोर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जमुई बरहट थाना क्षेत्र के मलयपुर लक्ष्मीपुर मुख्य सड़क पर सोमवार को एक तेज रफ्तार और बेकाबू ट्रैक्टर ने बाइक सवार तीन युवकों को टक्कर मार दी। यह हादसा बिशनपुर माणुसघट्टा पुल के पास हुआ। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दो लोगों 18 साल के सौरभ कुमार और 15 साल के उनके चचेरे भाई आयुष उर्फ गोलू की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं 19 साल का प्रिंस कुमार, जो आयुष का बड़ा भाई है, गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल प्रिंस को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने हालत गंभीर होने पर उसे पटना रेफर कर दिया। बताया जा रहा है कि तीनों युवक बरियारपुर गांव में अपने दोस्त की शादी से लौट रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। हादसे की खबर मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी।

सीएम ने किया 6938 पथों के सुदृढ़ीकरण कार्य का उद्घाटन

केटी न्यूज/पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को 1 अणे मार्ग स्थित 'संकल्प' सभागार से ग्रामीण सड़क सुदृढ़ीकरण एवं प्रबंधन कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य भर में 8,716 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली 12,105 किलोमीटर लंबी 6938 ग्रामीण सड़कों के कायाकल्प कार्य का रिमोट से उद्घाटन किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने ग्रामीण कार्य विभाग को बधाई देते हुए कहा कि ग्रामीण सड़कों की मरम्मत और रखरखाव अत्यंत आवश्यक है, ताकि गांवों तक मजबूत, सुरक्षित और आरामदायक सड़क सुविधा सतत रूप से उपलब्ध हो सके।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिन ग्रामीण पथों की मरम्मति की आवश्यकता है, उन्हें बरसात के पूर्व अवश्य दुरुस्त कर लिया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि राज्य के किसी भी सुदूर क्षेत्र से राजधानी पटना तक की यात्रा अधिकतम चार घंटे में सहज रूप से पूरी की जा सके। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि ग्रामीण सड़कों के विकास से न केवल गांव और शहर के बीच की दूरी कम हो रही है, बल्कि इससे राज्य की सामाजिक संरचना को नई दिशा और आर्थिक गतिविधियों को नई रफ्तार भी मिल रही है। आवश्यकता के अनुसार ग्रामीण पथों के चौड़ीकरण की प्रक्रिया भी प्रारंभ की जाएगी। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी समेत कई वरीय अधिकारी मौजूद थे।

रिटायर्ड प्राचार्य के घर से 22 लाख की संपत्ति की चोरी

केटी न्यूज/पटना

मुजफ्फरपुर जिले में बेखौफ चोरों का तांडव देखने को मिला। जहां चोरों ने एक रिटायर्ड प्राचार्य के घर में घुसकर करीब 22 लाख रुपये से अधिक की संपत्ति चोरी कर ली। दंपति पहले तल पर सो रहे थे। इसी दौरान घर में घुसकर के चोरों ने धावा बोल दिया। यह घटना जिले के सरैया थाना क्षेत्र के हरपुर गिद्दा गांव की बताई गई है।

मामले की जानकारी के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। वहीं, इस घटना से पीड़ित परिवार में दहशत का माहौल है। घटना को लेकर पीड़ित रामेश्वर राम ने बताया कि वह मुसहरी प्रखंड क्षेत्र के रजवाड़ा गांव के डॉ आंबेडकर उच्च विद्यालय से वर्ष 2021 में प्राचार्य के पद से रिटायर हुए। उसके बाद वह गांव में घर बनाकर रहने लगे। उनकी पत्नी भी स्कूल में प्राचार्य पद पर हरपुर गिद्दा गांव में कार्यरत हैं। उन्होंने आगे बताया कि कल रात को हम लोग खाना खाने के बाद सो गए। आज सुबह उठने के बाद देखा कि घर में भीषण चोरी की घटना हुई है और नकदी सहित ज्वेलरी (सोना, हीरा और चांदी) को चोरी कर लिया गया है। सभी की कीमत करीब 22 लाख रुपये है। हमारा घर दो फ्लोर का है, जिसमें पहले तल पर हम लोग रहते हैं और नीचे घर में सामान रखा हुआ था। सभी कमरों को बंद रखा गया था। उन्होंने बताया कि चोरों ने पीछे के दरवाजे को तोड़कर के घर के अंदर प्रवेश किया। फिर एक-एक कमरे को तोड़कर के चोरी की गई। इस मामले की जानकारी हम लोगों ने पुलिस को दी है। मौके पर पहुंची हुई पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। हम लोग के जीवन भर की कमाई को चोर एक साथ ले गए हैं।सरैया थाना पुलिस ने बताया कि थाना क्षेत्र के हरपुर गिद्दा गांव में रिटायर्ड प्राचार्य के घर को चोरों ने निशाना बनाया है। चोरी की भीषण घटना हुई है। मामले की जांच की जा रही है। डॉग स्क्वॉड की मदद ली जा रही है। अज्ञात चोर ने घर के पीछे लगे दरवाजे को तोड़कर प्रवेश किया था। मामले की जांच की जा रही है। आसपास में लगे हुए सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के आधार पर जांच की जा रही है। जल्द ही सभी चोरों को पकड़ा जाएगा।

मधेपुरा में भाजपा नेता के घर से 35 लाख की संपत्ति ले उड़े चोर

केटी न्यूज/पटना

मधेपुरा में रविवार को भाजपा नेता के घर चोरों ने बड़ी चोरी की घटना को अंजाम दिया। चोरों ने घर का ताला तोड़कर लाखों रुपये के जेवरात और नकदी चोरी कर ली। अनुमान के अनुसार चोरी हुए सामान की कुल कीमत लगभग 35 लाख रुपये बताई जा रही है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। भाजपा नेता प्रो. अमोल राय के बेटे डॉ. प्रियरंजन भास्कर ने बताया कि वह अपने परिवार के साथ उदाकिशुनगंज थाना क्षेत्र स्थित अपने पैतृक गांव लक्ष्मीपुर एक शादी समारोह में गए हुए थे। घर की देखरेख की जिम्मेदारी पहरेदार नरेश यादव पर थी। सोमवार सुबह नरेश यादव ने फोन कर चोरी की सूचना दी, जिसके बाद वे तत्काल मधेपुरा पहुंचे। डॉ. भास्कर ने बताया कि चोरों ने मेन गेट का ताला तोड़कर घर के अंदर प्रवेश किया। इसके बाद अलमारी का लॉकर तोड़कर करीब 9.50 लाख रुपये नकदी और लगभग 25 लाख रुपये मूल्य के गहने चोरी कर लिए।

घटना के बाद थानाध्यक्ष विमलेंदु कुमार ने पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू की। पास के एक मकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में एक कार गेट के पास रुकती दिख रही है, हालांकि फुटेज में वाहन का केवल आंशिक हिस्सा ही नजर आ रहा है। पुलिस आसपास के अन्य कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है। वहीं, पहरेदार नरेश यादव ने बताया कि रात करीब 11.30 बजे वह मालिक को बिना सूचना दिए घर में ताला लगाकर अपने गांव भोज खाने के लिए चले गए थे। सुबह को जब यहां पहुंचे तो देखा कि मेन गेट का ताला टूटा हुआ है। इसके बाद उन्होंने डॉ. भास्कर को जानकारी दी।

सरकारी विभागों के भ्रष्टाचारियों के मामले किए गए सार्वजनिक

केटी न्यूज/पटना

निगरानी विभाग अलग-अलग विभागों में भ्रष्टाचारियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है। मामले भी दर्ज किये जा रहे हैं, लेकिन आरोपियों के खिलाफ पूरी कार्रवाई नहीं होने को लेकर निगरानी विभाग ने एक बार फिर से निगरानी ब्यूरो, विशेष निगरानी इकाई और आर्थिक अपराध इकाई द्वारा दर्ज किये गये मामलों की जानकारी सार्वजनिक की है। निगरानी विभाग के संयुक्त सचिव (विधि) अंजु सिंह ने सभी विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव व सचिवों को पत्र भेजा है, जिसमें यह कहा गया है कि सरकारी अधिकारियों और कर्मियों को प्रोन्नति के लिए निगरानी स्वच्छता प्रमाण पत्र दिया जाता है।

इस आलोक में विभिन्न अधिकारियों-कर्मियों के खिलाफ दर्ज केस-आरोप पत्रों की सूची दी जा रही है। निगरानी विभाग के पत्र में यह भी कहा गया है कि विभिन्न सरकारी सेवकों के खिलाफ निगरानी ब्यूरो, आर्थिक अपराध इकाई एवं विशेष निगरानी इकाई द्वारा दिसंबर 2024 तक दर्ज केस, न्यायालय में दायर की गई चार्जशीट की सूची भेजी जा रही है। अब 30 जून तक के मामलों में अलग से स्वच्छता प्रमाण पत्र की अधियाचना, निगरानी विभाग से करने की जरूरत नहीं है। वैसे, किसी भी अधिकारी-कर्मी के खिलाफ केस दर्ज होने पर प्राथमिकी की जानकारी दी जाती है। ऐसे में दी गई इस जानकारी को अपने विभाग में अपडेट करा लें। निगरानी स्वच्छता का संधारण अपने-अपने विभाग में करा लें। निगरानी विभाग ने सभी विभागों के सचिव से कहा है कि प्रोन्नति के मामले के अतिरिक्त अन्य मामलों में अगर निगरानी स्वच्छता की जरूरत हो तब इसके लिए अलग से पत्राचार करें।

सीएम नीतीश कुमार आज शहीद के परिजनों को सौंपेंगे 21 लाख रुपए का चेक

शहीद बीएसएफ के सब इंस्पेक्टर मो. इम्तियाज को दी गई अंतिम विदाई, भारत माता की जय से गूंजा इलाका

केटी न्यूज/पटना

बिहार सरकार ऑपरेशन सिंदूर के दौरान शहीद हुए बीएसएफ के सब इंस्पेक्टर मो. इम्तियाज के परिजनों को 21 लाख रुपये आर्थिक मदद देगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मंगलवार को शाम 4 बजे छपरा में मो. इम्तियाज के परिजनों से मिलकर उन्हें राज्य सरकार की तरफ से 21 लाख रुपये का चेक सौंपेंगे। जानकारी के अनुसार, आरएसपूरा में पाक बॉर्डर पर गोली लगने से बीएसएफ के सब इंस्पेक्टर मोहम्मद इम्तेयाज शहीद हो गए थे। वे सारण के गरखा के रहने वाले थे। सोमवार को शहीद इम्तियाज का पार्थिक शरीर जब गांव में पहुंचा तो लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। भारत माता की जय के जय घोष से पूरा इलाका गूंज गया। डीएम अमन समीर, एसएसपी कुमार आशीष और डीआईजी नीलेश कुमार शहीद के पार्थिव शरीर पर फूल चढ़ाकर श्रद्धांजलि दी।

डीएम बोले परिजनों की मांग को लेकर सरकार को लिखेंगे पत्रः इस मौके पर जिलाधिकारी ने कहा कि राज्य सरकार की अनुदान राशि शीघ्र ही परिवार को दी जाएगी और परिजनों के मांग पर सरकार को लिखा पत्र जाएगा। शहीद मोहम्मद इम्तेयाज के भाई बीएसएफ जवान मोहम्मद मुस्तफा ने जिला प्रशासन की टीम से उनके नाम पर अस्पताल खुलवाने की मांग की। साथ ही पत्नी के नाम से पेट्रोल पंप की मांग की गई है।

परिजनों ने डीएम को सौंपा ज्ञापनः मोहम्मद मुस्तफा ने कहा कि उन्होंने अपने घर का नाम सीमा प्रहरी रखा है। जब देश सुरक्षित होगा तब गांव सुरक्षित होगा। पाकिस्तान की कायराना हरकत को लेकर उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को नक्शे से मिटा देना चाहिए। वहीं परिजनों ने डीएम को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें गाव में स्मारक बनाने, एक अस्पताल बनाने और शहीद की विधवा को एक पेट्रोल पम्प देने की मांग की है।

संक्षिप्त समाचार

रांची में 2 युवकों का शव बरामद, गला रेत कर हत्या की आशंका

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची में आज सोमवार की सुबह 2 युवकों का शव बरामद किया गया। दोनों युवकों का गला रेत कर हत्या की आशंका जतायी जा रही है। पुलिस अधिकारी ने इस संबंध में बताया कि धुर्वा थाना क्षेत्र के एक सुनसान इलाके से 2 युवकों का शव बरामद किया गया है। उन्होंने बताया कि दोनों युवकों का गला किसी धारदार हथियार से रेता गया है। पुलिस अधिकारी के अनुसार, रविवार की देर रात किसी अन्य स्थान पर दोनों युवकों की हत्या करने के बाद हत्यारों ने शवों को सुनसान इलाके में लाकर छोड़ दिया है। हटिया के पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) प्रमोद कुमार मिश्रा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि दोनों शवों की अभी पहचान नहीं हो पायी है। मृतकों की उम्र 20 से 22 वर्ष के बीच होगी। हमने मामले की जांच शुरू कर दी है।

बलियापुर के बाघमारा में चिकन पॉक्स के पांच नये मरीजों की हुई पहचान

बलियापुर, एजेंसी। बलियापुर के बाघमारा में चिकन पॉक्स से ग्रसित पांच नये मरीजों की पहचान हुई है। चिकन पॉक्स की आशंका पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सात मई को बाघमारा पंचायत अंतर्गत गांव में जाकर संभावित मरीजों का सैंपल कलेक्ट कर जांच के लिए रिम्स भेजा था। शनिवार को पांच मरीजों की रिपोर्ट पॉजिटिव आयी है। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम ने चिकन पॉक्स से ग्रसित मरीजों को दवा देना शुरू कर दिया है। बता दें कि जिले में अबतक इस बीमारी से ग्रसित मरीजों की संख्या 25 पार पहुंच चुकी है। इससे पूर्व बाघमारा प्रखंड अंतर्गत विभिन्न गांव व धनबाद के पथराकुल्ही समेत अन्य इलाकों में चिकन पॉक्स के मरीज मिल चुके है। इनमें से कई इस बीमारी से ठीक हो चुके हैं। वहीं कई का इलाज अब भी जारी है।

वीआइए किट गायब होने के मामले में एनएचएम के एमडी ने दिया जांच का निर्देश

रांची, एजेंसी। स्वास्थ्य विभाग के एमडी एनएचएम अबु इमरान ने विजुअल इंस्पेक्शन विथ एसेटिक एसिड (वीआइए) किट खरीद मामले की जांच का निर्देश दिया है। एनसीडी के राज्य नोडल पदाधिकारी डॉ लाल मांझी को मामले की जांच की जिम्मेवारी सौंपी गयी है। राज्य एनसीडी के पदाधिकारी अपने स्तर से मामले की जांच करा रिपोर्ट एनएचएम एमडी को सौंपेंगे। इस दौरान जिले के विभिन्न आयुष्मान आरोग्य मंदिर में तैनात सीएचओ से वीआइए किट के बारे में जानकारी ली जायेगी। बता दें कि स्वास्थ्य मुख्यालय के निर्देश पर धनबाद में शुरू होने वाली सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिंग स्पेशल ड्राइव को लेकर जिले के स्वास्थ्य केंद्रों में उपलब्धता जांचने के दौरान एक भी किट के आयुष्मान आरोग्य मंदिर नहीं पहुंचने का खुलासा हुआ है। विभिन्न आयुष्मान आरोग्य मंदिर में तैनात सीएचओ से पूछताछ में उन्होंने वीआइए किट नहीं मिलने की बात बतायी। जबकि, वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए लगभग 20 लाख रुपये की किट की खरीदारी संबंधित दस्तावेज स्वास्थ्य विभाग के पास मौजूद है। एक वीआइए किट में लगभग 15 तरह के सामन होते हैं। इस किट के इस्तेमाल से सर्वाइकल कैंसर की स्क्रीनिंग की जाती है।

खतरों से खाली नहीं एमजीएम अस्पताल की बिल्डिंग, अब गिरा सर्जरी विभाग की बिल्डिंग का छज्जा

रांची, एजेंसी। कोल्हान के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल एमजीएम में एक के बाद एक लगातार बिल्डिंग के छज्जे गिर रहे हैं। कल रविवार की दोपहर सर्जरी विभाग की बिल्डिंग का छज्जा अचानक भरभराकर गिर गया। हालांकि गनीमत रही कि छज्जा बिल्डिंग के बगल में होने के कारण किसी को कोई नुकसान नहीं हुआ। इधर लगातार बिल्डिंग के प्लास्टर और छज्जे गिरने से अस्पताल में आने वाले मरीजों, डॉक्टरों और कर्मियों में डर का माहौल है। ब्लड बैंक, मेडिसिन विभाग सहित अन्य कई विभागों में कभी छज्जा तो कभी प्लास्टर गिर रहा है। इससे पहले मेडिकल बिल्डिंग के बरामदे की छत गिरने से 3 लोगों की मौत हो चुकी है। इस खौफनाक हादसे के बाद से लगातार अस्पताल के विभिन्न विभागों में यहां-वहां से छज्जे गिरने की खबरें सामने आ रही है।

गिरिडीह में अलग-अलग सड़क हादसों में चार लोगों की मौत, दस घायल

गिरिडीह, एजेंसी। सोमवार को गिरिडीह जिले में अलग-अलग स्थानों पर हुई सड़क दुर्घटनाओं में चार लोगों की जान चली गई। जबकि दस लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, पहली दुर्घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के जोड़ापहाड़ी के पास सुबह करीब चार बजे हुई। बारातियों से भरा एक बोलेरो वाहन गिरिडीह शहर से डुमरी की ओर जा रहा था, तभी जोड़ापहाड़ी के समीप वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक पेड़ से जा टकराया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि गाड़ी में सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही मुफस्सिल थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों मृतकों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए गिरिडीह सदर अस्पताल भेज दिया। वहीं, घायलों में से चार की हालत नाजुक होने पर उन्हें बेहतर इलाज के लिए धनबाद रेफर किया गया है, जबकि एक का इलाज गिरिडीह सदर अस्पताल में किया जा रहा है। इस हादसे में जान गंवाने वालों की पहचान जमुआ थाना क्षेत्र के कुम्हरलालो निवासी संतोष कुमार वर्मा और बरदोंगा निवासी विनोद दास के रूप में की गई है। वहीं, घायलों में खीरू वर्मा, पप्पू वर्मा, बबलू वर्मा, प्रदीप वर्मा और सोनू कुमार शामिल हैं, सभी कुम्हरलालो के निवासी हैं।

एक अन्य घटना में शादी समारोह में शामिल होने जा रहे दो लोगों की रविवार रात सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। हादसा गिरिडीह जिले के तिसरी प्रखंड अंतर्गत खिजूरी पंचायत के पेसराटांड गांव के पास हुआ, जहां जंगल के समीप उनकी बाइक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। मृतकों की पहचान सिमुलतल्ला थाना क्षेत्र के माधुरी गांव निवासी छोटेलाल मरांडी और चांदन कटोरिया निवासी बबलू बेसरा के रूप में हुई है। दोनों रिश्ते में जीजा-साला थे और एक पारिवारिक शादी समारोह में शामिल होने के लिए कर्णपुरा गांव (खटपोंक पंचायत) जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तेज रफ्तार और अंधेरे की वजह से बाइक जंगल के पास अनियंत्रित होकर गिर गयी। हादसा इतना भीषण था कि दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं, बाइक पर सवार तीसरा व्यक्ति, मतला टुडू, जो चंद्रमंडी थाना क्षेत्र के बानाडीह गांव का निवासी है, घटना के बाद मौके से बाइक लेकर फरार हो गया। मामले की सूचना मिलते ही तिसरी थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और दोनों शवों को अपने कब्जे में लेकर थाना ले आई। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है और आगे की जांच की जा रही है। वहीं, गिरिडीह जिले के पचंबा थाना क्षेत्र के बोडो में बीती रात एक चारपहिया वाहन सड़क के बीच में खड़े पेड़ से टकराने के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में वाहन सवार पांच लोग घायल हो गए।

बताया गया कि वाहन की रफ्तार अधिक होने के कारण चालक पेड़ को समय पर देख नहीं सका और उससे टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार सभी लोग घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पचंबा थाना की पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

बोकारो में बीएसएल के जेनरल मैनेजर के पिता की हत्या

बोकारो, एजेंसी। बीएसएल के जीएम विनय सिंह के पिता कलिका राय (85) की हत्या कर दी गई। उनका शव को-ऑपरेटिव कॉलोनी के आवास ?संख्या 192ए में मिला। शरीर पर कोई कपड़े नहीं थे। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लिया। आसपास के लोगों से भी पूछताछ की। डीएसपी सिटी आलोक रंजन भी घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने कहा-प्र?थम दृष्टया यह मामला हत्या का प्रतीत हो रहा है।

मृतक के सिर पर गहरे चोट के निशान हैं। इससे लगता है कि रॉड या लाठी से सिर पर वार कर हत्या की गई है। सिर भी कुचला हुआ है। घटनास्थल पर डॉग स्क्वायड और फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट को बुलाया गया, जिन्होंने सबूत जुटाए। घटना के समय वे घर में अकेले थे। पुलिस हर पहलू को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। घटना के बाद पुलिस ने आसपास सीसीटीवी कैमरे की तलाश की, ताकि फुटेज से कुछ सुराग लग सके। लेकिन आसपास वहां कोई सीसीटीवी कैमरे नहीं मिले।

जानकारी के मुताबिक मृतक के तीन बेटे हैं। एक बेटा लोहांचल में रहता है। दूसरा मालती रेजिडेंसी सेक्टर 6 में परिवार के साथ है। तीसरा बेटा अपने बेटे के एडमिशन के लिए शहर से बाहर गया हुआ था। घटना के समय घर में कोई नहीं था। स्थानीय लोगों के अनुसार कलिका राय शांत स्वभाव के व्यक्ति थे। समाज में उनकी अच्छी छवि थी। पुलिस हर पहलू से जांच कर रही है। इलाके में दहशत का माहौल है। पुलिस ने अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन दिया है।

10 एमवीए बढ़ी गोधर सबस्टेशन की क्षमता, पावर ट्रांसफॉर्मर लगाने का काम पूरा

रांची, एजेंसी। झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड (जेबीवीएनएल) के गोधर सबस्टेशन की क्षमता 10 एमवीए बढ़ गयी है। पूर्व में गोधर सबस्टेशन की क्षमता 30 एमवीए थी। कुछ वर्षों से सबस्टेशन अंतर्गत इलाकों में ओवरलोड की समस्या बनी रहती थी। इसे देखते हुए जेबीवीएनएल ने इस सबस्टेशन की क्षमता बढ़ाने का निर्णय लिया था। रविवार को 10 एमवीए क्षमता का नया पावर ट्रांसफॉर्मर इंस्टॉल करने का कार्य किया गया। इसके स्थापित होने के साथ गोधर सबस्टेशन की क्षमता 40 एमवीए हो गयी है। जेबीवीएनएल के अधीक्षण अभियंता एसके कश्यप ने बताया कि सबस्टेशन की क्षमता बढ़ने से इस पीएसएस अंतर्गत विभिन्न इलाकों में होने वाली बिजली सप्लाई व्यवस्थित तरीके से हो पायेगी। ओवरलोड की समस्या खत्म होने से लोगों को बिजली कटौती का सामना नहीं करना पड़ेगा।

गोधर सबस्टेशन में पावर ट्रांसफॉर्मर लगाने के कार्य को लेकर रविवार को पीएसएस से लगभग 11 घंटे बिजली सप्लाई पूरी तरह ठप रही। सुबह के आठ बजे सबस्टेशन से निकलने वाले सभी फीडरों की सप्लाई बंद कर दी गयी थी। सुबह से लेकर शाम तक ट्रांसफॉर्मर इंस्टॉल करने का कार्य किया गया। शाम के लगभग सात बजे इंस्टॉलेशन कार्य पूरा करने के बाद गोधर सबस्टेशन से पावर सप्लाई शुरू की गयी। गोधर सबस्टेशन से बिजली सप्लाई बंद करने से नया बाजार, बैंक मोड़, मटकुरिया, अशोक नगर, वासेपुर से लेकर केंदुआ, करकेंद के विभिन्न इलाकों में रहने वाले उपभोक्ताओं को परेशानियों का सामना करना पड़ा। गर्मी बढ़ने के साथ रविवार को लोड में इजाफा दर्ज किया गया। अचानक से बढ़े लोग के कारण रविवार को शहर के विभिन्न इलाकों में सुबह से लेकर रात तक ट्रिपिंग की समस्या बनी रही। इससे शहर के विभिन्न इलाकों में लोगों को घंटों बिजली कटौती का सामना करना पड़ा।

कंस नदी का जलस्तर गिरने से मोटर जला, सिसई में 15 दिनों से जलापूर्ति ठप

सिसई, एजेंसी। सिसई में 15 दिनों से जलापूर्ति ठप है। विभागीय उदासीनता के कारण इस भीषण गर्मी में सिसई के लगभग सात-आठ हजार पानी कनेक्शन धारियों के बीच पानी के लिए हाहाकार मच गया है। रात के अंधेरे में लोग पानी की जुगाड़ में जुट जाते हैं। सिसई प्रखंड के कुदरा भदौली सहित मुख्यालय के सात आठ हजार से अधिक घरों पर पानी मुहैया कराने वाले सिसई के पानी टंकी से सप्लाई 15 दिनों से बंद हो गया है।

क्योंकि फिल्टर प्लांट को पानी देने के लिए इंटेक वेल जिस कंस नदी पर आश्रित है वह नदी सूख चुकी थी। गर्मी के साथ ही नदी की आंतरिक व्यवस्था सूखने लगा है। पेयजल कर्मी कच्चा बांध बांधकर तो कभी जेसीबी से खुदाई कराकर इंटकवेल के पास पानी जमा करने के जद्दोजहद में लगे रहते हैं। तब जाकर पानी सप्लाई हो पाती है। इधर पानी कमी हो गई थी, इसी दौरान मशीन को चालू कर दिया जिससे एक मोटर जल गया है। स्थानीय मिस्त्री द्वारा मोटर का मरम्मत किया गया। नदी में पानी जमा हो गया है फिल्टर भी बन गया है, अब जल मीनार के समीप बिजली का ट्रांसफार्मर जल गया है।

इस संबंध में जल मीनार कर्मी मकीम अंसारी ने बताया पर्याप्त पानी सप्लाई के लिए प्रतिदिन ढाई तीन लाख लीटर पानी की आवश्यकता पड़ती है। जिस नदी में इंटेकवेल है। वह मार्च अप्रैल महीने में ही पूरी तरह सूख जाता है। जनवरी-फरवरी से ही कच्चा बांध बनाकर पानी रोकने का काम हम शुरू कर देते हैं। फिल्टर प्लांट को पानी देने के लिए 7 से 8 घंटा चलाना जरूरी है। जबकि अभी 24 घंटे में रिक्रूट कर दो सेटिंग बनाकर चला पा रहे मोटर के आधा घंटा चलाते हैं।

पानी खींचने के लिए लगाया गया जॉनसन पाइप पानी की सतह से बाहर आ जाता है और पानी देना बंद कर देता है। नदी में बालू नहीं होने के कारण गर्मी बढ़ते ही नदी की आंतरिक जलधारा में सूखने लगते हैं। इंटेकवेल ट्रांस प्लांट में मोटर लगा हुआ। एक मोटर का मरम्मत करा लिया गया है। कच्चे बांध को फिर से बांध कर पानी जमा किया गया है।

अब ट्रांसफार्मर जल गया है, ठीक होगा : बीडीओ प्रखंड विकास पदाधिकारी रमेश कुमार यादव ने बताया मोटर जल गया था। एक मोटर का मरम्मती कर लिया गया है। इधर ट्रांसफार्मर जल गया है। बिजली विभाग से संपर्क कर शीघ्र मरम्मति या बदलकर पानी सप्लाई किया जाएगा। इस संबंध में पेयजल स्वच्छता विभाग के कनीय अभियंता रतन खलखो के मोबाइल(8809018585)पर दो बार संपर्क किया गया, रिंग गया, पर उठाना मुनासिब नहीं समझे। बताया जाता है कि जेई कभी कभार पीएचडी कार्यालय सिसई आते हैं।

आईएसआईएस प्रेम, गजवा-ए-हिंद का नारा, रांची में पकड़ा गया भड़काऊ पोस्ट करने वाला फरहान

रांची, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच जारी टेंशन के बीच झारखंड के रांची से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक शख्स के सोशल मीडिया हैंडल से आतंकवागद समर्थित कई तस्वीरें पोस्ट की गई हैं। शख्स ने इंस्टाग्राम पर गजवा-ए-हिंदका नारा, भारतीय सेना का अपमान और वह झंडा साझा किया है, जो आईएसआईएस, तालिबान, अल-कायदा जैसे अंतरराष्ट्रीय आतंकी संगठनों की पहचान है। झारखंड के बीजेपी नेता की शिकायत पर उक्त युवक को रांची पुलिस ने केस दर्ज कर गिरफ्तार भी कर लिया है, अब उससे आगे की पूछताछ की जाएगी।

रांची से बीजेपी विधायक चंद्रेश्वर प्रसाद सिंह उर्फ सीपी सिंह ने अपने एक्स हैंडल से यह जानकारी साझा की है। उन्होंने उस युवक की तस्वीर साझा करते हुए लिखा कि ध्यान दें !फरहान मलिक, रांची निवासी ने अपने सोशल मीडिया पर जो तस्वीरें साझा की हैं, वे बेहद भड़काने वाली एवं राष्ट्रीय सुरक्षा व भारत की संप्रभुता से जुड़ी हैं।

इंस्टाग्राम पर गजवा-ए-हिंद का नारा, भारतीय सेना का अपमान और सबसे गंभीर उसने वह झंडा साझा किया है, जो आईएसआईएस, तालिबान, अल-कायदा जैसे अंतरराष्ट्रीय आतंकी संगठनों की पहचान है। यह न केवल खुला राष्ट्रद्रोह है, बल्कि एक आतंकवादी मानसिकता का स्पष्ट संकेत भी है।

उन्होंने आगे लिखा कि यह मामला केवल एक युवक का नहीं, बल्कि उस जहरीली विचारधारा को दर्शाता है जो कुछ मौलानाओं और मदरसों के माध्यम से युवाओं के मन में भरी जा रही है। समय है कि इस युवक को तुरंत गिरफ्तार कर पूरी गहराई से जांच हो। कहीं यह किसी बड़े आतंकी नेटवर्क से तो नहीं जुड़ा हुआ है? ऐसी सोच, ऐसे इरादे और ऐसे लोगों को अगर आज सबक नहीं सिखाया गया, तो कल यह बड़ी घटना को अंजाम दे सकते हैं। देश को बचाना है, तो कठोर कदम अभी उठाने होंगे।

बीजेपी विधायक की शिकायत पर रांची पुलिस का भी जवाब आया। उन्होंने लिखा कि महाशय, इस मामले को त्वरित संज्ञान लेते हुए, व्यक्ति को चिन्हित कर प्राथमिकी दर्ज करते हुए गिरफ्तार किया गया है और आगे की करवाई की जा रही है। इसपर सीपी सिंह ने रांची पुलिस का धन्यवाद भी किया।

ट्रैफिक ड्यूटी कर रहे 700 होमगार्ड जवान बदले जाएंगे, नए को फिर देनी होगी ट्रेनिंग

जिलों से ट्रैफिक एसपी ने मांगे नए होमगार्ड जवान, 25 दिनों की ट्रेनिंग के बाद मिलेगी ड्यूटी

रांची, एजेंसी। राजधानी के विभिन्न चौक-चौराहों पर जिला बल के साथ ट्रैफिक ड्यूटी में तैनात होमगार्ड जवान जल्द ही बदले जाएंगे। 25 दिनों की ट्रेनिंग पूरी करने के बाद ट्रैफिक संभाल रहे होमगार्ड जवानों को अब वापस उनके संबंधित जिलों में भेज दिया जाएगा। ट्रैफिक एसपी कैलाश करमाली ने गृह रक्षा वाहिनी के 14 जिला समादेष्टा को पत्राचार कर रांची ट्रैफिक में स्वीकृत पद के आधार पर 50 प्रतिशत जवानों को योगदान कराने की बात कही है। जिला बल में जवानों की कमी के कारण होमगार्ड जवानों की सेवा लेनी पड़ रही है, लेकिन हर साल इन जवानों को बदलने की अनिवार्यता से समय भी बर्बाद होता है और नए जवानों को हर बार ट्रेनिंग देनी पड़ती है।

ट्रैफिक एसपी ने किए गए पत्राचार में यह भी कहा है कि जल्द जवानों को योगदान कराया जाए, ताकि समय पर उन्हें ट्रेनिंग पूरी कराई जा सके। ट्रैफिक ड्यूटी के लिए जवानों को ट्रेनिंग देकर विभिन्न चौक-चौराहों पर तैनात किया जाएगा। मालूम हो कि फिलहाल जिला बल के साथ 700 होमगार्ड जवान राजधानी की ट्रैफिक व्यवस्था संभाल रहे हैं।

जिला बल में जवानों की कमी है। ट्रैफिक व्यवस्था संभालने के लिए पर्याप्त संख्या में जवान उपलब्ध नहीं हो पाते। इस कारण राजधानी में ट्रै?फिक व्यवस्था सुचारू रखना संभव नहीं होता। रोज लोगों को जाम से जूझना पड़ता है। यह स्थिति बदले, ताकि हर साल होमगार्ड के नए जवानों को लेने की जरूरत न पड़े। गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग से स्वीकृत आदेश के अनुसार, होमगार्ड जवानों की रांची ट्रैफिक ड्यूटी में एक साल के लिए ही प्रतिनियुक्ति की जाती है। इसके बाद उन्हें ट्रेनिंग दी जाती है, ताकि अच्छे से ट्रैफिक व्यवस्था का का संचालन कर सकें। हालांकि जबतक होमगार्ड जवान पूरी तरह से ट्रेंड होकर ट्रैफिक व्यवस्था को समझते हैं, उसका स्थानांतरण कर दूसरे जवानों को तैनात कर दिया जाता है। ऐसे में नए जवान के लिए ट्रैफिक को समझना और उसे संभालना बड़ी चुनौती होती है। इसके अलावा नए जवानों को फिर से ट्रेनिंग देना भी एक चुनौती होती है। इस व्यवस्था को बदलने के लिए जिला बल में जवान बढ़ाने होंगे।

शहर की ट्रैफिक व्यवस्था संभालने के लिए खूंटी, सिमडेगा, गुमला, लोहरदगा, लातेहार, गढ़वा, चतरा, चाईबासा, जमशेदपुर, साहेबगंज, पाकुड़, गोड्डा, देवघर और जामताड़ा से होमगार्ड जवान पहुंचेंगे। जिला समादेष्टा को किए गए पत्राचार में ट्रैफिक एसपी ने स्पष्ट उल्लेख किया है कि इस बात का विशेष ध्यान रखें, भेजे गए होमगार्ड में महिलाओं की संख्या 30 प्रतिशत से ज्यादा नहीं हो। ऐसे में ट्रैफिक में स्वीकृत 700 पद के आधार पर महिला होमगार्ड की संख्या 210 होगी, जिसे ट्रैफिक ड्यूटी में तैनात किया जाएगा।

खूंटपानी में अज्ञात अपराधियों ने की युवक की हत्या, गला रेतकर दिया वारदात को अंजाम

पश्चिमी सिंहभूम, एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम के खूंटपानी प्रखंड के बासाहातु गांव में रविवार को एक युवक की गला रेतकर हत्या कर दी गयी। जानकारी के अनुसार, 27 वर्षीय ग्राम मुंडा मंजीत हाईबुरु की रविवार को अज्ञात अपराधियों ने गला रेल कर हत्या कर दी। इस घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गयी। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए चाईबासा भेज दिया। फिलहाल, हत्या का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। पांड्राशाली ओपी पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार बासाहातु गांव के ग्राम मुंडा मंजीत हाईबुरु रविवार को खूंटपानी के दोपाई बाजार गया हुआ था। देर शाम बाजार से वापस लौटने के दौरान बासा गम्हरिया के पास अज्ञात अपराधियों ने गला रेतकर उसकी हत्या कर दी। रविवार पूरी रात मंजीत का शव घटनास्थल पर ही पड़ा रहा। सोमवार की सुबह जब गांव के लोगों ने युवक के शव को देखा, तो मामले की जानकारी पुलिस को दी। इसके बाद पांड्राशाली ओपी (पश्चिमी सिंहभूम) पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंच कर मामले की जानकारी ली। इसके बाद शव की पहचान कर पोस्टमॉर्टम के लिए चाईबासा भेज दिया। पांड्राशाली ओपी पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार जल्द ही इस हत्याकांड का उद्भेदन कर हत्यारों को जेल भेज दिया जायेगा।

मामले के संबंध में बताया गया कि घटना के दिन मृतक मंजीत हाईबुरु के परिजन किसी निजी काम से रांची गये थे। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन आनन-फानन में गांव आने के लिए निकले। मृतक का बड़ा सेना में रह चुका है, वह 2-3 महीने पहले ही रिटायर होकर घर वापस आया है। मामले की सूचना मिलने के बाद से ही घर में मातम का माहौल है।

सरायकेला में साप्ताहिक हाट बाजार में लगी आग थाना से 500 मीटर दूर 20 दुकानें जलकर राख

जमशेदपुर, एजेंसी। सरायकेला के साप्ताहिक हाट बाजार में आग लगने से करीब 20 दुकानें जलकर राख हो गईं। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। नगर पंचायत के पूर्व उपाध्यक्ष मनोज चौधरी ने बताया कि सरायकेला नगर क्षेत्र में यह पहली बार हुई है। थाना से मात्र 500 मीटर की दूरी पर हुई इस घटना ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

स्थानीय लोगों के अनुसार, यह बाजार रोज शाम को शराबियों का अड्डा बन जाता है। शाम 6 बजे के बाद यहां खुलेआम शराब पी जाती है। इस कारण महिलाओं का निकलना मुश्किल हो जाता है। पूर्व उपाध्यक्ष ने पुलिस से गश्त बढ़ाने और सार्वजनिक स्थानों पर अड्डेबाजी रोकने की मांग की है। संभावना है कि ऐसे ही असामाजिक तत्वों ने आग लगाई हो।

प्रशासन से आग में नष्ट हुई दुकानों के मालिकों को मुआवजा देने की भी मांग की गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिस की ओर से कार्रवाई न होने के कारण यह क्षेत्र पूरी तरह से मयखाना बन चुका है। जिला मुख्यालय के इस सार्वजनिक स्थल पर होने वाली खुली शराबखोरी पर कार्रवाई न होना सरायकेला थाना पुलिस की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।

सुभाषितम्

कलाकार प्रकृति का प्रेमी है अतः वह उसका दास भी है और स्वामी भी

- रवींद्रनाथ ठाकुर

इस्तीफा या महाभियोग

देश की न्यायिक प्रणाली उस मोड़ पर खड़ी है, जहां नैतिकता, जवाबदेही और संवैधानिक मूल्यों की कसौटी पर हाईकोर्ट के एक वरिष्ठ न्यायाधीश का आचरण परखा जा रहा है। दिल्ली उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश यशवंत वर्मा के आवास पर भारी मात्रा में नकदी बरामद होने और उसके बाद शुरू हुई जांच ने न्यायपालिका की छवि पर गहरा असर डाला है। जब मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने व्यक्तिगत रूप से हस्तक्षेप कर उनसे इस्तीफा देने को कहा, तो यह स्पष्ट था, कि यह मामला सिर्फ कानूनी नहीं, नैतिक दृष्टि से न्यायपालिका के लिए गंभीर मामला है। न्यायमूर्ति वर्मा ने यह कहते हुए इस्तीफा देने से इनकार कर दिया कि यह उनके आत्मसम्मान के खिलाफ है। उनके खिलाफ साजिश रची गई है। यह बयान उस विश्वास को और चोट पहुंचाता है, जो देश की जनता न्यायपालिका पर भगवान के समान आस्था रखती है। जब आरोप इतने गंभीर हों, हाईकोर्ट के तीन मुख्य न्यायाधीशों की जांच समिति की रिपोर्ट भी आरोप की पुष्टि करे, तब यह तर्क कि ह्लयह साजिश है। एक जिम्मेदार संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति के लिए अपर्याप्त कारण प्रतीत होता है। अब सवाल उठता है क्या न्यायमूर्ति वर्मा महाभियोग के जरिए हटाए जाएंगे, या अंतिम समय पर इस्तीफा देंगे? भारत का संविधान इस प्रक्रिया को स्पष्ट करता है। किसी उच्च न्यायालय के न्यायाधीश को हटाना अत्यंत कठिन और दीर्घ कालीन प्रक्रिया है, जिसके लिए संसद के दोनों सदनों में दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता होती है। यह लोकतंत्र की मजबूती और न्यायपालिका की स्वायत्तता का प्रतीक है। ऐसे मामलों में यह प्रक्रिया विलंब का कारण भी बन जाती है। वहीं वर्तमान संदर्भ में दोषियों को संरक्षण देने का काम भी करती है। इस संकट के समय में हमें यह नहीं भूलना चाहिए, कि संविधान सर्वोपरि है। न्यायपालिका ही सर्वोच्च संस्था है जो संविधान के अनुसार गुण और दोष के आधार पर फैसला करती है। न्यायपालिका की सर्वोच्चता का अर्थ यह नहीं कि वह जवाबदेही से मुक्त है। एक न्यायाधीश का आचरण न केवल उसके पद के अनुरूप गरिमा तय करता है बल्कि पूरे न्यायिक तंत्र की विश्वसनीयता से जुड़ा हुआ होता है। आज देश की निगाहें इस घटनाक्रम पर हैं। अगर न्यायमूर्ति वर्मा स्वयं त्यागपत्र देकर उच्च नैतिक मानदंड स्थापित करते, तो यह एक उदाहरण बनता। यदि उन्होंने त्यागपत्र नहीं दिया, तो महाभियोग ही वह रास्ता है जो यह सिद्ध करेगा, भारत में कानून से ऊपर कोई नहीं है। यह अवसर है, न्यायपालिका के आत्ममंथन का, सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने न्यायपालिका की सर्वोच्चता को बरकरार रखने के लिए राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को कार्रवाई करने के लिए पत्र लिखा है। न्यायपालिका की जवाबदेही को मजबूत बनाए रखने के लिए संसद के पास यह मामला भेजा है। वह जज के मामले में उपयुक्त निर्णय लें। अगर न्याय के मंदिर को लेकर अविश्वास आ जाए, तो लोकतंत्र की नींव डगमगा सकती है। न्यायपालिका के प्रति आम नागरिकों की आस्था बनी रहे। विधायिका और कार्यपालिका के साथ-साथ न्यायपालिका भी अपना काम संविधान की भावना के अनुरूप आचरण करते हुये संविधान के नैतिक सिद्धांतों के आधार पर निर्णय करेंगे, तभी संविधान की रक्षा हो सकेगी। न्यायपालिका ने यह कार्यवाही कर साबित कर दिया है, न्यायपालिका की भी जवाबदेही संविधान के प्रति है। उसे भी संविधान के अनुसार अपने अधिकारों और कर्तव्यों के साथ कार्य करना होता है। न्यायाधीश यदि अपने पद और अधिकारों का दुरुपयोग करते हैं, तो वह भी दंडित होने के पात्र हैं। सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश 13 मई को सेवानिवृत होने जा रहे हैं। उसके पहले उन्होंने राष्ट्रपति को पत्र भेजकर अपने संवैधानिक दायित्व को पूरा किया है। उन्होंने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को हाईकोर्ट के न्यायाधीश यशवंत वर्मा पर उपयुक्त कार्यवाही करने के लिए लिखा है। निश्चित रूप से इससे न्यायपालिका की साख बनी रहेगी। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जजों की सर्वोच्चता को बनाए रखने के लिए यह जरूरी था। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के जज संविधान के न्याय सिद्धांतों के आधार पर बिना किसी दबाव, बिना किसी भय और लालच के न्याय कर सकें। संविधान ने जो दायित्व न्यायपालिका को सोंपा है, उसके अनुसार नागरिकों के मूल अधिकारों को संरक्षित कर पाएंगे, यह आशा की जाती है।

चिंतन-मनन

श्रम रहित परिश्रम

महर्षि वेदव्यास किसी नगर से गुजर रहे थे। उन्होंने एक कीड़े को तेजी से भागते हुए देखा। मन में सवाल उठा- एक छोटा सा कीड़ा इतनी तेजी से क्यों भागा जा रहा है? उन्होंने कीड़े से पूछा- ऐ क्षुद्र जंतु! तुम इतनी तेजी से कहां जा रहे हो? कीड़ा बोला- हे महर्षि, आप तो इतने ज्ञानी हैं, यहां क्षुद्र कौन और महान कौन? क्या इनकी सही-सही परिभाषा संभव है? महर्षि सकपकाए। फिर सवाल किया- अच्छा बताओ कि तुम इतनी तेजी से कहां भागे जा रहे हो? इस पर कीड़े ने कहा-अरे! मैं तो अपनी जान बचाने के लिए भाग रहा हूं। देख नहीं रहे कि पीछे कितनी तेजी से बैलगाड़ी चली आ रही है। कीडे के उत्तर ने महर्षि को फिर चौंकाया। वह बोले- पर तुम तो इस कीट योनि में पड़े हो। यदि मर गए तो तुम्हें दूसरा और अच्छा शरीर मिलेगा। इस पर कीड़ा बोला- महर्षि! मैं तो कीड़े की योनि में रहकर कीड़े का आचरण कर रहा हूं, पर ऐसे प्राणी बहुत हैं जिन्हें विधाता ने शरीर तो मनुष्य का दिया है, पर वे मुझ कीड़े से भी गया-गुजरा आचरण कर रहे हैं। महर्षि उस नन्हे से जीव के कथन पर सोचते रहे, फिर उन्होंने उससे कहा- चलो, हम तुम्हारी सहायता कर देते हैं। कीड़े ने पूछा- किस तरह की सहायता? महर्षि बोले-तुम्हें उठाकर मैं आने वाली बैलगाड़ी से दूर पहुंचा देता हूं। इस पर कीड़े ने कहा- धन्यवाद! श्रम रहित पराश्रित जीवन विकास के सारे द्वार बंद कर देता है। मुझे स्वयं ही संघर्ष करने दीजिए। महर्षि को कोई जवाब न सूझा।

सत्य, भक्ति और संवाद के अग्रदूत देवर्षि नारद

-योगेश कुमार गोयल

नारद मुनि की छवि को एक चुगलखोर अर्थात इधर की उधर करने वाले और आपस में भिड़ाकर क्लेश कराने वाले पौराणिक चरित्र के रूप में गढ़ दिया गया है लेकिन वास्तव में उनका प्रमुख उद्देश्य प्रत्येक भक्त की पुकार भगवान तक पहुंचाना ही परिलक्षित होता रहा है। वे एक लोक से दूसरे लोक में भ्रमण करते हुए संवाद-संकलन का कार्य कर एक सक्रिय एवं सार्थक संवाददाता की भूमिका निभाते रहे हैं। संवाद के माध्यम से वे तोड़ने का नहीं बल्कि जोड़ने का कार्य करते हैं और पत्रकारिता के प्रथम पितृ पुरूष हैं। देवताओं के ऋषि होने के साथ-साथ वे ब्रह्माण्ड के प्रथम दिव्य पत्रकार के रूप में लोकमंडल के संवाददाता हैं। उन्हें देवताओं का दिव्य दूत और संचार का अग्रणी साधक माना गया है। उन्हें ब्रह्माण्ड का पहला ऐसा संदेशवाहक अर्थात पत्रकार माना जाता है, जो एक लोक से दूसरे लोक की परिक्रमा करते हुए सूचनाओं का आदान-प्रदान किया करते थे।

मान्यता है कि देवर्षि नारद का जन्म ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा के दिन हुआ था। इसीलिए प्रतिवर्ष इसी दिन नारद जयंती मनाई जाती है, जो इस वर्ष 13 मई को मनाई जा रही है। इस दिन भगवान विष्णु तथा माता लक्ष्मी का पूजन करने के पश्चात देवर्षि नारद की पूजा की जाती है। अपनी वीणा की मधुर तान से भगवान विष्णु का गुणगान करने और अपने श्रीमुख से सदैव नारायण-नारायण का जप करते हुए विचरण करने वाले नारद को महर्षि व्यास, महर्षि वाल्मीकि तथा महाज्ञानी शुकदेव का गुरू माना जाता है। कुछ शास्त्रों में नारद मुनि को त्रिकालदर्शी और विष्णु का अवतार भी माना गया है। श्रीमद्भागवद्पुराण के अनुसार सृष्टि में भगवान विष्णु ने देवर्षि नारद के रूप में तीसरा अवतार ग्रहण किया है। कुछ स्थानों पर उनका वर्णन बृहस्पति के शिष्य के रूप में भी मिलता है।

धार्मिक पुराणों के अनुसार अनेक कलाओं तथा विद्याओं में निपुण देवर्षि नारद को संगीत की शिक्षा ब्रह्माजी ने स्वयं दी थी और भगवान विष्णु ने उन्हें माया के विविध रूप समझाए थे। मान्यता है कि देवर्षि नारद ने ही भक्त प्रह्लाद, भक्त अम्बरीष, भक्त ध्रुव इत्यादि भगवान विष्णु के कई परम भक्तों को उपदेश देकर उन्हें भक्ति मार्ग में प्रवृत्त किया था। उन्होंने ही भृगु कन्या लक्ष्मी का विवाह भगवान विष्णु के साथ कराया। देवराज इन्द्र को समझा-बुझाकर देव नर्तकी उर्वशी का पुरुरवा के साथ परिणय सूत्र कराया। इसके अलावा वे कई अत्याचारी महाराक्षसों द्वारा जनता के उत्पीड़न का वृत्तांत भगवान तक पहुंचाकर उनके विनाश का माध्यम भी बने। महर्षि वाल्मीकि को रामायण की रचना करने के लिए प्रेरित किया। यही कारण है कि समस्त युगों, कालों, विधाओं और वर्गों में सम्मान के पात्र रहे नारद जी को सभी लोकों के समाचारों की जानकारी रखने वाले कवि, मेधावी नीतिज्ञ तथा एक प्रभावशाली वक्ता के रूप में स्मरण किया जाता है।

जन-जन के हितकारी देवर्षि नारद किस प्रकार धरती पर विभिन्न प्राणियों को दुखी देखकर स्वयं भी दुखी हो जाया करते थे, इसका उल्लेख भी एक पौराणिक कथा में मिलता है। कथानुसार, एक बार देवर्षि नारद ने बैकुंठधाम जाकर भगवान विष्णु से निवेदन किया कि वे पृथ्वी पर लोगों को दुखी देखकर खुद बहुत दुखी हैं क्योंकि वहां धर्म के रास्ते पर चलने वाले लोगों का नहीं बल्कि गलत कार्य करने वालों का ही भला होता है। भगवान विष्णु ने कहा कि हे नारद! ऐसा नहीं है और जो कुछ भी हो रहा है, सब नियति के जरिये ही हो रहा है। उन्होंने पूछा कि आखिर ऐसा आपने क्या देख लिया, जिसके आधार पर आप यह कह रहे हैं तब देवर्षि ने कहा कि उन्होंने जंगल में दलदली जमीन में फंसी एक गाय देखी। एक चोर वहां आया और गाय को दलदल में फंसी देखकर भी उसकी कोई मदद करने के बजाय वह उसी पर चढ़कर दलदल लांघकर निकल गया, जिसे आगे जाकर सोने की मोहरों से भरी एक थैली मिली। कुछ पलों बाद वहां एक वृद्ध साधु आए, जिन्होंने काफी प्रयासों के बाद गाय को दलदल से बाहर निकाल दिया लेकिन थोड़ा आगे जाने पर वही साधु एक गहरे गड्ढ़े में गिरकर घायल हो गए। आखिर यह कौनसा न्याय है? देवर्षि की बातें सुनने के पश्चात भगवान विष्णु ने कहा कि जो चोर गाय पर चढ़कर भाग गया था, उसकी किस्मत में तो एक बड़ा खजाना था लेकिन उसके इस पाप के कारण उसे केवल कुछ ही मोहरें मिली जबकि साधु को गड्ढ़े में इसलिए गिरना पड़ा क्योंकि उनके भाग्य में मृत्यु लिखी थी लेकिन गाय को बचाने के कारण उनके पुण्य बढ़ गए और उनकी मृत्यु एक छोटी सी चोट में बदल गई। भगवान विष्णु ने उन्हें समझाते हुए कहा कि किसी भी इंसान के कर्म से ही उसका भाग्य तय होता है।

सद्गुणों के अथाह भंडार और समस्त शास्त्रों में प्रवीण देवर्षि नारद को शास्त्रों में मन का ऐसा भगवान कहा गया है, जो किसी भी होनी-अनहोनी को समय रहते पहचान लेते हैं। उन्हें वेदों और उपनिषदों का मर्मज्ञ, न्याय तथा धर्म का तत्वज्ञ, शास्त्रों का प्रकांड विद्वान, इतिहास व पुराण विशेषज्ञ, औषधि ज्ञाता, योगनिष्ठ, ज्योतिष एवं संगीत विशारद, भक्ति रस का प्रमुख तथा अतीत की बातों को जानने वाला माना गया है। वे एक ऐसे पौराणिक चरित्र हैं, जो तत्वज्ञान में परिपूर्ण हैं। पच्चीस हजार श्लोकों वाला प्रसिद्ध ह्लनारद पुराणह्व देवर्षि द्वारा ही रचा गया है, जिसमें उन्होंने भगवान विष्णु की भक्ति महिमा के साथ-साथ मोक्ष, धर्म, संगीत, ब्रह्मज्ञान, प्रायश्चित इत्यादि कई विषयों की मीमांसा प्रस्तुत की है। इसके अलावा संगीत का एक उत्कृष्ट ग्रंथ नारद संहिता भी है।

संघर्ष विराम महज एक रणनीतिक विश्राम

-कर्ण

भारत और पाकिस्तान गत शनिवार शाम को अमेरिका की मध्यस्थता के दावों के बीच तत्काल प्रभाव से संघर्ष विराम के लिए सहमत होते दिखे। दोनों ही देश एक-दूसरे के खिलाफ सैन्य कार्रवाई रोकने के लिए तैयार हुए। हालांकि संघर्ष विराम की घोषणा के 3 घंटे भी नहीं बीते थे कि पाकिस्तान की तरफ से इसके उल्लंघन की खबर मिली। इधर भारतीय वायुसेना ने भी अब अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से यह जानकारी दी है कि ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है और सही समय पर इसकी विस्तृत जानकारी दी जाएगी। कुल मिलाकर वर्तमान स्थिति यह है कि शनिवार की रात 11 बजे के बाद नियंत्रण रेखा समेत अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर करीब-करीब शांति की स्थिति है। पाकिस्तान के धोखा और कपट से पूर्ण इतिहास को देखते हुए भारत इस बार पूरी तरह से सतर्क है। उम्मीद की जानी चाहिए कि आगामी 12 तारीख को जब भारत और पाकिस्तान के डीजीएमओ स्तर के अधिकारी मिलेंगे, तब किसी स्थायी शांति के समझौते पर आगे बढ़ा जाएगा। संघर्ष की पृष्ठभूमि में यहां हम देश और दुनिया भर में उठ रहे दो ज्वलंत प्रश्नों पर विचार करेंगे। पहला, ऑपरेशन सिंदूर से भारत को क्या हासिल हुआ? दूसरा, संघर्ष में जब भारत स्पष्ट बढ़त बनाए हुए था, तब वह इसे तत्काल प्रभाव से रोक देने के लिए तैयार आखिर क्यों हुआ? कुछ रक्षा विशेषज्ञ इस बात पर हैरानी जता रहे हैं कि आखिर इस समय जब भारत युद्ध को डोमिनेट कर रहा था, उसे अपने कदम रोकने की आवश्यकता क्यों पड़ गई? पहले प्रश्न का उत्तर यह है कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के प्रथम चरण में ही पाकिस्तान और पीओके में मौजूद 9 उच्च मूल्य के आतंकवादी लॉन्च पैड्स को नष्ट किया। इन ठिकानों का संबंध लश्कर ए तैयबा, जैश ए मोहम्मद और हिजबुल मुजाहिदीन से था। ये ठिकाने भारत पर हमले की साजिश रचने के प्रमुख केंद्र माने जाते हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि हम केवल पीओके तक सीमित नहीं रहे, बल्कि पाकिस्तान के भीतर सैकड़ों किलोमीटर तक सफलतापूर्वक स्ट्राइक किए। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में भी प्रहार किया, जो पाकिस्तान की सेना का रणनीतिक गढ़ माना जाता है। बहावलपुर जैसे इलाकों में भारत ने कार्रवाई की, जहां अमेरिका तक ने ड्रोन भेजने से परहेज किया था। ऑपरेशन सिंदूर से पाकिस्तान की हवाई सुरक्षा की पोल भी खुल गई। भारतीय जांबाजों ने पाकिस्तान की एयर डिफेंस को या तो जाम कर दिया या उसे चकमा देकर आगे बढ़े। 6-7 मई की दरमियानी रात महज 23 मिनट में हुए सटीक हमले ने पाकिस्तान की हवाई सुरक्षा प्रणाली की कमजोरी को उजागर कर दिया। राफेल विमान से स्कैल्प मिसाइल और हैमर बमों की मदद से बिना अपना कोई नुकसान किये मिशन को अंजाम दिया गया। ऑपरेशन के दौरान भारत के मोस्ट वांटेड लिस्ट में शामिल कई आतंकवादियों सहित कम-से- कम 100 आतंकी मारे गए। इसी दौरान भारत के मजबूत एयर डिफेंस का लोहा भी दुनिया ने माना। उल्लेखनीय है कि लगभग शत प्रतिशत सफलता के साथ भारत ने पाकिस्तान के मिसाइल और ड्रोन हमलों को नाकाम कर दिया। दूसरी तरफ हारोप ड्रोन से लाहौर, कराची रावलपिंडी, चकवाल, बहावलपुर समेत पाकिस्तान के 9 शहरों के सैन्य ठिकानों पर विनाशकारी हमले किए गए। भारतीय वायुसेना के हमलों में पाकिस्तान के कुल 11 एयरबेस के तबाह होने की पुख्ता जानकारी है। पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर हमलों में भारत ने कंधार का हिसाब भी चुकता कर लिया है। कंधार विमान अपहरण कांड का मुख्य सूत्रधार अब्दुल रउफ असगर मारा गया। रउफ असगर जैश का ऑपरेशन प्रमुख होने के साथ ही मसूद अजहर का भाई भी था। मसूद अजहर ने खुद ही अपने परिवार के 10 सदस्यों और चार करीबियों की मौत की पुष्टि की थी। इस पूरे ऑपरेशन का अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू यह है कि विपक्ष समेत भारत के सभी राजनीतिक दलों ने ऑपरेशन सिंदूर की सराहना की और सरकार को पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई के लिए हर तरह से समर्थन दिया। अब हम संक्षेप में हम इस प्रश्न पर भी विचार कर लें कि संघर्ष में जब भारत स्पष्ट रूप से बढ़त बनाए हुए था, तब वह संघर्ष विराम के लिए तैयार क्यों हुआ? भारत तेजी से उभरती वैश्विक आर्थिक शक्ति है। ज्यादा समय नहीं जब वह जापान और जर्मनी जैसे देशों को पछाड़ कर तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। ऐसी स्थिति में एक दीर्घकालिक पूर्ण युद्ध में उलझना भारत के हित में नहीं। दूसरी तरफ चीन, जो कि अमेरिका के साथ व्यापारिक युद्ध में बुरी तरह से फंसा हुआ है और जहां से अनेक अमेरिकी और यूरोपीय मैन्युफैक्चरिंग कंपनियां अपने कारोबार को समेटने की तैयारी कर रही हैं, के लिए भारत का पाकिस्तान के साथ युद्ध जैसी किसी परिस्थिति में उलझना फायदे का सौदा हो सकता है। भारत के लिए यह सर्वथा उचित ही है कि वह ऐसी किसी योजना अथवा साजिश को सफल न होने दे। कहां जा सकता है कि संघर्ष विराम के लिए तात्कालिक तौर पर सहमत होकर भारत सरकार ने अपनी रणनीतिक कुशलता का ही परिचय दिया है। कुल मिलाकर ऑपरेशन सिंदूर न केवल भारत की मजबूत राजनीतिक और सैन्य इच्छाशक्ति का प्रदर्शन है, बल्कि इसके माध्यम से उसने यह संदेश भी दिया है कि भारत अब आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक कार्यवाही से पीछे नहीं हटेगा।

(लेखक भू राजनीतिक मामलों के विशेषज्ञ हैं।)

आजादी के बाद भी भारत में आतंकी माहौल

-संजय गोस्वामी

ऑपरेशन सिंदूर भारत के लिए जरुरी था भारत को अपनी रक्षा का पूर्ण अधिकार है लेकिन पाकिस्तान इसे युद्ध के रूप में घसीट रहा है सीजफायर का उल्लंघन करता है और धर्म के नाम पर आतंकवादी को ट्रेनिंग और हथियार देता है आज भारत की आजादी का 76 साल से अधिक हो गए आजादी का अमृत महोत्सव भी धूमधाम से मना लेकिन भारत जब आजाद हुआ तो जिन्ना के कारण भारत के एक औ टुकड़े हो गए और पाकिस्तान बना और वहीं पाकिस्तान आज आतंकवादी को प्रमोट करता है जबकी भारत शांति पूर्ण तरीके से जबाब देता है पाकिस्तान धर्म के नाम पर सभी आतंकी कुकर्मो को करता है और जिससे किसी ना किसी रूप में दोनों की आर्थिक स्तिथि कमजोर होती है जिसका फायदा चीन उठाता है अंग्रेजी हुकूमत में शहीद हुए लाहौर बम कांड में भगत सिंह राजगुरु व शुकदेव आजादी मिली पाकिस्तान को किंसी देश को विकसित कब माना जाता है? यह देश की समृद्धि, उसके लोगों की खुशहाली और अंतरराष्ट्रीय मंच पर उसकी स्थिति से तय होता है। और, कोई देश कितना समृद्ध है, यह उसके ह्नजीएनपीह्न यानी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) से तय होता है। डीपी यानी कुल घरेलू उत्पाद, भुगतान संतुलन, विदेशी मुद्रा-मुद्रा भंडार, आर्थिक विकास दर, जीडीपी आदि। इसके अलावा, अंतरराष्ट्रीय व्यापार (आयात और निर्यात दोनों) की मात्रा और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में उसकी हिस्सेदारी, इन दोनों में उसकी विकास दर भी उसकी आर्थिक स्थिति को दशार्ती है। अर्थव्यवस्था कितनी मजबूत है और क्या उसमें अर्जित धन को बनाए रखने और लगातार बढ़ाने की क्षमता है। आर्थिक संकेतक अपने आप में बहुत वजन रखते हैं, लेकिन कुछ चीजें छिप भी जाती हैं, जैसे देश के आम आदमी की गरीबी और कठिनाई की बात। हैदराबाद स्थित ह्नडीआरडीएलह्न (सिक्योरिटी रिसर्च एंड डेवलपमेंट लेबोरेटरी) में अपने कार्यकाल के दौरान मैंने और राजन ने अपने अनुभवों पर खूब चर्चा की है और उन पर खूब सोचा है। वहाँ काम करते समय तीन व्यक्ति मेरे पास आए और वे मेरे लिए कुछ ऐसे प्रश्नों और समस्याओं के प्रतीक बन गए, जिनके उत्तर मैं लगातार ढूँढ़ने की कोशिश कर रहा था। पहला व्यक्ति विक्रांत था, जो दो बेटों और एक बेटी का पिता था। तीनों ही ग्रेजुएट थे और अच्छी नौकरी करते थे। उसी इलाके में कूप रहता था, जो तीन बेटों का पिता था। वह सिर्फ. एक बेटे को पढ़ा पाया और किराए के मकान में रहता था। कपिल दो बेटियों और एक बेटे का पिता था। उसकी नौकरी पार्ट टाइम थी। गरीब होने के कारण वह अपने किसी बच्चे को पढ़ा नहीं पाया। वह घर भी बदलता रहता था। क्या उसके लिए यह संभव नहीं था कि वह अपने बच्चों को असाधारण नहीं तो साधारण और औसत जीवन जिए? ताकि वे संपन्न लोग भरपूर जीवन जी सकें, ऐसे व्यवसाय से जुड़ सकें, जिससे उन्हें अच्छा स्वास्थ्य मिले, आरामदायक जीवन जीने का अवसर मिले। राष्ट्र की परिकल्पना राष्ट्र को सकारात्मक दिशा देकर और पीढ़ियों के निरंतर और लगनशील प्रयासों के आधार पर बनती है। एक पीढ़ी अपनी मेहनत का परिणाम अगली पीढ़ी को सौंपती है और वे इस मिशन को आगे बढ़ाते हैं।

आज का राशिफल

मेष आज बेहतर होगा कि आप अपने काम में ज्यादा ध्यान दें, इससे आपका करियर सही दिशा में जा सकता है।

तुला आज आपको दिन के पहले हिस्से मे फोन कॉल्स के जरिए आज कोई खुशखबरी मिलेगी।

वृषभ आज दिन भर काफी बिजी शेड्यूल रहेगा। शाम तक अच्छी खबरें मिलेंगी और आप फायदे में भी रहेंगे।

वृश्चिक मेहनत कुछ ज्यादा ही करनी होगी। शाम तक बिजनेस में मुनाफे के कई मौके आएंगे।

मिथुन दिन उत्साह से भरा दिन रहेगा। आज आपको करियर से जुड़ी ऐसी खबर मिल सकती है।

धनु आपका समय अच्छा है इसका पूरा फायदा उठाएं। ऑफिस में साथियों से बहस में न उलझें।

कर्क आज दिन स्पेशल साबित हो सकता है। किसी एक ही तरकीब पर काम करना काफी रहेगा।

मकर किसी से अनबन न हो, इस बात का ध्यान रखें। कामकाज में आपकी स्थितियां बेहतर होंगी।

सिंह आज दिन बहुत अच्छा बीतेगा। दिल में कोई बात या नया आइडिया हो, तो फौरन आगे बढ़ें।

कुंभ ऑफिस में अपने साथियों के साथ मिलकर काम करने से अच्छे रिजल्ट मिलेंगे।

कन्या दिन काफी बिजी कर देने वाला होगा। कार्यस्थल पर दिमाग से किए गए काम का फायदा होगा।

मीन आज का दिन काफी धीमा हो सकता है। धीरे-धीरे आगे बढ़ने से ही फायदा हो सकता है।

विशेष

भारत-पाक सीजफायर से पोप लियो भी खुश

वेटिकन सिटी के नव निर्वाचित पोप लियो-14 ने पहले रविवार के संदेश में भारत और पाकिस्तान को महत्व दिया और सीजफायर का स्वागत करते हुए कहा कि वह ईश्वर से प्रार्थना कर रहे हैं कि वह दुनियां को शांति का चमत्कार प्रदान करें। उन्होंने कहा कि उन्हें यह जानकार खुशी हुई और उम्मीद है कि बातचीत से परमाणु संपन्न पड़ोसी देशों के बीच एक स्थायी समझौता हो सकेगा। उन्होंने आगे कहा कि वे ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि वह दुनिया को शांति का चमत्कार प्रदान करें। इस संदेश के बाद सभी यही कह रहे हैं कि सही मायने में कोई भी धर्म या संत समाज कभी भी जीवमात्र को हानि पहुंचाने को सही नहीं ठहराते हैं।

रहीम यार खान एयरबेस की तबाही से आशय

भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर होने के बाद यह बतलाया जा रहा है कि किसने किसका कितना नुक्सान किया। इसी कड़ी में बताया गया कि भारत द्वारा पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में 7 मई को लॉन्च किए गए ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान का रहीम यार खान एयरबेस बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हुआ है। यही कारण है कि पाकिस्तान ने इसे 8 दिन के लिए नॉन-ऑपरेशनल घोषित कर दिया है और इस पर वर्क इन प्रोग्रेस का बोर्ड भी लगा दिया गया है। दरअसल यहां भारत की जवाबी कार्रवाई में एयरबेस के रनवे पर बड़ा गड्ढा बन गया।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1503 स्पेनी फौजे फ्रांसिसियों को पराजित कर नेपल्स पहुंची. 1648 दिल्ली का लाल किला बनकर पूरा हुआ. 1809 फ्रांस ने विएना पर कब्जा किया. 1830 इक्वाडोर गणराज्य बना. 1888 ब्राजील की संसद ने दास प्रथा समाप्त करने का प्रस्ताव पारित किया. 1968 अमरीका और उत्तर वियतनाम के बीच शांति वार्ता पेरिस में शुरू हुई. 1969 मलेशिया में दंगो में एक सौ से अधिक लोग मारे गए. 1972 ओसाका, जापान में नाइट क्लब में लगी आग से 116 लोगों की मृत्यु. 1992 अमरीकी अंतरिक्ष शटल इंडेवर के तीन अंतरिक्ष यात्री ने अंतरिक्ष में तैरकर इनसैट-6 की मरम्मत की.1993 एजर बिजमेन ने इजरायल के राष्ट्रपति पद की शपथ ली. 1996 बंगलादेश में समुद्री तूफान से छह सौ से अधिक लोग मारे गए. 1999 पेरू और इक्वाडोर का सीमा विवाद हल हुआ.

दैनिक पंचांग

13 मई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	05.30 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	मिथुन	07.28 बजे से
मंगल	कर्क में	कर्क	09.41 बजे से
बुध	मेष में	सिंह	11.57 बजे से
गुरु	वृष में	कन्या	14.09 बजे से
शुक्र	मीन में	तुला	16.20 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	18.35 ब.से
राहु	मीन में	धनु	20.51 बजे से
केतु	कन्या में	मकर	22.56 बजे से
राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक		कुंभ	00.42 बजे से
		मीन	02.15 बजे से
		मेष	03.46 बजे से

मंगलवार 2025 वर्ष का 133 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1946 **मास** ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** प्रतिपदा 00.36 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** विशाखा 09.09 बजे को समाप्त। **योग** वरीयान 05.53 बजे को समाप्त। **करण** बालव 11.33 बजे तदनन्तर कौलव 00.36 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 15.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 18° 24' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872343 **जूलियन दिन** 2460808.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** जिल्काद **तारीख** 14 **विशेष** नारद जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

इन आसान डेकोर आईडियाज की मदद से अपने रूम को बनाएं कलरफुल

अगर आप आसान तरीकों से अपने रूम को बेहद कलरफुल बनाना चाहती हैं तो ऐसे में इन डेकोर आईडियाज की मदद ले सकती हैं। हर महिला की इच्छा होती है कि वह अपने घर को बेहद खूबसूरत बनाए। इसके लिए महिलाएं कई तरह के डेकोर आईडियाज को अपनाती हैं। वैसे एक घर या उसके कमरे तब जीवंत हो उठते हैं, जब उसमें कई कलर्स को शामिल किया जाए। आमतौर पर घर को कलरफुल बनाने के लिए दीवारों पर पेंट किया जाता है। यह कमरे में कलर शामिल करने का अच्छा तरीका है। लेकिन यह जरूरी नहीं है कि हर बार आप अपने रूम को पेंट करके ही उसे कलरफुल बनाएं। इसके अलावा भी ऐसे कई आसान तरीके हैं, जिनकी मदद से आप अपने घर के अलग-अलग कमरों में कई रंगों को आसानी से शामिल कर सकती हैं और उसे खूबसूरत बना सकती हैं।

कुशन का लें सहारा

अगर बात लिविंग रूम की हो तो वहां पर आप सोफे के उपर कुछ कलरफुल कुशन कवर का इस्तेमाल कर सकती हैं। यह आपके लिविंग रूम में डिफरेंट कलर्स को एड करेगा। आप चाहें तो वहां पर तीन से अधिक कुशन को भी रख सकती हैं। इसी तरह बेडरूम में कलर्स एड करने के लिए आप कलरफुल बेडशीट और पिलो कवर का इस्तेमाल कर सकती हैं। ब्राइट बेडशीट आपके रूम को भी ब्राइट बनाएगी।

एसेसरीज आएगी काम

घर में हम कई तरह की चीजों का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन अगर उनके कलर्स ब्राइट हों तो इससे आपके होम डेकोर में भी चार-चांद लग जाते हैं। उदाहरण के लिए, आप अपने बुकशेल्फ के उपर एक ब्राइट ग्रीन लेदर बॉक्स रख सकती हैं या फिर अगर आप बुकशेल्फ में बुक्स को उनके कलर के अनुसार सेट करती हैं तो इससे भी कमरे में एक डिफरेंट कलर कोड नजर आता है। इस तरह आप ब्राइट होम एसेसरीज की मदद से अपने घर को अधिक कलरफुल बना सकती हैं।

बिछाएं कालीन

जब होम डेकोर की बात हो तो कालीन का इस्तेमाल करना कई मायनों में काफी अच्छा माना जाता है। सबसे पहले तो कालीन किसी भी रूम का लुक एकदम से चेंज करते हैं। इसके अलावा मार्केट में कई कलर्स व डिजाइन के कालीन मिलते हैं। ऐसे में अगर आप अपने रूम के साइज के अनुसार कॉन्ट्रास्टिंग कलर का कालीन चुनती हैं तो इससे भी आपका रूम अधिक कलरफुल लगता है और होम डेकोर स्पाइसअप होता है।

प्रकृति को करें शामिल

आर्टिफिशियल कलर्स को तो घर में कई तरह से शामिल किया जा सकता है, लेकिन प्रकृति अपने आप में एक बेहतरीन रंग है जो आपके घर को भी बेहद खूबसूरत बनाता है। इसलिए बेहतर होगा कि आप अपने घर में कई इनडोर प्लांट्स को रखें। कोशिश करें कि आप ऐसे पौधों का चयन करें, जिन्हें रोशनी की बहुत अधिक आवश्यकता ना हो। अगर आप रियल प्लांट्स को रूम में नहीं रख सकतीं, तो ऐसे में आप आर्टिफिशियल फूल व पौधों की मदद भी ले सकती हैं।

अप्रूवल के बाद लोन कैंसिल कैसे करें? क्या है नियम

अगर लोन अप्रूव हो गया है लेकिन मिला नहीं हुआ है, तो उसे कैंसिल करना संभव है। इस हालत में आपको अपने बैंक से जल्द से जल्द संपर्क करना चाहिए और लिखित तौर पर लोन कैंसिल करने का रिक्वेस्ट भेजना चाहिए।

लोन अप्रूवल के बाद उसे कैंसिल करना कई वजहों से जरूरी हो सकता है। जैसे कि आपको बेहतर डील मिल गई हो, या आपकी फाइनेंनसियल स्टेटस में बदलाव आ गया हो। हालांकि, लोन कैंसिल करने की प्रक्रिया थोड़ी जटिल हो सकती है और इसमें कुछ खर्च भी लग सकता है। अगर लोन अप्रूव हो गया है लेकिन मिला नहीं हुआ है, तो उसे कैंसिल करना संभव है। इस हालत में आपको अपने बैंक से जल्द से जल्द संपर्क करना चाहिए और लिखित तौर पर लोन कैंसिल करने का रिक्वेस्ट भेजना चाहिए। रिक्वेस्ट में लोन कैंसिल करने का कारण साफ तौर पर बताना जरूरी है।

लोन कैंसिलेशन से जुड़े नियम और शर्तें

हालांकि, ध्यान दें कि कुछ बैंक या इंश्योरेंस कंपनी तेजी से लोन को फाइनल करके वितरित कर सकते हैं, इसलिए आपको जल्दी फैसला लेना होगा। बैंक के पास लोन कैंसिलेशन से संबंधित अपने नियम और शर्तें होती हैं, जिनमें कभी-कभी फीस या जुर्माना भी शामिल हो सकता है। इसलिए, लोन कैंसिल करने से पहले सभी संभावित परिणामों को समझना जरूरी होता है। इस प्रकार, अगर आप लोन को कैंसिल करना चाहते हैं, तो सबसे पहले अपने बैंक से संपर्क करें, सभी जरूरी डॉक्युमेंटेशन तैयार करें, और अगर लागू हो तो किसी भी तरह की लगने वाली फीस या जुर्माने के बारे में जानकारी हासिल करें। वहीं, अगर आपको पहले ही पैसा मिल चुका है, तो आपको उसे वापस करना होगा। बैंक आपको ऐसा करने के लिए 30 दिन का समय दे सकता है।

लोन कैंसिल करने के लिए आपको इन स्टेप्स का पालन करना होगा

- बैंक या फाइनेंस कंपनी से संपर्क करें
- सबसे पहले आपको उस बैंक या फाइनेंस कंपनी से संपर्क करना होगा जिससे आपने लोन लिया है। आप उनके कस्टमर केयर नंबर पर कॉल कर सकते हैं, या उनकी शाखा में जा सकते हैं।
- कई लोन एग्रीमेंट में एक कूलिंग-ऑफ पीरियड का प्रावधान होता है, जिसमें आप बिना किसी पेनल्टी के लोन को कैंसिल कर सकते हैं। इस पीरियड की जानकारी आपको एग्रीमेंट में मिलेगी।
- लोन कैंसिल करने का कारण बताएं
- आपको लोन कैंसिल करने का कारण बताना होगा। यह कारण वैध होना चाहिए।

कैंसिलेशन फॉर्म भरें

बैंक या फाइनेंस कंपनी आपको एक कैंसिलेशन फॉर्म देगी, जिसे आपको भरकर जमा करना होगा।

फोरक्लोजर चार्ज

लोन को समय से पहले बंद करने पर आपको फोरक्लोजर चार्ज देना पड़ सकता है। यह चार्ज अलग-अलग बैंकों में अलग-अलग हो सकता है।

बकाया राशि का भुगतान

अगर आपने लोन की कोई किश्त ली है, तो आपको वह राशि भी ब्याज सहित लौटाना होगी।

दस्तावेज जमा करें

बैंक या फाइनेंस कंपनी आपको कुछ दस्तावेज जमा करने के लिए कह सकती है।

बैंक के साथ फॉलो-अप करें

लोन कैंसिलेशन प्रक्रिया के दौरान बैंक के साथ फॉलो-अप करना जरूरी है, ताकि आप सुनिश्चित कर सकें कि सब कुछ सही तरीके से हो रहा है।

कैंसिलेशन लेटर

बैंक या फाइनेंस कंपनी आपको एक कैंसिलेशन लेटर देगी, जिसे आप सुरक्षित रख लें।

लोन अप्रूवल कैसे चेक करें

ऑनलाइन

ज्यादातर बैंकों की वेबसाइट पर एक खास सेक्शन होता है, जहां आप अपना लोन आवेदन की स्थिति देख सकते हैं। इसके लिए, आपको अपने क्रेडेंशियल्स से लॉग इन करना होगा और फिर लोन सेक्शन में जाकर ट्रैक एप्लीकेशन स्टेटस लिंक पर क्लिक करना होगा। आपको आवेदन संख्या या संदर्भ संख्या की जरूरत होगी।

ऑफलाइन

इसके लिए, आप ये तरीके अपना सकते हैं। बैंक या एनबीएफसी की नजदीकी शाखा में जाकर पर्सनल लोन कस्टमर केयर से बात करें। टोल-फ्री नंबर पर कॉल करें। मौजूदा ग्राहक, नेट बैंकिंग के जरिए भी अपना लोन अप्रूवल ट्रैक कर सकते हैं।

पीजी में अकेले रहने पर लगता है डर, तो सेफ्टी के लिए अपनाएं ये काम के उपाय

पीजी यानी पेइंग गेस्ट में अकेले रहना कई बार डरावना लग सकता है, खासकर अगर आप पहली बार घर से दूर रह रहे हैं। पीजी की लाइफ लड़कों के साथ-साथ लड़कियों के लिए एक बड़ा बदलाव होता है। घर की सुविधाओं से निकलकर एक नए माहौल में आना आसान नहीं होता। पीजी में रहकर लड़कियां स्वतंत्र होती हैं, लेकिन साथ ही उन्हें अपनी जिम्मेदारियां भी निभानी होती हैं। पीजी में रहकर लड़कियां छोटी-मोटी समस्याओं का समाधान खुद से करना सीख जाती हैं। लेकिन यह अनुभव उन्हें मजबूत बनाता है और कई नई चीजें सिखाता है। नौकरी करने या पढ़ाई करने वाली लड़कियों को अपने खर्चों का प्रबंधन खुद करना होता है, जिससे वे पैसे का महत्व समझती हैं। इन सबके साथ किसी तरह का डर होने पर आप कुछ सावधानियों और उपायों से अपनी सुरक्षा का ख्याल रख सकती हैं।

कमरे की सिक्योरिटी है जरूरी

जब भी आप अपने कमरे में हों, दरवाजे को हमेशा लॉक रखें। अगर आपका दरवाजा कमजोर है, तो अलग से लॉक या सिक्योरिटी चेन लगवाने का प्लान कर सकते हैं। खिड़कियों पर सुरक्षा गार्ड या ग्रिल्स लगवाएं, ताकि कोई बाहर से अंदर न आ सके। दरवाजे पर स्पाइ होल और डोर चेन लगवाएं, ताकि आप दरवाजा खोलने से पहले बाहर देख सकें।

सिक्योरिटी गैजेट्स का इस्तेमाल करें

अपने साथ पेपरस्प्रे रखें। यह आपको सेल्फ डिफेंस में मदद कर सकता है। अपने फोन में सिक्योरिटी ऐप्स इंस्टॉल करें, जो आपकी लोकेशन को ट्रैक कर सकें और इमरजेंसी सिचुएशन में परिवार या दोस्तों को अलर्ट भेज सकें।

पीजी मालिक से बात करें

अगर पीजी में सीसीटीवी कैमरे या सिक्योरिटी गार्ड्स नहीं हैं, तो पीजी मालिक से बात करें और इन सुविधाओं की व्यवस्था के लिए बात कर सकते हैं। इस बात का ख्याल रखें कि पीजी में आने वाले हर व्यक्ति की डिजिटली एंट्री रजिस्टर में दर्ज हो और अनजान व्यक्तियों को अंदर न आने दिया जाए।

इलाके की जांच करें

सबसे पहले, जिस इलाके में आप पीजी देख रही हैं, उसके बारे में स्थानीय लोगों से जानकारी लें। आस-पास के लोग उस इलाके की सुरक्षा, माहौल और वहां की अन्य सुविधाओं के बारे में जरूरी जानकारी दे सकते हैं। इससे आपको यह फैसला लेने में मदद मिलेगी कि वह इलाका आपके लिए सुरक्षित और सुविधाजनक है या नहीं।

पीजी में रहने वाली लड़कियों से बात करें

जब आप पीजी देखने जाएं, तो वहां पहले से रह रही लड़कियों से उनकी राय जानें। उनसे पूछें कि क्या वे वहां रहकर सुरक्षित महसूस करती हैं और किन-किन समस्याओं का सामना करना पड़ता है। आप किसी लड़की से उसका संपर्क नंबर भी ले सकती हैं, ताकि बाद में उनसे इत्मीनान से बात कर सकें और पीजी के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त कर सकें।

लैंडलॉर्ड से स्पष्ट बातचीत करें

लैंडलॉर्ड से पहले ही साफ-साफ कहें कि यह लड़कियों का पीजी है, और यहां किसी भी पुरुष का आना अलाउड नहीं है। इससे आपकी सुरक्षा सुनिश्चित होगी। लैंडलॉर्ड के परिवार के पुरुष सदस्य भी पीजी में न आएं, इस बात को स्पष्ट करें।

सुविधाओं की जांच करें

पीजी के बाथरूम, खिड़की, और रोशनदान की अच्छी तरह से जांच करें। यह ध्यान दें कि ये सुरक्षित और ठीक स्थिति में हैं। पीजी में सफाई कौन करता है, खाना कौन पकाता है, और मरम्मत के लिए कौन आता है, इन सभी बातों की जानकारी पहले से रखें। यह आपके लिए बहुत जरूरी है ताकि आप किसी भी असुविधा से बच सकें।

लैंडलॉर्ड के साथ सीमित संबंध रखें

लैंडलॉर्ड के साथ आपके संबंध अच्छे होने चाहिए, लेकिन बहुत अधिक व्यक्तिगत नहीं होने चाहिए। इससे एक प्रोफेशनल रिश्ता बना रहेगा और किसी भी तरह की असुविधा से बचा जा सकेगा।

इलाके का माहौल चेक करें

पीजी जिस इलाके में स्थित है, वहां का माहौल भी जरूर चेक करें। आस-पास कैसे लोग रहते हैं, इसका असर आपके जीवन पर भी पड़ेगा। इसलिए यह सुनिश्चित करें कि उस इलाके का माहौल आपके लिए अनुकूल और सुरक्षित है।

ओवरसाइज्ड कपड़ों को स्टाइल करते हुए ना करें ये गलतियां

ओवरसाइज्ड कपड़े आपके लुक को बेहद स्टाइलिश बनाते हैं, लेकिन इन्हें कैरी करते समय आपको कुछ छोटी-छोटी गलतियों से बचना चाहिए।

ओवरसाइज्ड कपड़े हमें ना केवल ट्रेन्डी दिखाते हैं, बल्कि अधिक कंफर्टेबल भी होते हैं और इसलिए अधिकतर लोग इसे पहनना पसंद करते हैं। हालांकि, इस ट्रेंड को अपनाना हमेशा उतना आसान नहीं होता जितना लगता है। कई बार यह देखने में आता है कि लोग ओवरसाइज्ड कपड़ों को स्टाइल करते हुए कुछ छोटी-छोटी गलतियां कर बैठते हैं, जिससे उनका पूरा लुक बिगड़ जाता है। ओवरसाइज्ड कपड़ों को कैरी करते समय आपको अपने लुक को बैलेंस करना आना चाहिए।
कई बार ऐसा होता है कि ओवरसाइज्ड लुक को कैरी करने के लिए हम अपने साइज से अधिक बड़े कपड़ों को पहन लेते हैं या फिर सही एक्सेसरीज का चयन नहीं करते हैं। ये गलतियां देखने में भले ही छोटी लगती हों, लेकिन फिर भी इनसे आपका पूरा लुक खराब हो जाता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको ओवरसाइज्ड कपड़ों को स्टाइल करते समय की जाने वाली कुछ आम गलतियों के बारे में बता रहे हैं-

फिटिंग को लेकर गड़बड़ी करना

ओवरसाइज्ड कपड़ों को स्टाइल करते समय की जाने वाली यह आम गलती है। जब लोग खुद को ओवरसाइज्ड कपड़ों में खुद को स्टाइल करते हैं तो उन्हें यह लगता है कि वे अपन साइज से बड़े कपड़ों को पहन सकते हैं। लेकिन साइज में बड़े या ढीले कपड़े पहनने से आपका लुक अच्छा नहीं लगता है। इसलिए, स्टाइलिश दिखने के लिए आप अपने साइज में ही मिलने वाले ओवरसाइज्ड कपड़ों को चुनें। ये आपको अधिक फिट लुक देते हैं।

लुक को बैलेंस ना करना

जब लोग ओवरसाइज्ड कपड़े पहनते हैं तो उन्हें लगता है कि वे कुछ भी स्टाइल कर सकते हैं। वे ओवरऑल ओवरसाइज्ड कपड़ों को पहनते हैं, जबकि इससे उनका पूरा लुक बिगड़ जाता है। जब भी आप ओवर साइज्ड कपड़ों को स्टाइल करें तो उसके साथ फिटेड कपड़ों को पहनकर अपने लुक को बैलेंस करें। उदाहरण के लिए, अगर आप ओवरसाइज्ड टॉप पहन रहे हैं, तो बैलेंस बनाए रखने के लिए इसे स्लिम या फिटेड बॉटम के साथ पहनें। ऑफिस फंकी लुक के लिए यह बेस्ट है।

बॉडी शेप की अनदेखी करना

यह भी एक ऐसी गलती है, जिसे अक्सर लोग कर बैठते हैं। कई बार आपने नोटिस किया होगा कि ओवरसाइज्ड कपड़े किसी एक इंसान पर अच्छे लगते हैं, लेकिन दूसरे पर सूट नहीं करते हैं। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि वे अपनी बॉडी शेप पर ध्यान नहीं देते। आपको यह समझना चाहिए कि ओवरसाइज्ड कपड़े हर बॉडी शेप पर समान रूप से सूट नहीं कर सकते। इसलिए, आपको ऐसे स्टाइल को चुनना चाहिए, जो आपकी बॉडी शेप को कॉम्प्लीमेंट करें।

गलत एक्सेसरीज़ का चयन करना

ओवरसाइज्ड कपड़ों में जब आप खुद को स्टाइल करते हैं तो आपको एक्सेसरीज का भी ख्याल रखना चाहिए। कई बार हम गलत और हैवी एक्सेसरीज कैरी कर लेते हैं या फिर एक्सेसरीज़ को स्किप ही कर देते हैं। हालांकि, ऐसा करने से आपके कपड़े काफी ढीले-ढाले और अजीब से नजर आ सकते हैं। इसलिए, अपने आउटफिट में पॉलिश लुक लाने के लिए आप ओवरसाइज्ड कपड़ों के साथ बेल्ट, स्टेटमेंट ज्वेलरी या स्ट्रक्चर्ड बैग जैसी एक्सेसरीज़ का इस्तेमाल कर सकती हैं।

अस्थिर बाजार में निवेशकों की पसंद बने आक्रामक हाइब्रिड फंड

एयूएम पहुंचा 2.26 लाख करोड़

नईदिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में जारी अस्थिरता के बीच आक्रामक हाइब्रिड म्यूचुअल फंड निवेशकों में लोकप्रिय हो रहे हैं। इस श्रेणी का परिसंपत्ति आधार अप्रैल, 2025 तक बढ़कर 2.26 लाख करोड़ रुपये हो गया है। एक साल पहले की तुलना में यह 12 फीसदी अधिक है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) की जारी रिपोर्ट के मुताबिक, फोलियो यानी निवेशकों के खातों की संख्या इसी दौरान 3.5 लाख बढ़कर 58 लाख हो गई है।

आक्रामक हाइब्रिड फंड, इक्विटी व डेट को मिलाकर निवेश करने वाला साधन है। ये फंड 65-80 प्रतिशत इक्विटी में निवेश करते हैं। इससे बेहतर रिटर्न की संभावना होती है लेकिन साथ ही उच्च जोखिम भी होता है। इससे 3 से 5 वर्ष के दृष्टिकोण वाले निवेशकों के लिए ये फंड आदर्श बन जाते हैं। इन फंडों ने पिछले साल 9 प्रतिशत, दो साल में 20 प्रतिशत, तीन साल में 15 प्रतिशत और पांच साल में 21 प्रतिशत का शानदार रिटर्न दिया है। 31 आक्रामक हाइब्रिड म्यूचुअल फंड ने पिछले एक साल में 9 प्रतिशत के करीब रिटर्न दिया है। इसमें महिंद्रा मैनुलाइफ एग्रेसिव हाइब्रिड फंड, इनवेस्को इंडिया और एसबीआई इक्विटी फंड शामिल हैं।

संतुलित निवेश रणनीति अपनाते हैं फंड हाउस

इन तीन फंडों ने 30 अप्रैल तक के एक साल में 12 से 18 प्रतिशत और दो वर्षों में 19 से 24 प्रतिशत के बीच रिटर्न दिया है। पांच साल में रिटर्न 18.5 से 24 प्रतिशत के बीच रहा। इसमें महिंद्रा मैनुलाइफ फंड ने सबसे अधिक 23.62 प्रतिशत का रिटर्न दिया। महिंद्रा मैनुलाइफ फंड का प्रदर्शन एक अच्छी तरह से संरचित, संतुलित आवंटन रणनीति का नतीजा है। यह फंड लार्जकैप इक्विटी में अधिक निवेश करता है। खासकर बैंकिंग, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और कंस्ट्रक्शन मैटीरियल जैसे क्षेत्रों में, जो स्थिरता और विकास की संभावना प्रदान करते हैं।

महिंद्रा मैनुलाइफ फंड आईटी, तेल और गैस और मेटल जैसे अधिक अस्थिर और वैश्विक रूप से सामने आने वाले क्षेत्रों के प्रति सतर्क दृष्टिकोण रखता है। अपनी इक्विटी रणनीति के अलावा फंड का डेट आवंटन सुरक्षा देता है। यह संभावित बॉन्ड बाजार रैली से और अधिक लाभान्वित हो सकता है, खासकर जब नीतिगत दरों में कटौती की घोषणा की जाती है। हाइब्रिड श्रेणी का कुल परिसंपत्ति आधार सालाना आधार पर 21 प्रतिशत बढ़कर 9.15 लाख करोड़ रुपये हो गया है।

निवेश-बचत: जंग के माहौल में सोने में निवेश करना फायदेमंद

संकट में आपका डिफेंस सिस्टम है गोल्ड ईटीएफ

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के साथ दुनियाभर में कई देशों के बीच इस समय तनाव है। युद्ध और तनाव की हर खबर शेयर बाजार को झकझोर रही है। रुपये में गिरावट और बॉण्ड की ब्याज दर घटने से भी निवेश के विकल्प सीमित हो रहे हैं। इस माहौल में सोना एक बार फिर सुरक्षित निवेश साबित हो सकता है। जिस प्रकार सीमा पार से हो रहे हर प्रहार को भारतीय सेना के एयर डिफेंस सिस्टम नाकाम कर रहे हैं, संकट के इस दौर में आपके निवेश पोर्टफोलियो को कुछ ऐसा ही डिफेंस गोल्ड ईटीएफ प्रदान कर सकते हैं।

आपके पोर्टफोलियो में क्यों जरूरी है सोना– चाहे कोरोना जैसी वैश्विक आपदा हो, या रूस-यूक्रेन युद्ध व हाल में डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ से जुड़े फैसलों के चलते वैश्विक अर्थव्यवस्था में मची हलचल, बीते अनुभव हमें यही बताते हैं कि संकट के हर दौर में सोने पर निवेशकों का विश्वास और भी गहरा होता गया है। युद्ध के आसन्न संकट के बीच बीते हफ्ते के अंतिम दो कारोबारी दिन में ही बीएसई सेंसेक्स 1,292 अंक टूट चुका है, वहीं सोने ने एक हफ्ते में 3,170 रुपये का उछाल मारा है। ऐतिहासिक आंकड़े बताते हैं कि जब युद्ध या तनाव जैसी घटनाएं होती हैं, तो अक्सर डॉलर के मुकाबले रुपया गिरता है। लेकिन सोने की कीमतें आमतौर पर डॉलर में तय होती हैं, इस वजह से रुपया कमजोर होते ही सोने का भाव बढ़ जाता है, जिससे आपके पोर्टफोलियो के नुकसान की भरपाई होती है।

- **ईटीएफ से अलग है गोल्ड फंड–** गोल्ड ईटीएफ और गोल्ड फंड दोनों ही सोने में निवेश करने के तरीके हैं, लेकिन उनमें कुछ अंतर हैं। गोल्ड ईटीएफ सीधे सोने में निवेश करते हैं, जबकि गोल्ड फंड गोल्ड ईटीएफ या सोने से जुड़े अन्य साधनों में निवेश करते हैं। जहां तक गोल्ड ईटीएफ की बात है तो इसमें निवेशक स्टॉक एक्सचेंज पर इनकी खरीद–बिक्री कर सकते हैं, ऐसे में निवेश करने के लिए डीमैट अकाउंट जरूरी होता है, वहीं गोल्ड फंड की बात करें तो यह एक म्यूचुअल फंड है जो सोने में निवेश करता है। गोल्ड फंड सोने में सीधे निवेश कर सकता है या सोने से संबंधित अन्य साधनों में भी निवेश कर सकता है। यहां आपको डीमैट अकाउंट की जरूरत नहीं होती है। गोल्ड फंड में निवेश करने से आपको सोने की कीमतों में उतार–चढ़ाव का कुछ जोखिम होता है, लेकिन गोल्ड ईटीएफ की तुलना में कम। इसके साथ ही गोल्ड ईटीएफ में निवेश की लागत भी कम होती है।
- **सोने में निवेश कितना फायदेमंद–** कुछ अपवादों को छोड़ दें तो सोने ने हमेशा रिटर्न दिया है। हाल में 3,500 डॉलर प्रति औंस का शिखर छुआ है। पोर्टफोलियो में 15 फीसदी तक सोना रखना सही रणनीति होती है।

पाकिस्तान की मदद करने वाले चीन पर आया गहरा संकट

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर हो चुका है। इस युद्ध में चीन ने पाकिस्तान का भरपूर साथ दिया। पाकिस्तान ने भी इसके लिए चीन का धन्यवाद दिया है। चीन जहां पाकिस्तान की मदद कर रहा है तो वहीं वह अपने घर में भी संघर्ष से जूझ रहा है। इसका सबसे बड़ा कारण अमेरिका का टैरिफ है। इस टैरिफ के कारण चीन की फैक्ट्रियां अपना सामान नहीं बेच पा रही हैं। उन्हें चीन में ही इसे सस्ते दामों पर बेचना पड़ रहा है। वहीं टैरिफ के

कारण चीन में महंगाई की दर अप्रैल में लगातार तीसरे महीने गिरी है। दरअसल, अमेरिका ने चीन से आने वाले सामान पर भारी टैक्स लगाया है। इससे चीन में सामान की मांग कम हो गई है, और कीमतें गिर रही हैं। नेशनल ब्यूरो ऑफ स्टैटिस्टिक्स के मुताबिक चीन के कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स में पिछले साल के मुकाबले 0.1 प्रतिशत की गिरावट आई है। यह गिरावट पिछले महीने के बराबर ही है। ब्लूमबर्ग के अर्थशास्त्रियों ने भी यही अनुमान लगाया था।

फैक्ट्रियों की स्थिति अच्छी नहीं– चीन की फैक्ट्रियों में भी महंगाई की दर लगातार 31वें महीने गिरी है। प्रोड्यूसर प्राइस इंडेक्स में 2.7 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है, जबकि मार्च में यह 2.5 प्रतिशत थी। प्रोड्यूसर प्राइस इंडेक्स थोक महंगाई को मापने का एक तरीका है।

जानकारों का मानना है कि महंगाई में गिरावट का ये दौर अभी जारी रह सकता है और शायद और भी बुरा हो जाए। इसकी वजह ये है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अप्रैल की शुरुआत में चीन से आने वाले ज्यादातर सामान पर 145 प्रतिशत का टैक्स लगा दिया है। इसके जवाब में चीन ने भी ऐसा ही किया है। इस ट्रेड वॉर की वजह से कुछ कंपनियां अपने सामान को देश में ही बेचने पर मजबूर हो सकती हैं। इससे पहले से ही कड़ी प्रतिस्पर्धा और बढ़ जाएगी। इससे कंपनियां कीमतें और भी कम करने पर मजबूर हो जाएंगी। अमेरिकी टैक्स की वजह से चीन में नौकरियां और लोगों की कमाई कम हो रही है। इससे भी लोग कम खर्च कर रहे हैं, और कंपनियां कीमतें घटाने पर मजबूर हैं।

मार्केट में उछाल के बावजूद कई शेयरों में गिरावट, ट्रंप के इस ऐलान के बाद लुढ़के

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय फार्मास्युटिकल कंपनियों के शेयर सोमवार को 5 प्रतिशत तक लुढ़क गए, जबकि बाकी बाजार में तेजी थी। यह गिरावट अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान के बाद आई, जिसमें उन्होंने दवाओं की कीमतें अन्य अमीर देशों जितना कम करने के लिए एक एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर दस्तखत करने की बात कही। ट्रंप के मुताबिक, अमेरिका में दवाओं की कीमतें दूसरे देशों से 30 प्रतिशत से 80 प्रतिशत ज्यादा हैं।

फार्मा सेक्टर के इंडेक्स निफ्टी फार्मा में शामिल 20 कंपनियों में से 8 के शेयर लाल निशान में रहे, जबकि निफ्टी 50 में 2.4 प्रतिशत की तेजी थी। सन फार्मा, जो भारत की सबसे बड़ी दवा कंपनी है, 5.4 प्रतिशत गिरकर निफ्टी 50 और फार्मा इंडेक्स में सबसे बड़ी लूजर कंपनी रही। ग्लेनमार्क फार्मा 0.4 प्रतिशत और सिप्ला 1.5 प्रतिशत टूटे। रॉयटर्स के मुताबिक ट्रंप ने कहा कि वे मोस्ट फेवर्ड नेशन प्राइसिंग (सबसे पसंदीदा देश की कीमत) लागू करने वाले इस आदेश पर सोमवार सुबह हस्ताक्षर करेंगे। अमेरिका में दवाओं की कीमतें दुनिया में सबसे ज्यादा हैं।

प्लास्टिक पर बैन के 3 साल... अभी ही खुलेआम हो रहा इस्तेमाल

देश की राजधानी में ही बुरा हाल

नईदिल्ली, एजेंसी। सिंगल यूज प्लास्टिक पर बैन लगे लगभग तीन साल हो गए हैं। लेकिन अब भी इस इस्तेमाल राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत देश के ज्यादातर शहरों में खुलेआम हो रहा है। रेहड़ी-पटरियों, मंडियों के अलावा दुकानों, शोरूमों और रेस्टोरेंट्स में भी इन्हें देखा जा सकता है। जुलाई 2022 में लगे बैन के बाद कुछ महीनों तक इसका हल्का असर दिखा था, लेकिन अब एक बार फिर पहले वाली स्थिति नजर आ रही है। प्लास्टिक स्टिक वाले ईयर बड, बलून की प्लास्टिक स्टिक, कैंडी की प्लास्टिक स्टिक, कटलरी जैसे चम्मच, ग्लास, स्ट्रॉ आदि समेत 19 आइटम बैन हुए थे। पूनम गौड़ की स्पेशल रिपोर्ट-

दिल्ली के करोल बाग, सरोजनी नगर, लाजपत नगर, राजौरी गार्डन, कनॉट प्लेस, चांदनी चौक से लेकर लोकल मार्केट तक में इन प्रतिबंधित सामानों को इस्तेमाल होते देखा जा सकता है। एक्सपर्ट के अनुसार, न तो एसयूपी के प्रतिबंधित आइटम पर बैन लागू हो रहा है, न ही इनके प्रोडक्शन पर प्रभावी रोक लगी है। छोटे व्यापारियों के लिए बैन हुए आइटम के सस्ते विकल्प भी अब तक उपलब्ध नहीं हैं। पॉलिथीन को छोड़ भी दें तो इन मार्केट में प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक की कटलरी तक बड़ी संख्या में नजर आ रही है।

बैन के बाद क्या हुई कार्रवाई

राजधानी में अर्बन लोकल बॉडी और डीपीसीसी (दिल्ली प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड) इस बैन को एनफोर्स कर रहा है। एक अधिकारी के अनुसार, मार्च 2023 से मई 2024 तक प्रतिबंधित एसयूपी के सामानों के इस्तेमाल के लिए 449 चालान किए गए। यह चालान लोकल अर्बन बॉडी ने किए। इसके तहत 14.16 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। डीपीसीसी की टीमों ने इस दौरान रूल तोड़ने वालों पर 1.49 करोड़ का जुर्माना लगाया गया। इसमें 48 एसयूपी मैनुफैक्चरर्स भी शामिल हैं। इस दौरान टीमों ने करीब 4540 यूनिट्स का निरीक्षण किया।

इंडस्ट्रियल एरिया में जांच के आदेश– एसयूपी को लेकर एनजीटी ने सभी अथॉरिटीज को नरेला इंडस्ट्रियल एरिया और इंडस्ट्रीज के निरीक्षण के आदेश दिए हैं। उन इंडस्ट्रीज को सील करने को कहा गया है, जो प्रतिबंधित एसयूपी के आइटम बना रही हैं। साथ ही इसकी स्टेटस रिपोर्ट भी चार हफ्ते में सब्मिट करने को कहा है। टॉक्सिक लिंक की एक रिपोर्ट के अनुसार, प्रतिबंधित एसयूपी के आइटम का इस्तेमाल राजधानी के 88 प्रतिशत स्टोर्स और मार्केट में हो रहा है। यह स्टडी पांच शहरों दिल्ली के अलावा बेंगलुरु, मुंबई, ग्वालियर और गुवाहाटी में की गई थी।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट

इंडिपेंडेंट रिसर्चर प्रीति महेश के अनुसार, प्रतिबंधित एसयूपी के जब तक सस्ते विकल्प नहीं आएंगे, इनकी डिमांड बनी रहेगी। सड़क किनारे सामान बेचने वाले वेंडर प्रतिबंधित आइटमों का पूरा इस्तेमाल कर रहे हैं। सीएसई (सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट) के प्रोग्राम मैनेजर सिद्धार्थ घनश्याम सिंह ने बताया कि प्लास्टिक को लेकर जिस तरह के पैकेजिंग नियम हैं, उससे पूरे प्लास्टिक को खत्म कर पाना काफी मुश्किल है। प्लास्टिक को रिसाइकल करने के लिए यह सबसे बड़ी अड़चन है।

नॉर्वे से लेना चाहिए सबक

एक्सपर्ट के अनुसार, इन मामले में नॉर्वे ने मिसाल कायम की है। नॉर्वे में सरकार की तरफ से प्लास्टिक और पैकेजिंग पर कोई रोक नहीं है। अगर वहां इस तरह के प्रोडक्ट रिसाइकल नहीं होते तो कंपनियों को बहुत भारी भरकम टैक्स देना होता है। इससे बचने के लिए खुद ही कंपनियों ने प्लास्टिक पैकेजिंग स्टैंडर्ड तय कर लिए हैं। कंपनियों का ग्रुप है और जो उस ग्रुप का हिस्सा नहीं है, वह बड़ा टैक्स दे रहा है। इसलिए 99 प्रतिशत कंपनियां इस स्टैंडर्ड को अपना रही हैं और एक ही तरह का प्लास्टिक और कलर में पैकेजिंग तैयार हो रही है।

13000 से अधिक केमिकल्स

ग्रीनपीस की 2024 की एक रिपोर्ट में रिसाइकल प्लास्टिक के नुकसानदायक होने का दावा किया गया था। प्लास्टिक में 13000 से अधिक केमिकल होते हैं। इनमें से 3200 इंसानी स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं। अक्सर रिसाइकल प्लास्टिक में बहुत ज्यादा मात्रा में केमिकल होते हैं। प्लास्टिक कंटेनरों में भरे कीटनाशक, सफाई करने वाले सॉल्वेंट्स आदि पदार्थ रिसाइकल चेन में आने से प्लास्टिक को और नुकसानदेह बना सकते हैं। रिसाइकल में प्लास्टिक को गर्म करने की प्रक्रिया के दौरान हानिकारक केमिकल्स बढ़ते हैं। रिसाइकल करने वाले लोगों के लिए भी यह खतरा है।

प्लास्टिक से बाढ़ का खतरा: स्टडी

भारत समेत दुनिया भर के 218 करोड़ लोगों पर प्लास्टिक की वजह से बाढ़ का खतरा बढ़ रहा है। यह वो प्लास्टिक है तो ऐसे ही फेंके जाने के कारण नालियों में जमा हो रहा है। टेअरफंड और पर्यावरण परामर्श संगठन रिसोर्स फ्यूचर की 2024 में आई रिपोर्ट के अनुसार इसकी वजह से लोगों को बार बार बाढ़ सहनी होगी। मुंबई की 2005 की बाढ़ की वजह भी रिपोर्ट में इसी प्लास्टिक को माना गया है। रिपोर्ट के अनुसार दक्षिण, पूर्वी एशिया और प्रशांत क्षेत्र के साथ उप सहारा अफ्रीका में इस तरह की बाढ़ का सबसे अधिक खतरा है। यहां बुनियादी ढांचे का अभाव है। नालियों की साफ सफाई की व्यवस्था भी नहीं है। इससे सबसे ज्यादा प्रभावित एशिया और अफ्रीका में रहने वाले लोग होंगे। टॉक्सिक लिंक की 2024 एक रिपोर्ट के अनुसार प्रतिबंधित एसयूपी के आइटम का इस्तेमाल राजधानी के 88 प्रतिशत स्टोर्स और मार्केट में हो रहा है। यह स्टडी पांच शहरों दिल्ली के अलावा बेंगलुरु, मुंबई, ग्वालियर और गुवाहाटी में की गई थी। इस बैन में बताया गया था कि इसका सबसे अधिक असर प्लास्टिक स्टिरर (चाय कॉफी में चीनी मिलाने के लिए इस्तेमाल आने वाली प्लास्टिक की डंडी) और आइसक्रीम स्टिक पर दिखाई दे रहा है।

1 दिन में 69 प्रतिशत भरा आईपीओ, ग्रे मार्केट में कंपनी की स्थिति बेहतर

नईदिल्ली, एजेंसी। इस समय वर्चुअल इंफोटेक आईपीओ ओपन है। कंपनी के आईपीओ का साइज 93.29 करोड़ रुपये का है। आईपीओ के जरिए कंपनी 65.70 लाख फ्रेश शेयर जारी करेगी। कंपनी का आईपीओ 9 मई को खुला था। और यह 14 मई तक खुला रहेगा। बता दें, ग्रे मार्केट में भी इस आईपीओ का प्रदर्शन शानदार है।

क्या है प्राइस बैंड और लॉट साइज– वर्चुअल गैलेक्सी इंफोटेक आईपीओ का प्राइस बैंड 135 रुपये से 142 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी ने 1000 शेयरों का एक लॉट बनाया है। जिसकी वजह से निवेशकों को कम से कम 1,35,000 रुपये का दांव लगाना होगा।

1 दिन में 69 प्रतिशत भरा आईपीओ– पहले दिन आईपीओ 69 प्रतिशत भर गया था। कंपनी के आईपीओ को रिटेल कैटगरी में 27 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन प्राप्त हुआ था। क्वालीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के सेक्शन में आईपीओ 1.67 गुना सब्सक्राइब किया गया था। वहीं, एनआईआई कैटगरी में यह आईपीओ 39 प्रतिशत सब्सक्राइब हुआ। कंपनी का आईपीओ एंकर निवेशकों से 26.13 करोड़ रुपये जुटाने में सफल रहा है। एंकर निवेशकों के लिए यह आईपीओ 8 मई को खुला था।

ग्रे मार्केट में स्थिति बेहतर –इंवेस्टर्सगेन की रिपोर्ट के अनुसार ग्रे मार्केट में कंपनी की स्थिति काफी मजबूत है। ग्रे मार्केट में यह आईपीओ 17 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा है। जोकि आईपीओ ओपन होने के बाद का सबसे अधिक जीएमपी है। इस आईपीओ का सबसे कम जीएमपी 6 रुपये रहा है। ग्रे मार्केट में इस स्थिति पर आईपीओ 8 मई को ट्रेड कर रहा था।

आम आदमी को भारत-पाक युद्ध में चुकानी पड़ी भारी कीमत

नईदिल्ली, एजेंसी। सन् 1971 में भारत ने कई मोर्चों पर एक साथ पाकिस्तान को धूल चटाई थी। बांग्लादेश आजाद हुआ था और पाकिस्तान के दो टुकड़े हो गए थे। आजादी के बाद भारत के सैन्य इतिहास की यह सबसे बड़ी उपलब्धि है। मगर शौर्य की यह यशगाथा जिनको याद है, उन्हें यह भी याद होगा कि उसी दौरान भारत सरकार ने एक शरणार्थी शुल्क लगाने का एलान किया था, जिसे 'बांग्लादेश सरचार्ज' या 'बांग्लादेश टैक्स' के नाम से जाना जाता है। इसे बांग्लादेशी शरणार्थियों के देश में आने के कारण लगाया गया था और करीब-करीब हर चीज पर लगा था। अनुमान था कि कुछ समय बाद यह खत्म हो जाएगा, मगर ऐसा हुआ नहीं। उसके करीब चार दशक बाद 2014 में मुंबई हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका आई, जिसमें पूछा गया कि बांग्लादेश की लड़ाई के इतने साल बाद भी महाराष्ट्र की सरकारी बसों में हर टिकट पर 15 पैसे का बांग्लादेश चार्ज क्यों वसूला जा रहा है पता चला कि राज्य की परिवहन एजेंसियां तब तक इस मद में 440 करोड़ रुपये जमा कर चुकी थीं। इस रकम का क्या करना है, उनको पता नहीं था और वे इसका इस्तेमाल अपने कर्मचारियों का वेतन बांटने या दूसरे खर्चों पर कर रही थीं। याचिका का क्या हुआ, इसकी खबर नहीं मिल पाई है। मगर इससे समझा जा सकता है कि अगर देश के सारे हिस्सों में इस तरह जमा हुई रकम का ही हिसाब जोड़ा जाए, तो उस युद्ध में भारत की जनता के कई हजार-करोड़ रुपये की यह सीधी आहुति थी।

जेल की रोटी का खर्च भी युद्ध के खाते में– उसी लड़ाई में दुनिया के इतिहास का सबसे बड़ा आत्मसमर्पण भी हुआ था। ढाका में पाकिस्तानी जनरल ए ए के नियाजी के साथ करीब 93,000 सैनिकों ने लेफ्टिनेंट जनरल जगजीत सिंह अरोड़ा के सामने हथियार डाले थे। ये फौजी तब तक भारत की कैद में रहे और जेल की रोटी खाते रहे, जब तक 1972 में शिमला समझौते के बाद उन्हें वापस नहीं भेजा गया। इनका खर्च भी युद्ध के खाते में ही जुड़ता है। गोला-बारूद, विमान, युद्धपोत, मिसाइल, अब ड्रोन और ऐसी ही तमाम युद्ध सामग्रियों के अलावा सैनिकों व सेना के इंतजाम पर होने वाला खर्च हर लड़ाई में बढ़ता ही जा रहा है। इसका हिसाब देश के बजट में देखा जा सकता है। युद्ध में तबाह होने वाली इमारतों व संपत्ति का भी हिसाब जोड़ा जा सकता है और युद्ध के दौरान होने वाला खर्च भी। दोनों पक्षों में जिन लोगों की जान जाती है, उनका और उनके परिवारों का जो नुकसान होता है, उसका हिसाब किसी बजट में नहीं दिखेगा, सिर्फ महसूस किया जा सकता है। मगर युद्ध का असर आर्थिक मोर्चे पर लंबे समय तक महसूस किया जाता है, न सिर्फ उन देशों में, जिनके बीच युद्ध होता है, बल्कि बहुत दूर-दूर तक भी। जैसे अभी यूक्रेन-रूस की लड़ाई और इजरायल-हमास संघर्ष का असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर साफ दिख रहा है।

पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर असर

वरिष्ठ पत्रकार आलोक जोशी हिन्दुस्तान के संपादकीय पेज पर अपने लेख में लिखते है कि भारत और पाकिस्तान के बीच जो दो बड़े युद्ध हुए हैं, उन दोनों का भी असर हुआ। 1965 की लड़ाई के पहले 1964 में भारत में महंगाई दर 13.36 प्रतिशत और पाकिस्तान में 4.18 प्रतिशत थी। युद्ध वाले साल में यह आंकड़ा भारत में गिरकर 9.47 प्रतिशत हुआ, जबकि पाकिस्तान में बढ़कर 5.57 प्रतिशत पहुंचा। युद्ध के बाद महंगाई बढ़ने लगी। 1966 में भारत में 10.88 प्रतिशत और पाकिस्तान में 7.23 प्रतिशत महंगाई दर हुई। 1967 में यह आंकड़ा भारत में 13.06 प्रतिशत और पाकिस्तान में 6.81 प्रतिशत पर पहुंचा। इसके बाद के साल में महंगाई तेजी से गिरी, जिसकी वजह शायद भारत में हरित क्रांति व आर्थिक नीतियों का असर था, जबकि पाकिस्तान में विदेशों से आने वाली मोटी रकम। दूसरी तरफ, भारत की जीडीपी ग्रोथ 1964 में 7.45 प्रतिशत से गिरकर 1965 में शून्य से भी 2.64 प्रतिशत नीचे चली गई और 1966 में यह कुछ कम ही हुई। यह उबरती है 1967 में। उधर जो पाकिस्तान 1965 में 10 प्रतिशत से ऊपर की रफ्तार से बढ़ रहा था, वह 1966 और 1967 में गिरकर क्रमश: 5.79 प्रतिशत और 5.4 प्रतिशत पर रह जाता है, यानी लगभग आधा।

विराट कोहली का टेस्ट करियर

मैच 123

9230 रन

46.85 औसत

30/31 100/50

254* बेस्ट

टेस्ट क्रिकेट से सन्यास पर बीसीसीआई ने लिखा-

थैंक्यू विराट, एक युग का अंत, विरासत जारी रहेगी

बेस्ट फ्रेंड डिविलियर्स बोले- सच्चा लीजेंड

नईदिल्ली (एजेंसी)। विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। कोहली ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर लिखा- टेस्ट क्रिकेट ने मेरी परीक्षा ली, मुझे आकार दिया, वो पाठ सिखाए जो जिंदगीभर मुझे याद रहेंगे। कोहली ने 10 मई को बीसीसीआई से कहा था कि मैं टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेना चाहता हूं। बोर्ड ने कोहली को अपने फैसले पर फिर विचार करने को कहा था। 11 मई को बोर्ड के एक अधिकारी ने उनसे बात भी की थी। दिसंबर/जनवरी में ऑस्ट्रेलिया में हुई बॉर्डर- गावस्कर सीरीज में विराट का प्रदर्शन बेहतर नहीं था। उन्होंने इस सीरीज में 23.75 की औसत से रन बनाए थे। वहीं 8 में से 7 बार ऑफ स्टंप के बाहर की गेंद पर आउट हुए। बीजीटी में कोहली ने 9 पारियों में 190 रन बनाए। इनमें एक शतक शामिल था। विराट कोहली ने 123 टेस्ट मैच खेले हैं। उन्होंने 30 शतक और 31 अर्धशतक बनाए। विराट ने 7 दोहरे शतक लगाए। 2017 और 2018 में वे टेस्ट प्लेयर ऑफ द ईयर चुने गए।

टेस्ट क्रिकेट में एक युग समाप्त -बीसीसीआई

बीसीसीआई ने विराट कोहली को थैंक यू कहा। बोर्ड ने लिखा – टेस्ट क्रिकेट में एक युग समाप्त हो गया है, लेकिन विरासत जारी रहेगी। उन्होंने टीम इंडिया के लिए जो योगदान किया, उसे हमेशा याद किया जाएगा।

घर में बनाए सबसे ज्यादा टेस्ट शतक

कोहली ने टेस्ट में 30 शतक बनाए हैं। इसमें से सबसे ज्यादा 14 शतक भारत में बनाए हैं। न्यूजीलैंड में उन्होंने केवल एक शतक जड़ा है।

कोहली ने लिखा– टेस्ट ने मेरी परीक्षा ली, जिंदगी के सबक सिखाए

विराट ने लिखा, टेस्ट क्रिकेट में पहली बार मैंने बैगी ब्लू जर्सी 14 साल पहले पहनी थी। ईमानदारी से कहूं तो मैंने कभी नहीं सोचा था कि यह फॉरमेट मुझे इस तरह के सफर पर ले जाएगा। इसने मेरी परीक्षा ली, मुझे पहचान दी और मुझे ऐसे सबक सिखाए, जिन्हें मैं जीवन भर साथ रखूंगा। सफेद जर्सी में खेलना मेरे लिए बहुत ही खास और निजी अनुभव है। परिश्रम, लंबे दिन, छोटे–छोटे पल जिन्हें कोई नहीं देखता, लेकिन यह हमेशा आपके साथ रहते हैं। जब मैं इस फॉरमेट से दूर जा रहा हूं, तो यह आसान नहीं है, लेकिन यह फिलहाल सही लगता है। मैंने इसमें अपना सबकुछ दिया है और इसने मुझे मेरी उम्मीद से कहीं ज्यादा दिया है। मैं खेल के लिए, मैदान पर खेलने वाले लोगों के लिए और हर उस व्यक्ति के लिए आभारी हूं, जिसने मुझे इस सफर में आगे बढ़ाया। मैं हमेशा अपने टेस्ट करियर को मुस्कुराते हुए देखूंगा। उन्होंने आगे अपनी जर्सी का नंबर '269' लिखा और लिखा 'साइनिंग ऑफ'।

विराट टेस्ट में धोनी–रोहित से आगे, सभी घरेलू सीरीज जीतीं

विराट कोहली ने कभी कप्तान के तौर पर ढ्ढष्टष्ट टूर्नामेंट नहीं जीता। टेस्ट क्रिकेट में बतौर लीडर वे धोनी और रोहित दोनों से आगे हैं। कोहली ने घर में सभी 11 सीरीज जीतीं धोनी और रोहित दोनों की कप्तानी में भारत को घर में टेस्ट सीरीज में हार झेलनी पड़ी। रोहित की कप्तानी में तो न्यूजीलैंड से क्लीन स्वीप भी शामिल है। कोहली ने 2015 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहली बार घरेलू मैदान पर कप्तानी की थी। भारत ने 4 टेस्ट की सीरीज 3–0 से जीती। इसके बद कोहली की कप्तानी में टीम ने घर सभी टेस्ट सीरीज जीतीं।

कोहली की स्किल्स ने हमेशा प्रेरणा दी

साउथ अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स ने विराट कोहली को संन्यास लेने पर सच्चा लीजेंड बताया। एबीडी ने कहा कि कोहली की स्किल्स ने हमेशा प्रेरणा दी है। उन्होंने प्यार से कोहली को बिसकोटी कहा। इस इटैलियन शब्द का मतलब बिस्कुट होता है।

मुझे वो आंसू याद रहेंगे जो तुमने कभी नहीं दिखाए-अनुष्का

विराट के संन्यास पर गंभीर बोले- शेर जैसे जुनून वाले कोहली को मिस करेंगे

नईदिल्ली (एजेंसी)। विराट कोहली ने सोमवार को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी। 14 साल तक टेस्ट में भारत के लिए खेलने वाले विराट ने 123 मैचों में 9230 रन बनाए। इनमें 30 शतक शामिल हैं। पूरा क्रिकेट जगत विराट के रिटायरमेंट पर प्रतिक्रिया दी। अनुष्का शर्मा ने इंस्टाग्राम पर विराट के साथ फोटो शेयर करते हुए पोस्ट में लिखा, वे रिकॉर्ड और माइलस्टोन के बारे में बात करेंगे। लेकिन मुझे वो आंसू याद रहेंगे जो तुमने कभी नहीं दिखाए, वो संघर्ष जिन्हें किसी ने नहीं देखा और वह अटूट प्यार जो आपने टेस्ट क्रिकेट को दिया। हर टेस्ट सीरीज के बाद आप थोड़े समझदार, थोड़े विनम्र होकर लौटे। आपको इन सबके माध्यम से विकसित होते देखना एक विशेषाधिकार रहा है। अनुष्का ने आगे इस पोस्ट में लिखा, मैंने हमेशा कल्पना की थी कि आप टेस्ट क्रिकेट में किसी अलग तरह से संन्यास ले लेंगे, लेकिन आपने हमेशा अपने दिल की बात सुनी है। इसलिए मैं बस इतना कहना चाहती हूं आपने इस अलविदा का हर पल कमाया है।

रवि शास्त्री बोले- विश्वास नहीं हो रहा

टीम इंडिया के पूर्व हेड कोच रवि शास्त्री ने कहा, विश्वास नहीं हो रहा। आप मॉडर्न डे लीजेंड हैं, टेस्ट क्रिकेट में आपकी कप्तानी ने फॉर्मेट की दिशा बदल दी। सुखद यादों के लिए धन्यवाद, मैं इन्हें हमेशा याद रखूंगा। शास्त्री ने आगे कहा कि कोहली ने टेस्ट क्रिकेट को जुनून और आक्रामकता के साथ जिया और इस फॉर्मेट में भारत की पहचान को नई ऊंचाई दी।

टीम इंडिया के कोच गंभीर बोले- मिस करेंगे

टीम इंडिया के पूर्व कोच गौतम गंभीर ने विराट के संन्यास पर सोशल मीडिया में अपने पोस्ट पर लिखा शेर जैसे जुनून वाले कोहली को मिस करेंगे।

हरभजन कहा- आगे बढ़ने के लिए शुभकामनाएं

पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा– विराट हम साथ खेले हैं। मिलकर चुनौतियों का सामना किया है। सफेद कपड़ों में आपकी बल्लेबाजी खास है – सिर्फ आंकड़ों में ही नहीं, बल्कि इरादे, तीव्रता और प्रेरणा में भी। आगे बढ़ने के लिए शुभकामनाएं।

किंगसटन से सिडनी तक... 14 सालों में विराट ने तहलका मचा दिया, दिग्गजों के रिकॉर्ड हुए चकनाचूर

भारत के चैंपियन बल्लेबाज विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। इसके साथ ही टी20 के दौर में भी पारंपरिक क्रिकेट के संकटमोचक क्रिकेटरों में शुमार इस महान खिलाड़ी के इस प्रारूप में सुनहरे दौर पर विराम लग गया। 36 साल के कोहली ने टी20 विश्व कप जीतने के बाद पिछले साल उस फॉर्मेट को भी छोड़ दिया था। अब तक भारतीय टीम के लिए सिर्फ वनडे क्रिकेट में ही मैदान पर नजर आएंगे।

- **विराट कोहली का टेस्ट करियर** – विराट कोहली ने भारत के लिए 2008 में इंटरनेशनल डेब्यू किया था। लेकिन पहला टेस्ट खेलने के लिए उन्हें तीन साल का इंतजार करना पड़ा। 2011 वर्ल्ड कप जीतने के बाद भारतीय टीम वेस्टइंडीज दौरे पर गई थी। जमैका स्थित किंग्सटन के सबीना पार्क के मैदान पर उनका डेब्यू हुआ। पहली पारी में उन्होंने चार और दूसरी में 15 रन बनाए। विराट का पहला अर्धशतक उसी साल वेस्टइंडीज के खिलाफ ही वानखेड़े के मैदान पर आया। 2012 की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पहले दो टेस्ट में फेल होने के बाद विराट ने तीसरे में 75 रनों की पारी खेली। एडिलेड में हुए आखिरी टेस्ट में भारत को हार मिली लेकिन 116 रनों की पारी खेलकर विराट छा गए। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। भारत के लिए 123 टेस्ट मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने 46.85 के औसत से 30 शतकों की मदद से 9230 रन बनाए हैं।
- **भारत के लिए सबसे ज्यादा दोहरा शतक** – दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने सात दोहरे शतकों के साथ इस प्रारूप के दिग्गज के रूप में अपनी पहचान बनाई जो किसी भारतीय खिलाड़ी के लिए सबसे अधिक है। वह महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर (4), सचिन तेंदुलकर (6), वीरेंद्र सहवाग (6) और राहुल द्रविड़ (5) से काफी आगे है। इसके साथ ही विराट भारत के लिए सबसे ज्यादा टेस्ट जीतने वाले कप्तान भी हैं। उनकी कप्तानी में टीम इंडिया ने 40 टेस्ट जीते। दूसरे नंबर पर काबिज महेंद्र सिंह धोनी के नाम 27 जीत है। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के नए चक्र की शुरुआत जून में हो रही है। एक चक्र दो साल का होता है। इसके बाद फाइनल मुकाबला होता है। विराट का दो सालों तक टेस्ट खेलना मुश्किल था। ऐसे में युवा खिलाड़ी खेलेंगे तो फाइनल आने तक उन्हें अच्छा अनुभव हो जाएगा। विराट कोहली का टेस्ट में लंबे समय से फॉर्म खराब चल रहा था। 2019 के अंत में उनका टेस्ट औसत करीब 55 का था। अब यह गिरकर 47 के नीचे आ गया है। 2020 से अब तक विराट ने टेस्ट में सिर्फ तीन ही शतक लगाया है। इस दौरान उनका औसत 35 से भी नीचे का रहा। विराट कोहली बल्लेबाजी में अपनी एक कमजोरी से काफी परेशान थे। लगातार ऑफ स्टंप के बाहर की गेंद पर वह आउट हो रहे थे। पिछले ऑस्ट्रेलिया दौरे पर विराट लगातार विकेट के पीछे लपके जा रहे थे। हर बार गेंद ने उनके बल्ले का किनारा लिया था। विराट कोहली अभी 36 साल के हैं। वनडे वर्ल्ड कप दो साल बाद यानी 2027 में हैं। रोहित की तरह ही विराट का पूरा फोकस उसी पर है। पिछली बार भारत ने 2023 वर्ल्ड कप फाइनल में जगह बनाई थी। टीम को वहां हार मिली थी। टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने की वजह से विराट प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी रहे थे। विराट कोहली का टेस्ट क्रिकेट से मन भी भर गया था। उनके अंदर इस फॉर्मेट में खेलने की इच्छा नहीं बची थी। मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक ऑस्ट्रेलिया दौरे पर उन्होंने कई बार अपने साथियों को बोला कि आई एम डन।
- **रन और शतक में सिर्फ तीन ही खिलाड़ी आगे** – भारत के लिए टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में विराट कोहली चौथे नंबर पर है। महान सचिन तेंदुलकर के अलावा राहुल द्रविड़ और सुनील गावस्कर के नाम ही उनसे ज्यादा रन हैं। इन तीनों ने 10000 से ज्यादा रन मारे हैं। शतक के मामले में भी विराट चौथे नंबर पर ही है। यहां भी सचिन, द्रविड़ और गावस्कर का नाम ही उनसे आगे है। विराट ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में अपने करियर का आखिरी टेस्ट खेला।

5 दिन के अंदर कोहली-रोहित का टेस्ट से संन्यास

9 खिलाड़ी जगह लेने को तैयार; विराट को रिप्लेस करने के लिए श्रेयस नंबर-1 दावेदार

नईदिल्ली (एजेंसी)। पांच दिन के भीतर भारत के दो सुपर स्टार क्रिकेटर विराट कोहली और रोहित शर्मा ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया। अब टीम में रवींद्र जडेजा को छोड़कर कोई भी 60 से ज्यादा टेस्ट खेलने वाला सीनियर प्लेयर नहीं बचा है। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि प्लेइंग-11 में रोहित और विराट की जगह कौन लेगा?

यह ले सकते हैं कोहली की जगह?

विराट कोहली ने आज अपने इंस्टा हैंडल पर टेस्ट क्रिकेट से रिटायरमेंट का ऐलान किया। वे टीम में नंबर–4 पर बैटिंग करते हैं और स्क्वॉड के सबसे अनुभवी मेंबर हैं। उनके जाने से टीम में मिडिल ऑर्डर के अनुभवी और मजबूत बैटर का बहुत बड़ा गैप बनेगा। जिसे भरने के लिए भी 5 दावेदार मौजूद हैं।

श्रेयस अय्यर – भारत से तीनों फॉर्मेट में डेब्यू कर चुके श्रेयस टेस्ट में कोहली को रिप्लेस करने के नंबर–1 दावेदार हैं। वे वनडे टीम में अपनी जगह पक्की कर चुके हैं, लेकिन टेस्ट में खराब प्रदर्शन के कारण फिलहाल बाहर हैं। वे 14 टेस्ट में 1 शतक और 5 फिफ्टी लगा चुके हैं। श्रेयस के नाम 15 फर्स्ट क्लास शतक भी हैं।

रजत पाटीदार – इंग्लैंड के खिलाफ पिछली टेस्ट सीरीज में पाटीदार ने ही कोहली को रिप्लेस किया था। तब विराट निजी कारणों से सीरीज नहीं खेल सके थे। हालांकि, पाटीदार 3 मैचों में एक भी फिफ्टी नहीं लगा सके। घरेलू क्रिकेट में प्रदर्शन को देखते हुए वे इंग्लैंड सीरीज के लिए एक बार फिर स्क्वॉड में जगह बना सकते हैं। रजत के नाम 13 फर्स्ट क्लास सेंचुरी हैं।

सरफराज खान – भारत के लिए पिछले साल ही टेस्ट डेब्यू करने वाले सरफराज 1 शतक और 3 फिफ्टी लगा चुके हैं। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया दौरे पर उन्हें एक भी मैच में मौका नहीं मिला। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में सरफराज का औसत 65.61 का है। वे घरेलू पिचों के एक्सपर्ट माने जाते हैं, ऐसे में विदेशी कंडीशन में उनका कोहली को रिप्लेस कर पाना मुश्किल है।

ध्रुव जुरेल – 24 साल के जुरेल भारत के लिए 4 टेस्ट खेल चुके हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी अपनी टेक्निक से सिलेक्टर्स का ध्यान खींचा। युवा जुरेल विकेटकीपंग भी कर लेते हैं, ऐसे में प्लेइंग– 11 में शामिल होने का ज्यादा ऑप्शन देते हैं। इंग्लैंड दौरे के लिए मैनेजमेंट उन पर भी इन्वेस्ट कर सकता है।

करुण नायर – घरेलू क्रिकेट के पिछले सीजन में अपनी परफॉर्मेंस से सबका ध्यान खींचने वाले करुण को इंग्लैंड में भी खेलने का अनुभव है। कोहली के रिप्लेसमेंट के रूप में वे अच्छा ऑप्शन हैं। घरेलू मैदान पर भारत के लिए तिहरा शतक लगाने के साथ वे 23 फर्स्ट क्लास सेंचुरी भी लगा चुके हैं।

कौन ले सकता है रोहित की जगह?

रोहित शर्मा ने 7 मई को टेस्ट से संन्यास लिया। पिछले 6 साल से वे रेड बॉल में ओपनिंग कर रहे थे। ओपनिंग पोजिशन पर उनकी जगह केएल राहुल परमानेंट हो सकते हैं। जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर यशस्वी जायसवाल के साथ ओपनिंग की थी। शुभमन भी ओपनिंग करने लौट सकते हैं। इनके अलावा भी 4 युवा प्लेयर्स रोहित की जगह लेने के दावेदार हैं।

साई सुदर्शन – 23 साल के सुदर्शन आईपीएल में अपनी परफॉर्मेंस के बाद चर्चा में हैं। वे भारत के लिए 3 वनडे और 1 टी–20 खेल चुके हैं। उनकी टेक्नीक और स्किल को देखते हुए रवि शास्त्री जैसे एक्सपर्ट्स उन्हें टेस्ट टीम के लिए फिट बता चुके हैं। सुदर्शन फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 7 शतक लगा चुके हैं और उन्हें इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट का अनुभव भी है।

देवदत्त पडिक्कल – 24 साल के पडिक्कल को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर मौका मिला था। उन्होंने नई गेंद के सामने बेहतरीन बैटिंग की थी। 2 टेस्ट के अलावा वे 2 टी–20 भी खेल चुके हैं। वे इंडिया–ए टीम से लगातार फर्स्ट क्लास मैच खेलते रहते हैं। इस फॉर्मेट में 6 शतक लगाकर वे 2815 रन बना चुके हैं।

भारत-पाक सीजफायर के बाद गुजरात टाइटंस ने प्रैक्टिस शुरू की

16 या 17 मई से फिर हो सकता है आईपीएल, 9 मई को रोक दिया गया था

मुंबई (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर के बाद गुजरात टाइटंस ने प्रैक्टिस शुरू कर दी है। रविवार शाम को टीम के खिलाड़ियों ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में जाकर प्रैक्टिस की। हालांकि,आईपीएल को दोबारा शुरू करने के लिए अभी आधिकारिक रूप से कोई बयान नहीं है। माना जा रहा है कि आईपीएल 16 या 17 मई से फिर से शुरू हो सकता है।

9 मई को आईपीएल को रोक दिया गया था – भारत-पाक के बढ़ते तनाव के कारण आईपीएल को 9 मई को एक हफ्ते के लिए रोक दिया गया था। फाइनल सहित 16 मैच बचे हुए है। वहीं 8 मई को धर्मशाला में पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच हुए मैच को भी बीच में ही रोक दिया गया था। पंजाब ने पहले बैटिंग करते हुए 10.1 ओवर के बाद 1 विकेट के नुकसान पर 122 रन बना लिए थे। हमलों के बीच मैच रोकना पड़ा था।

गुजरात पॉइंट्स टेबल में टॉप पर –आईपीएल रोके जाने तक लीग स्टेज के 57 मैच खत्म हो चुके थे। 58वां मैच बीच में रोका गया। 57 मैच के बाद पॉइंट्स टेबल में गुजरात टाइटंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के सबसे ज्यादा 16-16 पॉइंट्स रहे। बेहतर रन रेट के कारण जीटी टॉप पर रही।

आईपीएल 2025 जीतने की दावेदार

गुजरात टाइटंस शुरुआत से ही आईपीएल 2025 को जीतने की बड़ी दावेदार रही है। अभी इस टीम के 3 खिलाड़ी ऑरेंज कैप की रेस में हैं। साई सुदर्शन (509 रन), शुभमन गिल (508) और जोस बटलर (500 रन) बना चुके हैं। दूसरी ओर पर्पल कैप भी फिलहाल गुजरात टाइटंस के खिलाड़ी के पास है। गुजरात के प्रसिद्ध कृष्णा 20 विकेट लेने के साथ पर्पल कैप होल्डर बने हुए हैं। गुजरात के अभी 3 मैच बाकी हैं और वह टेबल के टॉप-2 में जगह पक्की कर सकती है

आईपीएल 16 मई से शुरू हो सकता है

- आईपीएल 16 मई से फिर शुरू हो सकता है। मौजूदा सीजन के बचे मुकाबले चार वेन्यू पर खेले जा सकते हैं। फाइनल मुकाबला 30 मई को मुमकिन है। नया शेड्यूल जल्द जारी होगा।
- बीसीसीआई के एक अधिकारी ने मीडिया से कहा- लीग के बाकी मुकाबले अगले हफ्ते से शुरू होंगे। इन्हें चार वेन्यू पर कराया जाएगा। जल्द ही वेन्यू फाइनल किए जाएंगे। लीग बेंगलुरु और लखनऊ मैच के साथ फिर से शुरू होगी।
- वहीं, मीडिया ने एक सूत्र के हवाले से लिखा कि फाइनल मैच कोलकाता से बाहर हो सकता है। पिछले शेड्यूल में प्लेऑफ के मुकाबले हैदराबाद और कोलकाता में खेले जाने थे। फाइनल मैच भी कोलकाता में होना था।

केशव टाइम्स डिजिटल संस्करण

website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

कुशा कपिला के नाम पर फ्रॉड! फैंस को चेताया

सोशल मीडिया पर कितना फ्रॉड या स्कैम होता है, इससे तो सभी जगजाहिर हैं। हाल ही में कॉन्टेंट क्रिएटर और एक्ट्रेस कुशा कपिला भी इसका शिकार बनीं। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने फैंस को इसकी जानकारी दी और उनके नाम पर पैसे मांग रहे फेसबुक अकाउंट से सचेत रहने की चेतावनी भी दी। इसके साथ ही उन्होंने स्क्रीनशॉट भी शेयर किया है। कुशा कपिला ने एक बयान जारी कर फैंस को एक फर्जी फेसबुक प्रोफाइल के बारे में सचेत किया है, जो उनके नाम पर पैसे मांग रहा है। उन्होंने फर्जी अकाउंट का स्क्रीनशॉट शेयर किया, जिसमें उनकी प्रोफाइल फोटो और नाम का इस्तेमाल किया गया था। अकाउंट के बायो में लिखा था स्मॉल एंड स्टूपिड और इसके 122च फॉलोअर्स थे, जबकि यह केवल तीन लोगों को फॉलो करता था।

कुशा ने फैंस से की रिक्वेस्ट

कुशा ने इस मुद्दे को ऐसे समय उठाने के लिए माफी मांगी, जब भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ रहा था। उन्होंने कहा, यह फेसबुक पेज मेरा नहीं है/मैं इसे नहीं चलाती। प्लीज सभी अनुचित मैसेज/पैसे की रिक्वेस्ट को अनदेखा करें।

लुक के कारण चर्चा में थीं कुशा

इससे पहले कुशा अपने लुक्स को लेकर चर्चा में थीं। उन्हें पपाराजी ने स्पॉट किया था। उन्हें देखकर फैंस ने दावा किया था कि वो बिल्कुल भी पहचान में नहीं आ रही हैं।

इन प्रोजेक्ट्स में नजर आईं कुशा

वर्कफ्रंट की बात करें तो कुशा को पिछली बार सीरीज लाइफ हिल गई में देखा गया था। इसमें दिव्येंदु और मुक्ति मोहन जैसे कलाकार थे। उन्होंने मसाबा मसाबा सीजन 2, केस तो बनता है, माइनस वन- न्यू चैप्टर और देहाती लड़के छाया जैसी सीरीज में एक्टिंग की है। वो कई फिल्मों में नजर आ चुकी हैं, जिनमें घोस्ट स्टोरीज, प्लान ए प्लान बी, सुखी और थैंक यू फॉर कमिंग शामिल हैं।

साईं पल्लवी ने दमदार किरदारों से बनाई अलग पहचान

साईं पल्लवी को उनकी महिला केंद्रित फिल्मों और दमदार किरदारों के लिए जाना जाता है। अपने 10 साल के करियर में साईं छह फिल्मफेयर (साउथ) और 2 दक्षिण भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म अवॉर्ड अपने नाम कर चुकी हैं। इन दिनों साईं रणबीर कपूर की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायण' को लेकर चर्चा में हैं। जिसमें वो मां सीता के किरदार में नजर आएंगी। इस फिल्म से साईं बॉलीवुड में अपना डेब्यू करने जा रही हैं। आज साईं के जन्मदिन पर जानते हैं उनके सफर के बारे में।

डॉक्टर हैं साईं पल्लवी

9 मई 1992 को तमिलनाडु के नीलगिरी जिले के कोटागिरी में जन्मीं साईं पल्लवी एक बडगा (बदगा) परिवार से आती हैं। साईं पल्लवी का पूरा नाम साईं पल्लवी सेंथमराई है। लेकिन फिल्मों में वो साईं पल्लवी के नाम से ही जानी जाती हैं। साईं पल्लवी एक अभिनेत्री के साथ-साथ डॉक्टर भी हैं। उन्होंने जॉर्जिया के त्बिलिसी स्टेट मेडिकल यूनिवर्सिटी से मेडिकल की पढ़ाई पूरी की है। उन्होंने 2016 में एमबीबीएस की डिग्री हासिल की है।

कॉलेज की छुट्टियों में की पहली फिल्म की शूटिंग, मिला फिल्मफेयर अवॉर्ड

मेडिकल की पढ़ाई करने के बावजूद साईं ने एक्टिंग को अपना करियर बनाया। साईं को अपनी पहली फिल्म मेडिकल की पढ़ाई के दौरान ही मिली थी। 2015 में आई फिल्म 'प्रेमम' में साईं के काम को काफी सराहा गया और मलार टीचर की भूमिका के लिए उन्हें साउथ का बेस्ट फीमेल डेब्यू का फिल्मफेयर अवॉर्ड भी मिला। साईं ने 2016 में आई अपनी दूसरी मलयालस फिल्म समीर ताहिर द्वारा निर्देशित 'काली' के लिए पढ़ाई से एक महीने का ब्रेक लिया था। इस फिल्म में भी साईं के काम की तारीफ हुई थी।

इस वजह से विजय देवरकोंडा के साथ फिल्म को किया मना

2018 में साईं पल्लवी के विजय देरकोंडा के साथ एक फिल्म में नजर आने की चर्चाएं थीं। मेकर्स ने साईं को अप्रोच भी किया था। लेकिन साईं ने फिल्म में विजय के साथ लिपलॉक सीन की वजह से फिल्म को मना कर दिया था। बाद में यह रोल रश्मिका मंदाना को ऑफर हुआ था। यह फिल्म विजय और रश्मिका की सुपरहिट फिल्म 'गीता गोविंदम' थी।

आखिरी बार 'थंडेल' में आईं नजर

अपने दस साल के करियर में साईं पल्लवी ने मलयालम, तमिल और तेलुगु सिनेमा में कई यादगार फिल्में दी हैं। जिनमें 'काली', 'फिदा', 'पावा कढ़ाइगल', 'श्याम सिंह रॉय', 'लव स्टोरी', 'गार्गी' और 'अमरन' जैसी फिल्में शामिल हैं। साईं आखिरी बार 2025 में आई फिल्म 'थंडेल' में नजर आई थीं। इसमें उनके साथ नागा चैतन्य प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। साईं पल्लवी एक शानदार अभिनेत्री के साथ-साथ एक बेहतरीन डांसर भी हैं।

सीता के किरदार से बॉलीवुड में करेंगी डेब्यू

साउथ में अपने दमदार अभिनय की छाप छोड़ने के बाद अब साईं पल्लवी बॉलीवुड में अपने जोरदार डेब्यू के लिए तैयार हैं। वो नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित 'रामायण' में माता सीता के किरदार में नजर आएंगी। इस फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम और यश रावण के किरदार में नजर आएंगे। फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है, जिसकी कुछ तस्वीरें भी लीक हुई थीं। 'रामायण' दो भागों में रिलीज होनी है, जिसका एक पार्ट साल 2026 में और दूसरा 2027 में रिलीज होना है। साईं सीता मां के रोल के लिए काफी चर्चा में बनी हुई हैं। इसके अलावा साईं के आमिर खान के बेटे अभिनेता जुनैद खान के साथ भी एक फिल्म में नजर आने की चर्चाएं हैं।

फर्जी 2 के लिए शाहिद कपूर को मिल रही करियर की सबसे ज्यादा फीस

बॉलीवुड एक्टर शाहिद कपूर की मोस्ट अवेटेड वेब सीरीज फर्जी के सीक्वल की शूटिंग शुरू होने से जुड़ी खबर सामने आई है। बताया जा रहा है कि इसके कमबैक की पूरी तैयारी हो गई है। साथ ही इस बार एक्टर को इसके लिए मोटी रकम भी मिल रही है। 2023 में अमेजन प्राइम वीडियो के साथ उन्होंने अपना ओटीटी डेब्यू किया था। और अब फिर से वह उसी अवतार में दिखाई देंगे। इसका डायरेक्शन राज और डीके ने किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, शाहिद कपूर को दूसरे सीजन यानी फर्जी 2 के लिए करीब 45 करोड़ रुपये बतौर फीस दिया जा रहा है। और ये उनके करियर की अब तक की सबसे ज्यादा फीस है। सोर्सेज के हवाले से बताया गया है कि शाहिद आमतौर पर प्रति फिल्म 25 से 30 करोड़ रुपये लेते हैं, लेकिन डिजिटल प्रोजेक्ट के लिए वो अलग फीस स्ट्रक्चर पर बातचीत करते हैं।

फर्जी 2 की शूटिंग कब होगी शुरू?

रिपोर्ट में ये भी बताया गया है कि फर्जी 2 इसी साल दिसंबर, 2025 तक में ये फ्लोर पर आ जाएगी। डायरेक्टर राज और डीके फिलहाल रक्त ब्रह्मांड की शूटिंग में बिजी हैं। और वह अपने सभी कमिटमेंट्स को पूरा करने के बाद सीक्वल के लिए प्री-प्रोडक्शन शुरू करेंगे। सोर्सेज ने ये भी बताया है कि इस वेब सीरीज के लिए शाहिद कपूर के साथ कोर प्लॉटलाइन पर बात हो चुकी है।

फर्जी 2 कब होगी रिलीज?

सीरीज के दूसरे सीजन में विजय सेतुपति और के के मेनन के बीच तकरार देखने को मिलेगी। रिलीज डेट की बात करें तो वह 2026 का दावा कर रहे हैं। इस सीरीज में राशि खन्ना, भुवन अरोड़ा और काव्या थापर भी अहम भूमिका में थे। फिलहाल शाहिद कपूर अभी विशाल भारद्वाज की डायरेक्टेड एक गैंगस्टर एक्शन फिल्म अर्जुन उस्तारा की शूटिंग कर रहे हैं। फिल्म में तृप्ति डिमरी मुख्य भूमिका में हैं और यह 5 दिसंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सामंथा ने निर्देशक राज निदिमोरु संग किया रिश्ता कन्फर्म!

सामंथा रुथ प्रभु इन दिनों अपनी लव लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में उनका नाम निर्देशक राज निदिमोरू के साथ जोड़ा जा रहा है। इस बीच सामंथा ने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें राज निदिमोरु भी नजर आ रहे हैं। इसके बाद से ही यूजर्स का दावा है कि दोनों ने अपने रिश्ते की पुष्टि कर दी है। दरअसल, यह तस्वीरें सामंथा रुथ प्रभु ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। तस्वीरों में राज मुस्कुराते हुए नजर आ रहे हैं और एक डॉगी उनके साथ खेल रहा है। जबकि दूसरी तस्वीर में सामंथा और राज एक साथ सेल्फी के लिए पोज देते नजर आ रहे हैं। इसके कैप्शन में एक्ट्रेस ने लिखा, 'सफर लंबा था, लेकिन आखिरकार हम यहां तक पहुंच ही गए । एक नई शुरुआत।' सामंथा और राज निदिमोरु साथ में द फैमिली मैन और सिटाडेल- हनी बनी जैसे प्रोजेक्ट्स में काम कर चुके हैं। दोनों को पिकलबॉल टीम चेन्नई सुपर चैंप्स के साथ भी देखा गया था। इसके बाद से ही उनके रिश्ते को लेकर खबरें आने लगी थीं। हालांकि, अब तक दोनों ने इस बारे में कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। सामंथा रुथ प्रभु इन दिनों फिल्म शुभम का जोर-शोर से प्रमोशन कर रही हैं। यह बतौर प्रोड्यूसर उनकी पहली फिल्म होगी।

ओप्पम के रीमेक के लिए सैफ सीखेंगे कलारीपयट्ट

सैफ अली खान मलयालम की सुपरहिट थ्रिलर फिल्म ओप्पम के हिंदी रीमेक में मुख्य भूमिका निभाएंगे। इस फिल्म का निर्देशन जाने-माने निर्देशक प्रियदर्शन करेंगे और इसकी शूटिंग इसी साल के अंत तक शुरू होने की संभावना है। फिल्म में सैफ एक नेत्रहीन व्यक्ति का किरदार निभाएंगे और इस भूमिका को प्रामाणिकता देने के लिए वह पारंपरिक भारतीय मार्शल आर्ट कलारीपयडू भी सीखेंगे।

सैफ की यह ट्रेनिंग इस चुनौतीपूर्ण भूमिका के प्रति उनकी कमिटमेंट को दर्शाता है, जिसमें फिजिकल स्किल और इमोशनल इंटेंसिटी दोनों की जरूरत है। एक रिपोर्ट के अनुसार सैफ, राहुल ढोलकिया की फिल्म पूरी करने के बाद दो महीने का ब्रेक लेंगे। इस इस दौरान वह नेत्रहीन व्यक्ति का किरदार निभाने की तैयारी के लिए वर्कशॉप में भाग लेंगे। इसके बाद, वह कलारीपयडू सीखने के लिए केरल जाएंगे, क्योंकि उनका किरदार एक कुशल मार्शल आर्टिस्ट का है। मूल फिल्म ओप्पम में मोहनलाल का किरदार अपनी तेज सूंघने, सुनने और छूने की क्षमता के जरिए रहस्य को सुलझाता है और सैफ भी हिंदी रीमेक में उसी परफेक्शन को लाने के लिए कमिटेड हैं। वह इसमें इंटेंस एक्शन सीक्वेंस करते दिखेंगे।

ओप्पम जयरामन नाम के शख्स की कहानी बताती है, जो नेत्रहीन है और एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की बेटी की रक्षा करता है, जिसकी हत्या उस व्यक्ति ने की है जिसे न्यायाधीश ने एक जुर्म के लिए सजा सुनाई थी। हिंदी रीमेक का निर्देशन करने के साथ ही प्रियदर्शन इसकी राइटिंग भी कर रहे हैं।

वीरता की गाथा के साथ बड़ा मैसेज भी देगी केसरी वीर, इतिहास के सबसे अहम अध्याय को समर्पित 2

जल्द ही प्रिंस धीमान निर्देशित फिल्म 'केसरी वीर' में सुनील शेट्टी एक योद्धा का किरदार निभाते नजर आएंगे। यह फिल्म सोमनाथ मंदिर पर हुए हमले की एक ऐतिहासिक कहानी कहेगी। कैसे कुछ योद्धाओं ने सोमनाथ मंदिर की रक्षा की थी, यही फिल्म की कहानी है। यह पहली बार नहीं है कि सुनील शेट्टी किसी एक्शन फिल्म कर हिस्सा बन रहे हों, वह अपने करियर में कई एक्शन फिल्म कर चुके हैं।

आपका किरदार इतिहास से है। इसके लुक पर क्या सावधानियां रखीं?

वेगड़ा जी शिव भक्त योद्धा हैं, जिनके रुद्राक्ष, माला, केश, दाढ़ी और खास वेशभूषा उनकी पहचान हैं। पूरी फिल्म में एक ही कपड़े पहने यह किरदार आम शिवभक्त या भील राजा जैसा दिखता है। पिता के रूप में नियंत्रित, पर मुगलों के खिलाफ आक्रामक योद्धा के रूप में नजर आता है।

कहीं से कोई किरदार था, जिससे इत्पायर होकर इसे आपने निभाया?

हमने महाभारत के शूरवीरों से प्रेरित होकर भी वेगड़ा जी का किरदार डिजाइन किया है। क्लाइमैक्स में वह कालजयी रूप लेता है। वरना पूरी फिल्म में नियंत्रित दिखने वाला यह किरदार, अंत में अपने गुस्से के विस्फोट से सुनील शेट्टी नहीं, सिर्फ वेगड़ा जी के रूप में ही पहचाना जाएगा।

क्या यह भी जेहन में था कि इसका स्केल बहुत बड़ा रखा जाए?

बजट की कमी के बावजूद, हमने प्रामाणिक कैमरा वर्क, कॉस्ट्यूम, बैकग्राउंड स्कोर और शूटिंग से स्केल बनाए रखा। फिल्मसिटी के जंगलों को वॉर जोन जैसा बनाकर, कंकड़-पत्थरों और पेड़ों के बीच असली एक्शन सीक्वेंस शूट किए गए हैं। इसका मकसद वेगड़ा जी और हमीरजी गोहिल के वास्तविक गोरिल्ला युद्ध शैली को दिखाना है, जैसे उन्होंने विदेशी आक्रमणकारियों का सामना किया था। हमने जंगलों को जस का तस रखा।

शांत रोल्स के विपरीत, वेगड़ा के ललकार वाले सीन में आपने क्या सोचा था?

करो या मरो वाली स्थिति में गुस्सा स्वाभाविक है, जैसा बॉर्डर में भी था। मौत के तांडव में इंसान का आक्रामक रूप दिखता ही है। वेगड़ा जी की जगह खुद को रखकर, दुश्मन को मारने के सिवा कोई और विकल्प नहीं सूझा। एक्शन के साथ आंखों में गुस्सा लाना जरूरी था। डबिंग में आंसू थे, क्योंकि पिता अपनी बेटी को कुछ न दे पाने की हालत में जान तक देने को तैयार था।

क्या फिल्म में कोई मैसेज भी है?

हमारी फिल्म का यही संदेश है कि हमें बंटना नहीं है, एकजुट रहना है क्योंकि उस दौर में वेगड़ा जी जैसे वफादार योद्धा तो थे लेकिन कई राजा दुश्मनों से मिल गए और उनके मुखबिर बन गए, जिसका नतीजा सबको पता है।

नैरटिव की ऐतिहासिक सटीकता कितनी है?

हमारे डायरेक्टर प्रिंस धीमान बहुत सच्चे रहे हैं, हर पहलू को लेकर। सोमनाथ मंदिर पर दर्जन भर से ज्यादा बार हमले हुए। उसमें से जो चौथी बार का हमला था, हमारी कहानी उस बारे में है। युद्ध के स्केल को बड़ा दिखाने के लिए जरूर क्रिएटिव कोशिशें हुई हैं, मगर जो वेगड़ा जी का अपनी बेटी के प्रति एक बेपनाह प्यार था, वह बिल्कुल सच्चा रखा गया है।